Vol.23, Issue 2 | Annual Subscription ₹ 480

@NewsRotary

/RotaryNewsIndia

दिसंबर 2023

रोटरी समाचार

भारत

www.rotarynewsonline.org

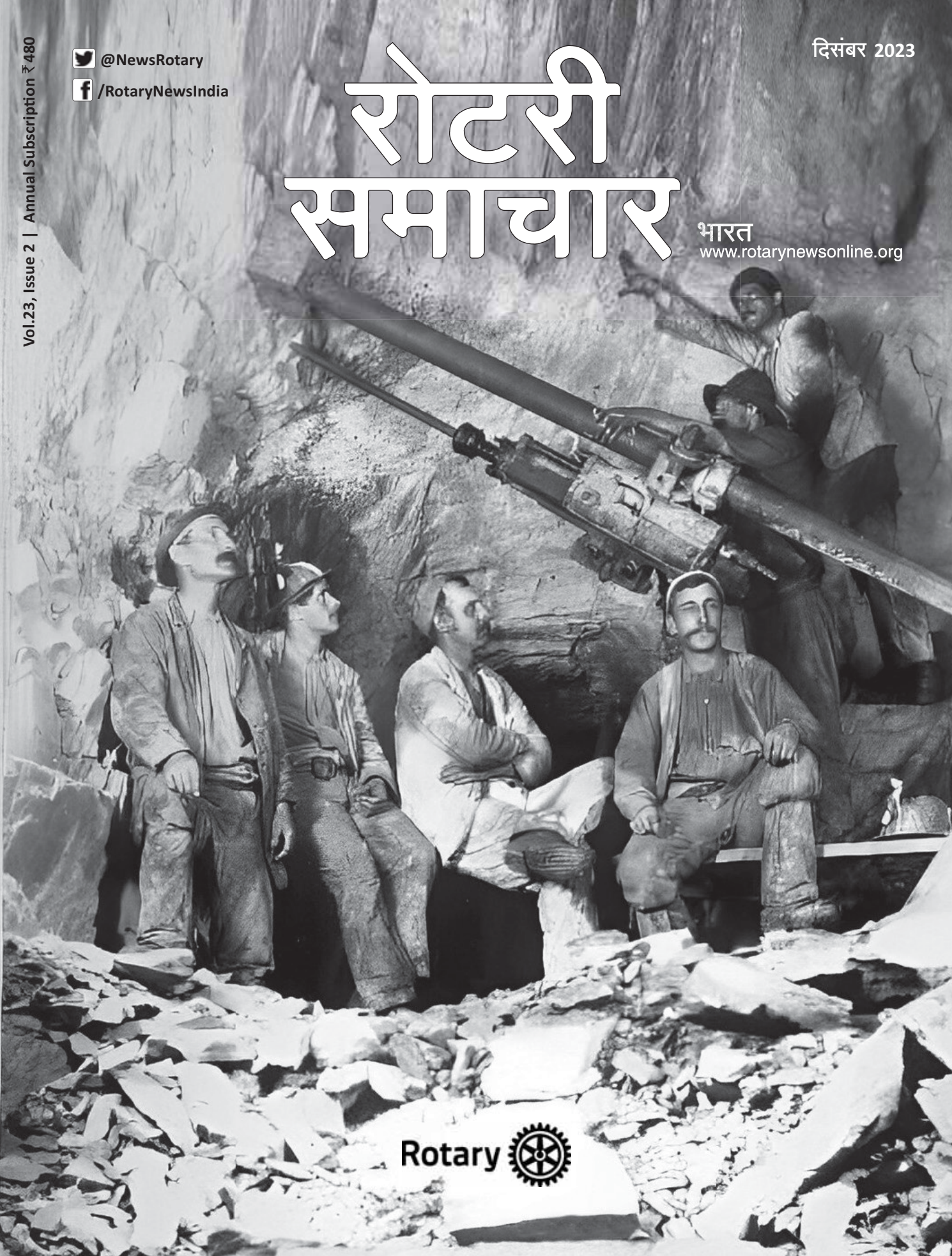

Rotary

ADVT.

To build and groom young Entrepreneurs

CREATE HOPE in the WORLD

RYLA
Be an Entrepreneur
Certification in Entrepreneurship

Stop searching jobs
Start producing jobs

A Project by
Rotary Club of Virudhunagar
RI Dist- 3212

Rotary
A Comprehensive
ENTREPRENEURSHIP DEVELOPMENT WORKSHOP
in 3500 Minutes

Only **32** Participants Per Batch

The Top 2 Performers of Each Batch
FLY TO SINGAPORE* (Industrial Visit)
Free of Cost.

On Board **934** Through 30 Editions

Who Can
PARTICIPATE IN RYLA?
Rotaractors
Third & Fourth Year UG Students
First & Second Year PG Students
Graduates & Post Graduates
between ages 20 and 28

- Formula to Choose the Right Business
- Procuring Investments at Ease
- Productive People Management
- Digital & Organic Marketing Strategies
- Profit Making Techniques
- Showstopper Business Plans

- No. of Participants, Who have Started their Own Enterprises- 158
- * Fly to Singapore Winners-60

BUSINESS PLAN | POWER SPEAKERS | CONTINUOUS HANDHOLDING | INVESTORS MEET | LOT MORE SURPRISES

UPCOMING BATCH DATES
Batch 32 : 15th, 16th & 17th DEC, 2023
Batch 33 : 19th, 20th & 21st JAN, 2024
Batch 34 : 16th, 17th & 18th FEB, 2024

INVESTMENT - Rs.2500 Only
(Incl. Accommodation / Food / T-Shirt / Certification / E-Book / CREA Programs)

VENUE - Hotel St. Antony's Residency
Sipcot Industrial Growth Center
Gangaikondan, Tamilnadu

CONTACT FOR REGISTRATION: 94431 66650 / 94433 67248

LEKHA ads/Dec 23/ Rotary/1

PG | IDHAYAM PROMISE OF HEALTH AND HAPPINESS | Srinidhi Building Sustainable Relationship | K.V. Ramaswamy MEMORIAL TRUST

विषयसूची

12
केजीएफ में बेंगलुरु के रोटेरियन ज़हर से फल पैदा करते हैं

30
रोटरी क्लब दिल्ली इंपीरियल ने दिल्ली एनसीआर, गुरुग्राम में स्कूलों का कायाकल्प किया

36
WASH ने कोलकाता के 20 स्कूलों को बदल दिया

38
तस्करी की शिकार महिलाओं को कुशल बनाना

44
रोटरी क्लब नीलगिरी ने एक मोक्ष धाम और जैव विविधता पार्क का निर्माण किया

48
टीम इंडिया हम सब को क्या सिखा सकती हैं

52
रोटरी क्लब चंडीगढ़ की उत्कृष्ट सेवा

60
रोज़े की वैश्विक वृद्धि का झिलमिलाता सफर

64
कला के माध्यम से दुनिया को एकजुट करना

68
स्थिरता और खरीदारी

70
अफ्रीकी लड़की की रीढ़ की विकृति की सर्जरी

72
चिंता और अवसाद से निपटना

76
सलाखों के भीतर का नज़ारा

आपके पत्र

स्वामीनाथन को उचित श्रद्धांजलि

नोबेल पुरस्कार विजेता नॉर्मन बोरलॉग द्वारा दिए गए 100 किलो बौने गेहूं के बीज के उपहार को 100 मिलियन टन से अधिक गेहूं में परिवर्तित करके भारत को खाद्य आपूर्ति में आत्मनिर्भर बनाना स्वामीनाथन के एक महान लोकोपकारी होने का प्रमाण है। उन्होंने ज्यादा उपज देने वाले बासमती, आलू और गेहूं की किस्मों को विकसित करने के लिए पौधों की आनुवंशिकी का इस्तेमाल किया। हमारे बीच रहते हुए उन्हें भारत रत्न से सम्मानित किया जाना चाहिए था। फिर भी, भारत सरकार को उन्हें मरणोपरांत एक पुरस्कार देना चाहिए।

बालू उपडे
रोटरी क्लब लिंक टाउन - मंडल 3142

नवंबर के अंक में, एम एस स्वामीनाथन पर लेख अद्भुत है और फिनलैंड और आइसलैंड पर फीचर भी जानकारीपूर्ण था। हालांकि, श्रीनिवास राघवन के व्हीलचेयर विषय पर पर एलबीडब्ल्यू कॉलम में, मैं उनके सुझाव से सहमत नहीं हूं कि हवाई अड्डे पर प्रदान की जाने वाली व्हीलचेयर पर 500 का शुल्क लगाया जाना चाहिए। हर सुविधा का दुरुपयोग होना तय है। वास्तविक उपयोगकर्ताओं को दंडित करने का यह कारण नहीं होना चाहिए।

बृज खंडेलवाल
रोटरी क्लब मद्रास सेंट्रल - मंडल 3232

कवर स्टोरी भारत को इस सौम्य, दयालु कृषि वैज्ञानिक की कमी खलेगी ने एम एस स्वामीनाथन द्वारा भारत को अकाल पर विजय प्राप्त करने में मदद करने के लिए की गई निस्वार्थ सेवा की अच्छी तरह से व्याख्या की है। जब भारत भूख से लड़ रहा था, एमएसएस मेक्सिको से 100 किलोग्राम गेहूं के बीज आयात करने के विचार के साथ आगे आये। उसके बाद जो हुआ वह इतिहास बन गया। उन्होंने पर्यावरण को नुकसान पहुंचाए बिना फसल उत्पादकता में सुधार के लिए आवश्यक ज्ञान के साथ भारत की कृषक महिलाओं को भी सशक्त बनाया है।

एम पालनीअप्पन
रोटरी क्लब मदुरई वेस्ट - मंडल 3000

भारत के सबसे बड़े कृषि वैज्ञानिक और दुनिया के इस हिस्से में खाद्य सुरक्षा के वास्तुकारों में से एक पर व्यापक लेख के लिए बधाई। हालांकि, आप एक प्रमुख बिंदु लिखने से चूक गए। रोटरी क्लब मद्रास ईस्ट के एक मानद सदस्य, उन्होंने वाटर एक्सपो, बायोमास शो, ग्रीन अर्थ सेमिनार-कम-एक्सपो और खाद्य सुरक्षा एक्सपो जैसी कई पहलों का नेतृत्व किया जिनमें से आखिरी कार्यक्रम एक सप्ताह का था जिसका उद्घाटन तत्कालीन प्रधानमंत्री देव गौड़ा ने किया था। क्लब 1995 से हर साल उनके जन्मदिन पर एम एस स्वामीनाथन पर्यावरण संरक्षण पुरस्कार प्रदान कर रहा है।

पी ई रामकृष्णन
रोटरी क्लब मद्रास ईस्ट
मंडल 3232

जहां खुशियों का अधिपत्य हो

पीआरआईडी मनोज देसाई अपने जीवंत वृत्तान्त में फिनलैंड और आइसलैंड, *जहां खुशियाँ राज करती है*, के प्राकृतिक सौंदर्य और वास्तुशिल्प के चमत्कारों को हमारे मानस दर्शन में लाते हैं। हमने फिनलैंड के वास्तुशिल्प चमत्कारों के बारे में सब कुछ जाना और यह भी पढ़ा कि आइसलैंड, जहाँ नाईट लाइफ प्रमुख है, अपने संगीत समारोहों और बागवानी के लिए क्यों प्रसिद्ध है।

वी आर टी दोरईराजा
रोटरी क्लब तिरुचिरापल्ली - मंडल 3000

संध्या राव (नवंबर अंक) के लेख *दिमाग पर दस्तक* में शानदार तरीके से यह बताया गया है कि मानवता एक दोराहे पर खड़ी है। युद्ध और सामाजिक संघर्ष बढ़ रहे हैं, जिससे मानव जाति के लिए अपने अस्तित्व को बचाने का संकट पैदा हो गया है। हमें युद्ध, संघर्ष, गरीबी और भूख से प्रताड़ित लोगों के पुनर्वास के लिए डॉ. आर्चीबाल्ड मैकइंडो और एम एस स्वामीनाथन जैसे राजनीतिज्ञो की आवश्यकता है जिनके पास उपचारक शक्तियां है।

राधेश्याम मोदी
रोटरी क्लब अकोला - मंडल 3030

एक चमत्कारी रोटरी परियोजना

अक्टूबर की कवर स्टोरी जहां *खुले आसमान के नीचे शिक्षा के जरिये जादू होता है* शानदार था। ललिता शर्मा और उनके पति हमित आनंद को उनकी मानवीय सेवा के लिए बधाई। एक अन्य लेख *जब रोटरी ने एक शहर को परिवर्तित किया* में गुजरात राज्य के वलसाड ज़िले में स्थित एक नगर वापी में रोटरी अस्पताल के निर्माण में पीआरआईपी कल्याण बेनर्जी और अन्य लोगों के असाधारण प्रयासों पर प्रकाश डाला गया।

डैनियल चित्तिलापिल्ली
रोटरी क्लब कलूर - मंडल 3201

खुले आसमान के नीचे शिक्षा की कहानी पढ़ने में प्रेरक है। यह केवल रोटरियन श्रीमती ललिता शर्मा की प्रतिबद्धता को दर्शाता है जिन्होंने वंचित बच्चों के लिए इन अभिनव कक्षाओं को शुरू किया है।

एस मुनियांदी
रोटरी क्लब डिंडीगुल फोर्ट - मंडल 3000

पीआरआईपी बेनर्जी ने हरिया एल जी रोटरी अस्पताल, वापी, की स्थापना के लिए अथक प्रयास किए हैं। 1982 में 25-बिस्तरों वाले एक मामूली अस्पताल से शुरू होकर, यह तेजी से 250-बिस्तरों वाला मल्टी-

आपके पत्र

स्पेशियलिटी अस्पताल बन गया। ₹7 करोड़ की लागत वाला एक नया कैंसर केंद्र भी निर्माणाधीन है।

एम सुंदरबल
रोटरी क्लब कुंभकोणम शक्ति - मंडल 2981

अक्टूबर संपादकीय खुले आसमान के नीचे, प्रभावशाली रोटरी परियोजनाओं पर प्रकाश डालते हुए दिलचस्प प्रतीत होती है। कुछ अन्य प्रेरक लेख भी हैं जैसे *ग्रामीण किशोरियों की शिक्षा में सहायता,* और *मुंबई रोटरेक्टर्स का महिला तस्करी के विरुद्ध अभियान।*

एस एन शामुगम
रोटरी क्लब पनरुती - मंडल 2981

अक्टूबर के अंक में, मैंने चेन्नई से 100 किमी दूर एक झाड़ीदार जंगल में रहने वाले इरुला समुदाय के लोगों के बारे में एक दिलचस्प लेख (इरुला परिवारों के लिए मॉडल टाउनशिप) को पढ़ा। हम पीडीजी अबिरामी रामनाथन को बधाई देते हैं जिन्होंने इस परियोजना की कुल लागत के ₹8.5 करोड़ में से 4 करोड़ का दान दिया है। इस कुयिलीकुप्पम परियोजना को सफलतापूर्वक निष्पादित करने के लिए रोटरी क्लब मद्रास सेंट्रल को सलाम।

एन जगथीसन
रोटरी क्लब एलुरु - मंडल 3020

महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए सिलाई मशीनें वितरित करने हेतु डीजी एस राघवन, रो ई मंडल 2982, को बधाई। इसके पीछे का मंतव्य महिलाओं को कुशल बनाना है ताकि वे अपनी वित्तीय स्थिति में सुधार के लिए सिलाई को एक पेशे के रूप में अपना सकें।

एस नटराजन
रोटरी क्लब कूथपक्कम - मंडल 2981

मुझे हवाई अड्डों पर व्हीलचेयर के अनावश्यक उपयोग पर आधारित नवंबर के अंक में प्रकाशित एल बी डब्ल्यू लेख, हवाई अड्डों पर व्हीलचेयर का चलन, असंवेदनशील लगा। मुझे लगता है कि राघवन जो सोचते हैं, उसके विपरीत दुनिया भर के हवाई अड्डों पर व्हीलचेयर मुफ्त प्रदान की जाती है। वे अक्षम यात्रियों के लिए एक वरदान हैं। हवाई अड्डों के अंदर चलना काफी थकाऊ हो सकता है। मैंने शिकागो, हीथ्रो आदि में ऐसा महसूस किया है। 7 किलो के कैरी-ऑन बैग और एक पहिये वाले बैग के साथ चलना मेरी (और कई अन्य व्हीलचेयर यात्रियों की) शारीरिक क्षमता से परे है। सभी व्हीलचेयर उपयोगकर्ताओं पर विचारहीन आक्षेप फैलाना गलत है।

पीडीजी आर डी प्रभु
रोटरी क्लब शिमोगा - मंडल 3182

रोटरी न्यूज़ की लत लग गई है

मैंने रोटरी में तीन दशक से अधिक समय बिताया है, और हर बार जब मैं *रोटरी न्यूज़* पढ़ता हूं तो मुझे अपनी आत्मा को हौले से छूने वाली हवा की एक ताज़ा सुगंध का अनुभव होता है, जिससे मुझे इस जादुई संगठन का सदस्य होने के लिए एक नया अर्थ, एक नया आयाम मिलता है।

चार दशकों से अधिक समय से एक पत्रकार के रूप में, मैं विशेष रूप से उन लोगों में जबरदस्त नकारात्मकता और निराशा की भावना देखता हूं जिनका हम चुनाव करते हैं। अच्छा काम करने वाले रोटेरियनों की कहानियों से मंत्रमुग्ध होकर जब मैं इस पत्रिका के पन्ने पलटता हूं, तो मेरी यह मायूसी गायब हो जाती है। मैं इसके प्रत्येक शब्द को ब्लोटिंग पेपर की तरह अवशोषित करता हूं। यह मेरे दिमाग को खोलकर उसे नए विचारों से भर देता हैं, जिससे मुझे वह किक मिलती है जो महैप्पी ऑवरफ से भी नहीं मिल सकती।

जब मैं कहता हूं कि *रोटरी न्यूज़* पढ़ना सभी रोटेरियन के लिए सबसे खुशी का पल होता है, तो मैं इस बात को बढ़ा-चढ़ाकर नहीं कह रहा होता हूं। गैर-रोटरी लेख (जैसे एलबीडब्ल्यू, शब्दों की दुनिया) इस उत्पाद को पूर्णता प्रदान करते हैं, और मैं अपने सभी रोटेरियन से अपील करता हूं कि वे इस पत्रिका को पढ़ने के बाद इसे फिर से प्रसारित करें।

पत्रिका इस बात को समेकित करती है कि हम रोटरी में क्यों हैं। आइए इस रचनात्मक पत्रकारिता के स्वाद से अच्छाई के लिए हमारी भूख बढ़ने दे, जिससे कि हम आपके संपादन में महीने-दर-महीने खाने के लिए लालायित रह सके।

मिलिंद बल्लाल
रोटरी क्लब ठाणे मिड टाउन - मंडल 3142

आपको संतुष्टि और कृतज्ञता की भावना के साथ यह बताना है कि नवंबर अंक की योजना बहुत ही प्रवीणता एवं बौद्धिक कुशलता के साथ तैयार किया गया था। मैं लगभग चार दशकों से इस पत्रिका के बारे में जानता हूँ और 1978 के बाद से मैं इसे कभी भी पूरी तरह से नहीं पढ़ सका। मैं अपने क्लब सचिव से कहता था कि मुझे *रोटरी न्यूज़* का बिल न दें क्योंकि मुझे यह बहुत नीरस और अरोचक लगती है। आपके कौशल और अंतिम अंक के लिए उपयुक्त सामग्री के आपके चुनाव को सलाम। इसे ध्यान से पढ़ने के बाद, मैंने इस प्रकाशन को कभी खारिज ना करने का फैसला किया है!

आई डी शुक्ला
रोटरी क्लब चंडीगढ़ - मंडल 3060

कवर पर: ब्रिटिश काल के दौरान बेंगलुरु के पास कोलार में एक सोने की खदान।

हम आपकी प्रतिक्रियाओं का स्वागत करते है। अपनी प्रतिक्रियाएं *rotarynews@rosaonline.org* या *rushbhagat@gmail.com* पर संपादक को मेल कीजिए। *rotarynewsmagazine@gmail.com* पर उच्च रेसोल्यूशन वाली तस्वीरें अपनी परियोजना के विवरण के साथ मेल कीजिए।

अध्यक्ष की ज़बानी

अप्राकृतिक आपदाएं

दिसंबर में, मैं दुबई, संयुक्त अरब अमीरात, में संयुक्त राष्ट्र COP28 जलवायु परिवर्तन शिखर सम्मेलन में भाग लूंगा, जहां मैं जलवायु परिवर्तन और मानसिक स्वास्थ्य जैसे वैश्विक संकटों पर होने वाली बैठक को संबोधित करूंगा। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इस बात पर ज़ोर दिया है कि जलवायु परिवर्तन मानसिक स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्याओं के लिए जोखिम कारकों को बढ़ाता है, जैसे कि घरों तथा आजीविका चलाने में व्यवधान उत्पन्न करना। एक आपदा का भावनात्मक संकट पुनर्वास और पुनर्निर्माण में भी बाधा डालता है।

शेल्टरबॉक्स नामक एक अंतरराष्ट्रीय आपदा राहत परोपकारी संस्थान ने लगभग 100 देशों में आपातकालीन आश्रय, आवश्यक घरेलू सामान और तकनीकी सहायता प्रदान करके 2.5 मिलियन से अधिक विस्थापित व्यक्तियों की सहायता की है। इस महीने के कॉलम में उनके सीईओ संज श्रीकांथन का लेख शामिल हैं जो आपदाओं का वर्णन करने में हमारे द्वारा उपयोग की जाने वाली भाषा के महत्व पर प्रकाश डालते हैं।

- गॉर्डन मेकिनली

फोटो: शेल्टरबॉक्स के सौजन्य से

प्राकृतिक आपदा शब्द ऐतिहासिक रूप से उष्णकटिबंधीय तूफ़ानों, बाढ़, भूकंपों और ज्वालामुखी विस्फोटो के लिए उपयोग किया गया है। हालांकि, हमें तत्काल अपनी भाषा बदलनी चाहिए। जबकि यह शब्द हानिरहित लग सकता है, आपदा प्रभावित समुदायों के साथ हमारे काम से हमे पता चला कि इस शब्द नें एक खतरनाक मिथक को बनाए रखा है कि इस तरह के गंभीर प्रभावों को रोकने के लिए कुछ भी नहीं किया जा सकता है। जब लोगों को मदद की आवश्यकता होती है तब यही भ्रामक और हानिकारक बातें निष्क्रियता का कारण बन सकती है।

हमारी भाषा का चयन मायने रखता है। आपदाओं को प्राकृतिक होने का दर्ज़ा देना प्रकृति एवं मानव कार्यों और वैश्विक समुदायों पर पड़ने वाले उनके प्रभावों के बीच जटिल संबंधों के स्वीकरण को विफल बनाता है। भूकंप, सुनामी, ज्वालामुखी विस्फोट और मौसम की भयावह परिस्थितियाँ पृथ्वी पर प्राकृतिक प्रक्रियाओं के कारण घटित होती है, लेकिन उनके परिणाम आवासीय स्थानों, आवास के प्रकार, राजनीतिक स्थिरता और कमजोर समुदायों की रक्षा के लिए सक्रिय उपायों जैसे मानवीय कारकों से प्रभावित होते हैं।

संसाधनों तक पहुंच और शक्ति की प्रणालीगत असमानताओं के परिणामस्वरूप आपदाएं उत्पन्न होती हैं। लोगों के पास कहां और कितना पैसा है यह अक्सर उनके पुनर्वास की क्षमता को निर्धारित करता हैं। सबसे अधिक प्रभावित गरीबी होते हैं, जिनके पास खुद को बचाने के लिए सीमित साधन होते हैं और आगामी घटना का सामना करने के लिए बहुत कम संसाधन होते हैं।

इन घटनाओं को केवल आपदाओं के रूप में संदर्भित करके या उन्हें भयावह मौसम, भूकंप, सुनामी, या ज्वालामुखी विस्फोटो के रूप में निर्दिष्ट करके, हम अंतर्निहित सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक अस्थिरता को स्वीकार करते हैं जो सीमांत और वंचित समुदायों को असमान रूप से प्रभावित करती है। शेल्टरबॉक्स में, हम इस भाषा के बदलाव का समर्थन करते हैं और सभी से इस कुचक्र को तोड़ने के प्रयासों में हमारे साथ जुड़ने का आग्रह करते हैं।

केवल ऐसी भाषा का उपयोग करके जो गंभीर प्रभावों के पीछे के कारणों को सटीक रूप से दर्शाती है, हम संवेदनशीलता के मूल कारणों को संबोधित करने और अधिक न्यायसंगत भविष्य के प्रयास के मार्ग को प्रशस्त कर सकते हैं। इसके लिए प्रभावित समुदायों की सुरक्षा के लिए आवश्यक निवेश, संसाधनों और सक्रिय उपायों की आवश्यकता है।

आपदाएं प्राकृतिक नहीं होती हैं। चलिए उन्हें प्राकृतिक कहना बंद करें।

संज श्रीकांथन
सीईओ, शेल्टरबॉक्स

संपादक
का संदेश

एक हृदयविदारक पराजय

19 नवंबर का दिन भारत में एक अरब से ज्यादा दिलों के टूटने के साथ तमाम हुआ, जब वनडे इंटरनेशनल वर्ल्ड कप 23 हमारी क्रिकेट टीम से मुंह मोड़ के चला गया। आप कैसे ये बात से पचा सकते हैं कि भारतीय टीम फाइनल तक 10 मैच आसानी से जीतती चली गई और फाइनल में जा कर लड़खड़ा गई और ट्रॉफी घर लाने में असफल रही जो 2011 के बाद से भारत आने में नाकाम रही है? कौन भूल सकता है विराट कोहली की हताशा को जिन्होंने पूरी सीरीज़ में बेहतरीन बल्लेबाज़ी की, रोहित शर्मा की अपने आंसुओं को छुपाने की नाकाम कोशिश या मोहम्मद सिराज का इतना खुलकर सिसकना और जसप्रीत बुमराह का उन्हें दिलासा देना?

उधर पंडितों ने अपना ज्ञान झाड़ना शुरू कर दिया, क्या करना चाहिए था/क्या नहीं ; लेकिन इस बार ताज़गी भरी जो नई बात हुई वो था समर्थन, सम्मान और भरपूर प्यार जो हमारे लोगों ने नीली जर्सी पर उंडेला। इसकी शुरुआत शीर्ष से हुई; प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट किया: ''प्रिय टीम इंडिया, विश्व कप के दौरान आपकी प्रतिभा और दृढ़ संकल्प उल्लेखनीय था। आपने पूरे जज्बे के साथ खेला और देश को गौरव दिलाया। हम आज और हमेशा आपके साथ खड़े हैं, खड़े रहेंगे।'' बॉलीवुड सितारों ने भी यही किया, शाहरुख खान का पोस्ट था : ''जिस तरह से भारतीय टीम ने ये इस पूरे टूर्नामेंट में खेला वह अत्यंत सम्मान की बात है और उन्होंने शानदार भावना और दृढ़ता दिखाई। यह एक खेल है और इसमें हमेशा एक या दो दिन बुरे होते हैं। दुर्भाग्य से ऐसा आज होना था। लेकिन क्रिकेट में हमारी खेल विरासत पर हमें इतना जिस तरह से भारतीय टीम इस पूरे टूर्नामेंट में खेली वह अत्यंत सम्मान की बात है, उन्होंने शानदार भावना और दृढ़ता दिखाई। यह एक खेल है और इसमें हमेशा एक या दो दिन बुरे होते हैं। दुर्भाग्य से ऐसा आज ही होना था। लेकिन क्रिकेट में हमारी खेल विरासत पर हमें इतना गौरवान्वित महसूस कराने के लिए टीम इंडिया को धन्यवाद... प्यार और सम्मान।'' अगली सुबह, *टाइम्स ऑफ इंडिया* में एचएसबीसी के एक विज्ञापन में भारतीय टीम के लिए यह हार्दिक संदेश था: ''जीतने के लिए धन्यवाद। हमारे दिल। हमारा प्यार और हमारा सम्मान। हार में भी अनुग्रह दिखाने के लिए धन्यवाद। और आपके अदम्य साहस और आपकी भावना के लिए, जिसके बारे में हम जानते हैं कि वह और मजबूत होकर लौटेगी।''

ये सहज, त्वरित प्रतिक्रिया एक सकारात्मक संकेत है कि हम शोर मचाने, परेशान करने और यहां तक कि पत्थर फेंकने वाले दर्शक को बहुत पीछे छोड़ आये हैं, उस से बहुत दूर आ गए हैं - याद करें, बड़े मैच हारने के बाद एम एस धोनी के घर पर पथराव हुआ करता था। अगर हमारी क्रिकेट टीम हार को शालीनता से स्वीकार कर सकती है, तो उनके प्रशंसक भी ऐसा ही कर सकते हैं।

जिस तरह से भारतीय मुख्य कोच राहुल द्रविड़, जो इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम द्वारा एक के बाद एक मैच जीतने के बावजूद पृष्ठभूमि में चुपचाप रहे थे, उस दुखद रविवार को मीडिया के सवालों का जवाब देने के लिए वो आगे आए, क्योंकि रोहित और उनके लड़के निराशा से उबरने के लिए ड्रेसिंग रूम की ओर पलायन कर गए थे, उनका वक्तव्य भी सराहनीय था। जैसा कि राहुल ने कहा, ''कल सूरज फिर निकलेगा;'' टीम इस हार पर मंथन करेगी, सीख लेगी और आगे बढ़ेगी।

लेकिन अपनी पीठ थपथपाने के साथ, आइए रोटरी के फोर-वे टेस्ट के दो मुख्य घटक...सच्चाई और निष्पक्षता पर भी एक नज़र डालें और देखें कि अंतरराष्ट्रीय मीडिया - मुख्यधारा और सामाजिक दोनों - ने पूरे टूर्नामेंट और दर्शकों के बारे में क्या कहा। इसमें कहा गया, पूरे टूर्नामेंट में अंतरराष्ट्रीय भावना नदारद थी। भारतीय तिरंगे को छोड़कर, शायद ही कोई अन्य ध्वज स्टैंड से लहराते दिखे हों, वो भी कहीं कहीं सिर्फ तभी नज़र आते थे कि जब भारत नहीं खेल रहा होता था, और साथ ही विरोधी टीमों के समर्थक भी मुश्किल से नज़र आये। जब गैर-भारतीय बल्लेबाज गेंद को सीमा रेखा के पार भेजते थे तो स्टेडियम में सन्नाटा छा जाता था।

आइए हम भीतर झांकें और आत्मावलोकन करें और इस आलोचना की भी परख करें। निस्संदेह भारतीय क्रिकेट टीम सर्वश्रेष्ठ थी, लेकिन क्या हम, एक दर्शक के रूप में खेल की भावना प्रदर्शित करने में कहीं चूक गए? पारंपरिक और रंगारंग स्वागत समारोहों के अलावा, क्या अन्य खिलाड़ियों को हमने वास्तव में *अतिथि देवो भव:* की सच्ची भावना के साथ स्वागत का एहसास कराया? आइए अपने दिलों को टटोलें और एक ईमानदार जवाब दें!

रशीदा भगत

जल्दी पंजीकरण कराने के प्रमुख कारण

अपने कैलेंडर पर किसी यात्रा के बारे में दिवास्वप्न देखना जीवन के छोटे-छोटे पुरस्कारों में से एक है। और भी अधिक यदि गंतव्य सिंगापुर में 2024 रोटरी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन है, जो एशिया का चमकदार उद्यान शहर, संस्कृति और अद्वितीय आकर्षणों से समृद्ध है। यहां जल्दी पंजीकरण कराने के कुछ कारण दिए गए हैं।

- अपने आप को आगे बढ़ने के लिए छुट्टी दें। चाहे आप जीवन भर की यात्रा कर रहे हों या वापसी यात्रा पर, आपको सिंगापुर में प्रेरणा और आश्चर्य मिलेगा।
- महत्वपूर्ण धन बचाएं। शीघ्र पंजीकरण छूट की अंतिम तिथि 15 दिसंबर है। आपको कम दर नहीं मिलेगी.
- हवाई किराए और होटलों का अपना चयन करें। इससे पहले कि कीमतें निश्चित रूप से 25-29 मई के करीब बढ़ें, एक अच्छी हवाई किराया दर तय करने का यह सही समय है। जब आप विशेष दर पर अपना होटल बुक करेंगे तो आपके पास कमरे के अधिक विकल्प होंगे। किसी डील की तलाश में हैं? एक शहर का दृश्य? आपके बच्चों के लिए पर्याप्त जगह? अपने विकल्पों की जाँच करें.
- एक विशेष अनुभव बुक करें। रोटरी सदस्यों के लिए विशेष भ्रमण बिक सकते हैं, और आयोजकों ने सिंगापुर और आस-पास के देशों में छिपे हुए रत्नों को देखने के लिए टूर पैकेज तैयार किए हैं।
- अपने दल को इकट्ठा करने के लिए समय निकालें। रोटरी क्लब ऑफ क्यूबाओ, क्रेज़ोन सिटी, फिलीपींस के वेरोनिका और जॉनी यू, मेलबर्न में रहते हुए भी सिंगापुर के लिए प्रतिबद्ध हैं और दूसरों को शीघ्र पंजीकरण का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं। जॉनी यू कहते हैं, आप रोटरी के जादू पर तभी विश्वास कर सकते हैं जब आप सम्मेलन में जाएंगे। कोई भी दो परंपराएं एक जैसी नहीं होती हैं, इसलिए भले ही आप पहले भी वहां गए हों, यह दोस्तों के साथ फिर से जुड़ने और प्रेरित होने का मौका है। यह सम्मेलन तब होता है जब सदस्य दुनिया के साथ आशा साझा करने के लिए विचारों को कार्यों में बदलते हैं।

अधिक जानें और
convention.rotary.org
पर रजिस्टर करें।

गवर्नर्स काउंसिल

RID 2981 सेनगुट्टुवन जी
RID 2982 राघवन एस
RID 3000 आनंदता जोती आर
RID 3011 जीतेन्द्र गुप्ता
RID 3012 प्रियतोष गुप्ता
RID 3020 सुब्बाराव रावुरी
RID 3030 आशा वेणुगोपाल
RID 3040 रितु ग्रोवर
RID 3053 पवन खंडेलवाल
RID 3055 मेहुल राठौड़
RID 3056 निर्मल जैन कुणावत
RID 3060 निहिर दवे
RID 3070 विपन भसीन
RID 3080 अरुण कुमार मोंगिया
RID 3090 घनश्याम कंसल
RID 3100 अशोक कुमार गुप्ता
RID 3110 विवेक गर्ग
RID 3120 सुनील बंसल
RID 3131 मंजू फड़के
RID 3132 स्वाति हर्कल
RID 3141 अरुण भार्गवा
RID 3142 मिलिंद मार्तंड कुलकर्णी
RID 3150 शंकर रेड्डी बुसिरेड्डी
RID 3160 माणिक एस पवार
RID 3170 नासिर एच बोरसाडवाला
RID 3181 केशव एच आर
RID 3182 गीता बी सी
RID 3191 उदयकुमार के भास्करा
RID 3192 श्रीनिवास मूर्ति वी
RID 3201 विजयकुमार टी आर
RID 3203 डॉ सुंदरराजन एस
RID 3204 डॉ सेतु शिव शंकर
RID 3211 डॉ सुमित्रन जी
RID 3212 मुत्तैय्या पिल्लई आर
RID 3231 भरणीधरन पी
RID 3232 रवि रामन
RID 3240 नीलेश कुमार अग्रवाल
RID 3250 बगारिया एस पी
RID 3261 मनजीत सिंह अरोड़ा
RID 3262 जयश्री मोहंती
RID 3291 हीरा लाल यादव

प्रकाशक एवं मुद्रक **पी टी प्रभाकर**, 15 शिवास्वामी स्ट्रीट, मायलापोर, चेन्नई - 600004, रोटरी न्यूज़ ट्रस्ट के लिए रासी ग्राफिक्स प्राइवेट लिमिटेड, 40, पीटर्स रोड, रोयापेट्टा, चेन्नई - 600014 से मुद्रित एवं रोटरी न्यूज़ ट्रस्ट, दुगड़ टावरस, 3rd फ्लोर, 34 मार्शलस रोड, एगमोर, चेन्नई - 600008 से प्रकाशित।
संपादक: **रशीदा भगत**

योगदान का स्वागत है लेकिन संपादित किया जाएगा। प्रकाशित सामग्री का आरएनटी की अनुमति सहित, यथोचित श्रेय देते हुए प्रयोग किया जा सकता है।

Website

न्यासी मंडल

अनिरुधा रॉयचौधरी **रो ई निदेशक और अध्यक्ष, रोटरी न्यूज़ ट्रस्ट**	RID 3291
राजु सुब्रमण्यन **रो ई निदेशक**	RID 3141
डॉ भरत पांड्या **टीआरएफ ट्रस्टी उपाध्यक्ष**	RID 3141
राजेंद्र के साबू	RID 3080
कल्याण बेनर्जी	RID 3060
शेखर मेहता	RID 3291
अशोक महाजन	RID 3141
पी टी प्रभाकर	RID 3232
डॉ मनोज डी देसाई	RID 3060
सी भास्कर	RID 3000
कमल संघवी	RID 3250
डॉ महेश कोटबागी	RID 3131
ए एस वेंकटेश	RID 3232
गुलाम ए वाहनवती	RID 3141

कार्यकारी समिति के सदस्य (2023-24)

स्वाति हेर्कल **अध्यक्ष, गवर्नर्स काउंसिल**	RID 3132
हीरा लाल यादव **सचिव, गवर्नर्स काउंसिल**	RID 3291
मुत्तैय्या पिल्लई आर **कोषाध्यक्ष, गवर्नर्स काउंसिल**	RID 3212
मिलिंद कुलकर्णी **सलाहकार, गवर्नर्स काउंसिल**	RID 3142

संपादक
रशीदा भगत

उप संपादक
जयश्री पद्मनाभन

प्रशासन और विज्ञापन प्रबंधक
विश्वनाथन के

रोटरी न्यूज़ ट्रस्ट
3rd फ्लोर, दुगर टावर्स, 34 मार्शल रोड, एग्मोर
चेन्नई 600 008, भारत
फोन: 044 42145666
rotarynews@rosaonline.org
www.rotarynewsonline.org

Magazine

आइये अच्छे स्वास्थ्य का समर्थन करें

प्रिय रोटरी परिवार,

जैसे ही दिसंबर, परावर्तन और उत्सव का महीना, आता है, मुझे रोटरी अंतर्राष्ट्रीय के निदेशक के रूप में सेवा करने का जो विशेषाधिकार प्राप्त हुआ है उससे मैं स्वयं को कृतज्ञ महसूस करता हूं। इस भूमिका ने मुझे हमारे महान देश के मंडलों और क्लबों में होने वाले अविश्वसनीय, अभिनव प्रयासों को देखने का असाधारण अवसर दिया है।

दिसंबर का महीना रोटेरियन के रूप में हमें रुककर अब तक की गई प्रगति का आंकलन करने के लिए आमंत्रित करता है। आपके क्लब द्वारा सदस्यता विकास, परियोजना का संपादन, फाउंडेशन और पोलियो फंड योगदान, और वर्ष की शुरुआत में सीमांकित लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए उठाए गए कदमों पर विचार करने के लिए कुछ समय लें। यह समय केवल जश्न मनाने का नहीं है, बल्कि रणनीतिक मूल्यांकन का भी है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि हमारे कार्य बेहतर दुनिया के लिए हमारे दृष्टिकोण के अनुरूप हों।

रोटेरियनों में परिवर्तन लाने की एक शक्ति है, और हमारी शक्ति न केवल हमारी संख्या में है, बल्कि हमारे द्वारा सामने लाये जाने वाले विविध प्रकार के जीवन कौशल में निहित है। हमारी पृष्ठभूमि ने हमें समय प्रबंधन, दायित्व सौंपने, और परिकल्पना को मापने योग्य लक्ष्यों में बदलने की क्षमता के साधनों से सुसज्जित किया है। हमारे व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन में इतना महत्वपूर्ण स्थान रखने वाले इन कौशलों को रोटरी के ढांचे के भीतर नया उद्देश्य तलाशना चाहिए।

दिसंबर, जिसे रोग निवारण और उपचार माह के रूप में निर्दिष्ट किया गया है, हमें जरूरतमंद लोगों की मदद के लिए अपने हाथ आगे बढ़ाने का आह्वान करता है। दुनिया भर में 400 मिलियन से अधिक लोगों के पास बुनियादी स्वास्थ्य देखभाल तक पहुंच की कमी है, और सभी के लिए उचित स्वास्थ्य देखभाल के लिए हमारी प्रतिबद्धता कभी भी इतनी महत्वपूर्ण नहीं रही। आइए हम पोलियो, मधुमेह और अल्ज़ाइमर जैसी बीमारियों के बारे में जागरूकता फैलाये एवं रोकथाम को बढ़ावा दें, जिससे दर्द, गरीबी और दुख को कम किया जा सकें। रोटेरियन के रूप में, हमारा लक्ष्य सिर्फ प्रतिक्रिया देना नहीं है, बल्कि एक स्वस्थ दुनिया के निर्माण में सक्रिय रूप से योगदान देना है।

इस प्रतिबद्धता के अनुरूप, हमारा वर्तमान निवारक जागरूकता अभियान - परियोजना पॉजिटिव हेल्थ, अर्थात, 'चीनी, तेल और नमक का एक चम्मच कम, और चलने के चार कदम अधिक' - जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों से निपटने में मदद करेगा। आइए अपने क्लबों और मंडलों के भीतर शुरू हुई इस पहल को बढ़ावा दे, यह मानते हुए कि प्रत्येक रोटेरियन की भलाई उनके द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवा के लिए अमूल्य है। साथ ही, समुदायों के भीतर अभियानों और शिविरों को आयोजित करे एवं उन्हें बढ़ावा दे ताकि उन्हें स्वस्थ जीवन जीने में मदद मिल सके।

हमारे घरों के सुख एवं आराम में, आइए हम भगवान का शुक्रिया अदा करें और इस बात के लिए कृतज्ञता व्यक्त करें कि हम रोटरी के माध्यम से अंतर ला सके। जिन क्लबों ने नई परियोजनाएं शुरू की है, अन्य क्लबों एवं साझेदारों का सहयोग किया है, रोटरी में नए सदस्यों को शामिल किया है, रोटरी फाउंडेशन में योगदान दिया है, एवं समय, ऊर्जा, उत्साह या वित्तीय सहायता प्रदान करने वाले रोटेरियनों को - दिल से धन्यवाद।

छुट्टियों के इस मौसम में, मैं आप सभी के लिए सौभाग्य एवं खुशियों की कामना करता हूँ। आप सभी का जीवन दया तथा प्रेम से भरा रहें, और रोटरी में हमारे सामूहिक प्रयास एक उज्जवल, स्वस्थ और अधिक करुणामय दुनिया के मार्ग को रोशन करना जारी रखें।

राजु सुब्रमण्यन
रो ई निदेशक, 2023-25

फाउंडेशन ट्रस्टी अध्यक्ष का संदेश

दूसरों की मदद करना ही रोटरी का सार है

छुट्टियां गर्मजोशी और एकजुटता का समय है, लेकिन इन सबसे पहले, यह मौसम उदारता दिखाने का समय भी है, खासकर उन लोगों के लिए जो कम भाग्यशाली हैं।

दिसंबर भी रोग निवारण और उपचार माह है। अब उन सभी रोटरी प्रयासों के बारे में सोचें जो आपकी, हमारे रोटरी परिवार, की उदारता के बिना संभव नहीं होंगे। अंत में हमारी लड़ाई में हमने जो अविश्वसनीय प्रगति हासिल की है, उस पर विचार करें। रोटरी द्वारा फाउंडेशन अनुदान के माध्यम से दुनिया भर में सुसज्जित किये गए उन सभी क्लीनिकों के बारे में एवं प्रशिक्षित किये गए चिकित्सा पेशेवरों के बारे में सोचे, जो हृदय रोग और गिनी कृमि रोग से लड़ने में मदद कर रहे हैं।

फाउंडेशन को आपके उपहार प्रोग्राम्स ऑफ़ स्केल के माध्यम से वंचित समुदायों के लिए स्वास्थ्य देखभाल को सुलभ बनाने में भी मदद करते हैं। अभी, वे अनुदान प्राप्तकर्ता ज़ाम्बिया में मलेरिया को समाप्त करने, नाइजीरिया में माताओं और उनके शिशुओं की मृत्यु दर को कम करने और मिस्र में गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर को खत्म करने के लिए काम कर रहे हैं।

सितंबर में मोरक्को में आयें विनाशकारी भूकंप के जवाब में, रोटरी फाउंडेशन के न्यासियों ने ज़मीनी स्तर पर रोटरी सदस्यों के नेतृत्व में किये जा रहे तत्काल राहत प्रयासों का समर्थन करने के लिए मोरक्को भूकंप प्रतिक्रिया कोष की स्थापना की। आप सीधे योगदान कर सकते हैं, और आपके मंडल 21 सितंबर 2024 तक या जब तक धन पूरी तरह से आवंटित नहीं हो जाता है तब तक निधि से अनुदान के लिए आवेदन कर सकते हैं। कोई भी रैज़ फॉर रोटरी पर मोरक्को फंड के लिए एक अनुदान संचय समारोह की पहल कर सकता है, जिससे आपकी उदारता के लिए और रास्ते खुल जाते हैं।

जैसा कि साल का अंत निकट है, मैं आपको 31 दिसंबर से पहले दान करने के लिए आमंत्रित करता हूं। आपकी उदारता का बहुत से लोगों पर गहरा प्रभाव पड़ेगा।

एस्थर और मैं, आप सभी के लिए आनंददायक छुट्टियों की कामना करते हैं। रोटरी फाउंडेशन को आपके निरंतर समर्थन के लिए धन्यवाद।

बेरी रेसिन
ट्रस्टी अध्यक्ष, द रोटरी फौउंडेशन

क्या आपने रोटरी न्यूज़ प्लस पढ़ा है?

या यह आपके जंक फोल्डर में जा रही है?

हर महीने हम आपकी परियोजनाओं को प्रदर्शित करने के लिए ऑनलाइन प्रकाशन *रोटरी न्यूज़ प्लस* निकालते हैं। यह महीने के मध्य तक प्रत्येक सदस्यता लेने वाले सदस्य को भेजा जाता है जिनकी ईमेल आईडी हमारे पास है। हमारी वेबसाइट *www.rotarynewsonline.org* पर *रोटरी न्यूज़ प्लस* पढ़ें। हमें शिकायतें मिली हैं कि सभी ग्राहकों को हर महीने *रोटरी न्यूज़ प्लस* का ई-संस्करण नहीं मिल रहा है।

लेकिन, कुल 150,471 ग्राहकों में से हमारे पास केवल 99,439 सदस्यों की ईमेल आईडी हैं।

कृपया अपनी ईमेल आईडी को इस प्रारूप में rotarynews@rosaonline.org पर अपडेट करें: आपका नाम, क्लब, मंडल और ईमेल आईडी।

Rotarians!

Visiting Chennai for business?

Looking for a compact meeting hall?

Use our air-conditioned Board Room with a seating capacity of 16 persons at the office of the Rotary News Trust.

Tariff:

₹2,500 for 2 hours
₹5,000 for 4 hours
₹1,000 for every additional hour

Phone: 044 42145666
e-mail: rotarynews@rosaonline.org

रोटरी संख्या

रोटरी क्लब	:	37,082
रोटरेक्ट क्लब	:	11,244
इंटरेक्ट क्लब	:	14,833
आरसीसी	:	13,176
रोटरी सदस्य	:	1,188,470
रोटरेक्ट सदस्य	:	170,061
इंटरेक्ट सदस्य	:	341,159

15 नवंबर, 2023 तक

सदस्यता सारांश

1 नवंबर 2023 तक

रो ई मंडल	रोटरी क्लब	रोटेरियनों की संख्या	महिला रोटेरियन (%)	रोटरेक्ट क्लब	रोटरेक्ट सदस्य	इंटरेक्ट क्लब	आरसीसी
2981	139	6,109	6.30	73	494	34	254
2982	86	3,840	6.41	35	841	93	172
3000	139	6,052	12.10	116	1,866	220	215
3011	138	5,138	29.19	85	2,337	137	37
3012	154	3,840	22.94	76	819	97	61
3020	86	5,070	7.59	48	1,034	119	351
3030	101	5,748	15.87	128	1,970	502	384
3040	113	2,494	14.72	54	926	77	213
3053	74	2,948	16.25	37	608	42	131
3055	80	2,934	11.90	67	1,096	73	376
3056	89	3,894	25.68	51	586	102	201
3060	105	5,074	16.06	68	2,265	59	143
3070	125	3,351	16.29	49	557	51	63
3080	109	4,270	12.58	130	1,976	158	122
3090	118	2,572	6.38	50	623	193	166
3100	114	2,264	11.57	15	138	36	151
3110	147	3,910	11.15	17	110	45	107
3120	89	3,657	15.72	48	616	27	55
3131	143	5,806	26.70	147	3,345	252	147
3132	90	3,693	13.62	41	595	120	199
3141	115	6,189	27.31	155	5,248	166	223
3142	107	3,995	21.48	96	2,297	112	92
3150	110	4,389	13.08	155	1,884	107	130
3160	84	2,778	9.14	32	228	95	82
3170	150	6,710	15.23	121	1,811	180	179
3181	87	3,658	10.61	42	509	90	118
3182	87	3,706	10.31	47	253	106	103
3191	92	3,541	18.53	109	2,771	135	35
3192	82	3,571	21.14	122	2,562	108	40
3201	174	6,786	9.95	137	2,217	97	93
3203	95	5,034	7.59	92	1,158	176	39
3204	75	2,478	7.26	24	226	17	13
3211	159	5,128	8.21	11	178	19	134
3212	127	4,771	11.36	94	3,688	167	153
3231	97	3,524	7.21	39	437	43	417
3232	188	6,628	19.92	128	7,289	150	100
3240	106	3,615	16.74	74	1,159	67	227
3250	109	4,185	21.39	70	992	65	191
3261	105	3,496	22.63	23	242	23	45
3262	113	3,851	15.89	77	749	644	286
3291	143	3,874	25.48			71	733
India Total	**4,644**	**174,571**		**2,983**	**58,700**	**5,075**	**6,981**
3220	70	2,016	16.57	98	4,780	83	77
3271	180	3,065	18.73	194	3,349	333	28
3272	161	2,231	14.66	97	1,347	25	49
3281	338	8,218	17.92	281	1,952	144	214
3282	182	3,661	9.78	203	1,431	30	47
3292	154	5,607	18.73	185	5,448	120	134
S Asia Total	**5,729**	**199,369**	**15.54**	**4,041**	**77,007**	**5,810**	**7,530**

स्रोत: रो ई दक्षिण एशिया कार्यालय

Rotary PEOPLE OF ACTION

केजीएफ में बेंगलुरु के रोटेरियन ज़हर से फल पैदा करते हैं

रशीदा भगत

पूरी दुनिया के एकमात्र, केजीएफ टाउनशिप के भूतपूर्व कोलार गोल्ड फील्ड्स (केजीएफ) साइनाइड डंप में, जहां हर तरफ धूल धूसरित, शुष्क और बंजर जमीन पर साइनाइड से भरपूर मिट्टी नज़र आती थी और जहां हवा चलने पर साइनाइड के छोटे और महीन कण केजीएफ टाउनशिप के ऊपर हवा में तैरते रहते थे। यहां मैंने पहली दफा सिंगापुर चेरी का स्वाद चखा! और वो स्वादिष्ट थी।

रोटरी क्लब बेंगलोर ऑर्चर्ड्स के पूर्व अध्यक्ष रविशंकर डकोजू, जो टीआरएफ को दिए गए अपने ₹100 करोड़ के दान के लिए अधिक विख्यात हैं, ''मुझे उँगलियों में छोटी चेरी को दबा कर उस का रस मुंह में डालना सिखाते हैं, मुझे अपने क्लब के अलग हट के किये गए प्रोजेक्ट की ओर वापस लिए चलते हैं। एक ऐसी परियोजना जिसने पूरी दुनिया को दिखा दिया कि सिर्फ रोटेरियन ही जहर (साइनाइड डंप) से मीठी और स्वादिष्ट चेरी का उत्पादन कर सकते हैं!''

उस ऊबड़-खाबड़ सवारी के दौरान हम एसयूवी में इधर-उधर लुढ़कते हुए केजीएफ के भयानक साइनाइड डंप क्षेत्र की ओर ड्राइव करते हुए जैसे जैसे आगे बढ़ते हैं, तो उनका उत्साह साफ़ झलकता है, और वहाँ एक फिल्म की शूटिंग के लिए बड़ी संख्या में आये वाहन नज़र आते हैं, जिनमें सड़क के किनारे पार्क की गई एक ओबी वैन सबसे बड़ी है जिसमें जनरेटर रखा है।

''हे भगवान, वे फिर से आ गए हैं...,'' डकोजू ने गुर्राते हुए कहा, जिन्होंने रोटरी क्लब बेंगलोर ऑर्चर्ड्स के अध्यक्ष के रूप में (वे अब रोटरी क्लब बेंगलोर के सदस्य है) बेंगलुरु से लगभग 100 किमी दूर स्थित इस क्षेत्र में एक परिवर्तनकारी पर्यावरण परियोजना का नेतृत्व किया है। और उनकी नाराजगी जायज भी है, सिर्फ एक वजह से - जब भी मैं केजीएफ का इतिहास जानने के लिए गूगल पर सर्च करता हूं, तो सर्च इंजन एक विकल्प ये भी दिखाता है: 'क्या केजीएफ बाहुबली से भी बड़ी है!'

डकोजू विस्तार से बताते हैं कि ब्रिटिश शासन के दौरान, कोलार सोने खदानों से सोना निकाला जाता था और निष्कर्षण की इस प्रक्रिया के बाद एक घोल बच जाता था, जिसमें घातक रसायन साइनाइड होता था, जिसे सोना निकालने के लिए जमीन में डाला जाता था। सोने के खनन के बाद, बचे हुए इस घोल को आस-पास के खेतों में परत दर परत डाल दिया जाता था और जब यह सूखता तो यह एक परतदार पहाड़ के समान एक सपाट ढेर में तब्दील हो जाता था। वह इसकी तुलना अफ्रीकी पहाड़ों की ऊपरी सतह से करते हैं, लेकिन भूरी और धूल भरी सपाट पहाड़ियाँ मुझे... अफगानिस्तान में काबुल से बामियान तक की उबड़ खाबड़ सडकों की याद दिलाती हैं...जो ऊँची, भूरी, बलुआ पत्थर की घाटियों के बीच बसा हुआ है। हम 2005 में अफ़ग़ानिस्तान में उस भयावह परिदृश्य से होकर गुज़रे थे जहां हमने दिल दहला देने वाले वो विशाल गड्ढे देखे थे जहाँ तालिबान ने डायनामाइट का उपयोग कर प्राचीन, ऐतिहासिक बुद्ध की मूर्तियों को नष्ट कर दिया था।

रोटरी क्लब बेंगलोर के सदस्य रविशंकर डकोजू कोलार गोल्ड फील्ड्स में उगाई जा रही सिंगापुर चेरी का प्रदर्शन करते हुए।

रशीद भगत

जिस दौरान मैं यह समझने की कोशिश कर रही थी कि आखिर गारे के ढेर से उन सपाट टीलों का निर्माण किस प्रकार हुआ होगा, ''वह मेरे लिए इसे और सरल करते हैं: यह सैकड़ों डोसे को, एक दूसरे के ऊपर रखने जैसा है और फिर वो एक ढेर में बदल जाएंगे। इसका घोल चारों ओर फैलता है और फिर जम जाता है।''

श्रीनिवास राव, सेवानिवृत्त उप वन संरक्षक हैं, जिन्होंने रोटेरियनों को ''केजीएफ के घातक क्षेत्र'' के एक महत्वपूर्ण हिस्से को हरित क्षेत्र में परिवर्तित करने में सहायता की है, कहते हैं, ''हमारे आस-पास करीब 100-120 एकड़ का जो क्षेत्र आप देख रहे हैं वह साइनाइड डंप है। सोने के निष्कर्षण में ब्रिटिश लोग साइनाइड का उपयोग एक घटक के रूप में करते थे और वह मिट्टी में मिल जाता था जिसे घोल के रूप में परत दर परत यहां डाला जाता था जो सूखकर सपाट पहाड़ियों में बदल जाता था। अब चूँकि यह एक शुष्क क्षेत्र है और इस की मिटटी में कोई जैविक तत्व नहीं है, इसलिए यहां किसी प्रकार की वनस्पति उगाना संभव नहीं हैं। इसलिए शुष्क और तेज़ हवा के मौसम में, ज़हरीली साइनाइड युक्त भुरभुरी मिट्टी के कण उड़ कर बस्ती में जाते हैं, जिससे स्थानीय निवासियों के लिए तरह - तरह की स्वास्थ्य समस्याएं पैदा होती हैं... फेफड़ों, आंखों और त्वचा से संबंधित समस्याएं।''

करीब 5-6 साल पहले जब डकोजू की मुलाकात अमृता पटेल, एक एमआईटी स्नातक और एक अद्भुत महिला से हुई, बस वहीं से इस परियोजना का विचार उनके ज़ेहन में आया। वह 90 वर्ष की हैं लेकिन ऊर्जा से भरपूर हैं, एक बड़े औद्योगिक घराने से सम्बन्ध रखती हैं और पर्यावरण को ले कर बहुत संवेदनशील हैं। ''उन्होंने मुझे बताया कि केजीएफ के साइनाइड डंप से बहुत तकलीफ होती है और बताया कि किस प्रकार जमीन से सोना निकालने के लिए अंग्रेज साइनाइड का प्रयोग करते थे। मैं देख सकता था कि वह बहुत परेशान थी और उन्होंने मुझे बताया कि कैसे हवा के मौसम के दौरान, हवा इन डंपों से साइनाइड की धूल उड़ा कर बस्ती में ले आती है जिससे स्वास्थ्य समस्याएं पैदा होती हैं। उनकी बात सुनकर मैं सोचने लगा कि अंग्रेज सोना तो ले गए (बॉक्स देखें), लेकिन साइनाइड के ढेर में जहर छोड़ गए,'' डकोजू कहते हैं।

रशीदा भगत

अयस्क से सोना निकालने के बाद बचे साइनाइड और अन्य अवशेषों के घोल की परतों से बना एक ढेर।

उन्ही के क्लब के सदस्य, नील माइकल जोसेफ ने, इस बात पर दृढ़ता से सहमति जताई कि केजीएफ टाउनशिप के लोगों की मदद के लिए अवश्य कुछ किया जाना चाहिए। इतना ही नहीं और भी काफी कुछ है, वह आगे बताते हैं। जब वे इस मुद्दे पर विचार विमर्श और चर्चा कर रहे थे, तो जोसेफ ने कहा कि जब बारिश होती है, तो बारिश के पानी के साथ डंपों से साइनाइड के टुकड़े निकल कर समतल पहाड़ियों से छिटक कर नीचे जा कर भूजल और कुओं सहित जल निकायों में चले जाते है। ''अब उस पानी का उपयोग कृषि के लिए नहीं किया जा सकता; उस पानी में मछलियाँ जीवित नहीं रह सकतीं और पक्षी इसे पी नहीं सकते। यह पूरी चीज़ एक पर्यावरणीय आपदा थी। अल्मित्रा और जोसेफ दोनों बोले कि हमें कुछ करना होगा; वो बोली कि कृपया आप वहां जाएं और खुद देखें।''

इसलिए वो जोसफ के साथ वहां गए और जब लौटे तो तुरंत बीमार पड़ गए। ''मुझे बचपन से ही अस्थमा है; जैसे ही मैंने कार का दरवाज़ा खोला और उस हवा में सांस ली, मेरी स्वास्थ्य सम्बंधित समस्याएं शुरू हो गईं। श्वसन संक्रमण के साथ मेरी त्वचा पर दाने निकल आये थे और ठीक होने में 4-5 दिन लग गए थे।''

अपने अध्यक्ष वर्ष (2018-19) से काफी पहले जब डकोजू ने इस परियोजना की योजना पर विचार करना शुरू किया, तो उन्हें मालूम था कि ''नील जोसेफ इसमें शामिल ज़रूर होगा क्योंकि उनके पास ऐसे मुद्दों के लिए जुनून और दृष्टिकोण दोनों हैं। और उसकी जड़ें भी यहीं हैं; वह पुरानी सोने की खदानों में काम करने वाले एक खनिक का बेटा है, उसने केजीएफ स्कूल से पढ़ाई की है और केजीएफ के लिए तो उसका दिल धड़कता है; उनके चाचा की मूर्ति अभी भी वहां लगी हुई है।''

जोसेफ बोले कि वह साइनाइड के ढेरों के पास ही पले-बढ़े है और शायद इन वर्षों में धूल में सांस लेने के कारण, सांस लेने के लिए आज भी हांफता है। ''मेरे कई दोस्त फेफड़ों की बीमारियों और किडनी फेल होने के कारण मर चुके हैं। अंततः, मेरे सामने कुछ शानदार रोटेरियनों की सहायता से अपने जन्मस्थान के लिए कुछ करने का अवसर मिला।''

जब डकोजू ने इस परियोजना पर विचार करना शुरू किया, ''हमने एक बात तय की... कि हम रोटेरियन एक शताब्दी से अधिक समय से मौजूद हैं, इसलिए हमें पेड़ लगाने और सेल्फी लेने से बाहर निकलना होगा, जो दुर्भाग्य से कई क्लबों के लिए आदर्श कार्य बन गया है। अब, पीछे मुड़कर देखता हूँ तो मुझे एहसास होता है कि हमने अपनी सहजता के कारण इस परियोजना की कल्पना की और इसे क्रियान्वित तो कर लिया पर लेकिन हमें उन बड़ी

एक फिल्म की शूटिंग।

एक आकर्षक शहर

रोटरी क्लब बेंगलोर ऑर्चर्ड्स के पूर्व अध्यक्ष रविशंकर डकोजू कहते हैं कि ''एक समय था, जब केजीएफ, अपने सोने के भंडार की वजह से बेंगलोर से अधिक समृद्ध होता था।''

इसके अतीत के गौरव पर शोध किया तो मुझे बेंगलुरु स्थित पत्रकार गीता अरावमुदन द्वारा लिखा एक वीचित्र लेख मिला, जिसमें बताया गया है कि कैसे 1950 के दशक में, केजीएफ, जहां वो पली-बढ़ी और स्कूल गई, ''बड़े बंगलों, रंगीन बगीचे, मीनारों वाले चर्च और गोल्फ कोर्स के बीच एक विशाल क्लब हाउस के साथ यह एक पिक्चर बुक जैसा औपनिवेशिक शहर था।''

ब्रिटिश खनन कंपनी जॉन टायलर एंड कंपनी द्वारा नियुक्त किए जाने वाले शुरुआती भारतीय अधिकारियों में से एक, उनके पिता अकाउंटेंट थे, कंपनी ने मैसूर महाराजा से खनन के लिए पट्टे पर जमीन ली थी। वे खनन क्षेत्र में पेड़ों से भरे बगीचे के साथ एक छोटे से बंगले में रहते थे, ''चैंपियन रीफ माइन से के लगभग नज़दीक, जिसमें दुनिया का सबसे गहरा शाफ्ट था।''

अंग्रेज यहां शाही अंदाज में रहते थे; 1901 के आसपास, केजीएफ में खनन गतिविधि शुरू होने के करीब बीस साल बाद, सोने का उत्पादन चरम पर पहुँच गया और बाद के वर्षों में सबसे अच्छी गुणवत्ता वाले सोने का खनन कर इंग्लैंड भेजा गया था। ''उन 10 वर्षों में, 170,000 किलोग्राम से अधिक सोना निकाला गया, जो सीधे इंग्लैंड पहुँच गया,'' वह लिखती हैं।

1956 में खदानों का राष्ट्रीयकरण कर दिया गया, लेकिन सोने की गुणवत्ता और ग्रेड के साथ-साथ इसकी खनन मात्रा में भी गिरावट आई। अभी 2001 में, 120 साल पुरानी सोने की खदान को आर्थिक और पर्यावरणीय दोनों कारणों से अव्यवहारिक घोषित करते हुए इसे बंद कर दिया गया।

समस्याओं और चुनौतियों के बारे में कोई कोई अंदाज़ा नहीं था जो सामने आने वाली थीं।''

जब वे इस बात पर विचार कर रहे थे कि इस परियोजना को कैसे संभालना है, तो इतिफाक से ''एक उत्कृष्ट डीसीएफ (वनों के उप संरक्षक) श्रीनिवास राव से उनकी मुलाक़ात हुई। उन्होंने कहा कि मैं 18 महीने में रिटायर हो रहा हूं और उससे पहले मैं कुछ ऐसा काम करना चाहता हूं जिससे पर्यावरण की भलाई हो। आइये उस सपने को साकार करने में मेरी सहायता करें, और हम संयुक्त रूप से मिल कर इस क्षेत्र को हरा-भरा करके केजीएफ के लोगों की मदद करने की इस चुनौती को अंगीकार करें।''

अलमित्रा ने सुझाव दिया था कि आप रोटेरियनों को साइनाइड डंप के लगभग 120 एकड़ के क्षेत्र में, हरित आवरण उपलब्ध करवाना चाहिए - पेड़, झाड़ियाँ, घास लगाकर और यह सुनिश्चित करते हुए कि जमीन में नमी बनी रहे, ताकि अत्यधिक शुष्कता से डंप से धूल उड़ कर शहर में न जाए।

रश्मी भगत

उप वन संरक्षक श्रीनिवास राव के साथ डकोजू और रोटरी क्लब बेंगलोर के पूर्व अध्यक्ष वी एस रंगा राव।

***नीचे:** नील माइकल जोसेफ, रोटरी क्लब बेंगलोर ऑर्चर्ड के सदस्य।*

पानी रोकने के लिए बनी खाइयाँ।

नीचे: पौधों को बढ़ने में मदद के लिए खाई में खाद फैलाई जा रही है।

मिट्टी परीक्षण करने के साथ ये परियोजना आरम्भ हुई और उन्होंने बताया कि ''यहां कुछ भी नहीं उग सकता। इसलिए राव 2ft x 2ft x 14 माप की इंटरलॉकिंग खाइयां बनाने का शानदार विचार लेकर आगे आए। आपस में एक दूसरे से जुड़ी हुई खाइयाँ - इनमें से 14,000 रोटेरियनों द्वारा बनाई गई थीं - जो यह सुनिश्चित करेंगी कि पानी खाइयों के भीतर ही रहे और उनमें लगाए गए वनस्पतियों के लिए आवश्यक नमी उपलब्ध कराये।''

अगली समस्या जहरीली मिट्टी की थी; जाहिर है साइनाइड से भरी हुई जमीन पर कुछ भी नहीं उगेगा। डकोजू याद करते हैं कि पौधों के शुरुआती रोपण के बाद, विकास ठीक हुआ था, जब तक कि जड़ें मिट्टी के नीचे जहरीले साइनाइड को छू नहीं गईं और पौधे मरने लगे।

राव ने कहा: मरवि, खाइयों में डालने के लिए खाद की व्यवस्था करो।फयह कहना जितना आसान था, करना उतना ही मुश्किल। 700 टन की भारी मात्रा में खाद की आवश्यकता थी... ''और आप तो जानते हैं कि खाद से बदबू आती है, और हमें इसे चोरी-छिपे बेंगलुरु से केजीएफ तक तस्करी कर

के लाना पड़ता था... क्या आप यकीन करेंगे, रात में? क्योंकि हम नहीं चाहते थे कि केजीएफ टाउनशिप के लोग यह सोचें कि हम यहां बदबूदार कचरा डाल रहे हैं!''

इस विशाल परियोजना के ज़रिये, रोटेरियनों ने राव की विशेषज्ञ सलाह के अंतर्गत वहां हर प्रकार की हरियाली लगाई...सिंगापुर चेरी, शैवाल, सेसबानिया, जो मवेशियों के लिए भरपूर चारा प्रदान करता है, जंगली घास और मिट्टी को बांधने के लिए शैवाल... पोंगामिया (जो जैव ईंधन प्रदान करता है), शैवाल, पेल्टोफोरम जो पीले फूल देता है और आमतौर पर इसे तांबे की फली के रूप में जाना जाता है और जिसमें औषधीय गुण होते हैं और बबूल के पेड़। यह पूछे जाने पर कि बबूल के पेड़ क्यों हैं, राव कहते हैं कि यह हरित आवरण प्रदान करने के लिए लगाए गए। बारिश के पानी से नमी और खाद से आवश्यक पोषक तत्व मिलने से पेड़ अब बढ़ने लगे।

वन संरक्षक का कहना है, ''साइनाइड का स्तर काफी कम हो गया है और शहर के लोग लगभग भूल चुके हैं कि कभी उन्हें इतनी गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं हुआ करती थीं,'' उनका अनुमान है कि कम से कम 80 प्रतिशत निवासियों की स्वास्थ्य समस्याएं इस हरित आवरण के कारण कम हो गई हैं। मिट्टी को बांधने और पूरे शहर में उड़ते साइनाइड की धूल को रोकने की परियोजना।

हमने एक बात तय की... कि हम रोटेरियन एक शताब्दी से अधिक समय से मौजूद हैं, इसलिए हमें पेड़ लगाने और सेल्फी लेने से बाहर निकलना होगा, जो दुर्भाग्य से कई क्लबों के लिए आदर्श कार्य बन गया है।

रविशंकर डकोजू
रोटरी क्लब बेंगलोर के सदस्य

हरियाली से घिरी एक बदली हुई केजीएफ टाउनशिप।

डकोजू आगे कहते हैं, ''अब तो यह सोचना और समझना मुश्किल हो जायेगा कि यह इलाका कितना बंजर और रेगिस्तान जैसा हुआ करता था... यहां कुछ भी नहीं था। सेसबानिया की तरह, हमने फाइकस के पेड़ भी लगाए हैं, जिसके लिए खरगोश यहां आते हैं और उनके मल मूत्र से मिट्टी में ह्यूमस और खाद बनती हैं, ये चक्र इस तरह पूर्ण होता है। पौधों को सींचने के लिए हमें पानी की एक बूंद की भी जरूरत नहीं पड़ी और फिर भी आप अपने आसपास ऐसी हरियाली देख रहे हैं। हम पूरी तरह से बारिश पर आश्रित थे; मौसम की पहली बारिश के दौरान, पौध रोपण शुरू किया गया था।''

अब हरियाली की वजह से यहां विभिन्न प्रकार के पक्षी भी आते हैं, और विशेष रूप से चमगादड़ चेरी बहुत पसंद करते हैं। ''हमने बांस भी लगाया है; उनकी वृद्धि अभी उतनी अच्छी नहीं है लेकिन कम से कम जीवित तो हैं।''

वह व्यंग्यपूर्वक कहते हैं, ''अब यह जगह शूटिंग के लिए काफी अच्छी हो गई है; *KGF 1* की सफलता के बाद, हर कोई यहां फिल्में शूट करना चाहता है।''

लेकिन अगले ही पल अंदर का खुशमिजाज आशावादी हावी हो जाता है, जब हम कार में वापस आते हैं तो मैं अपने हाथ साफ करने के लिए सैनिटाइजर की ओर बढ़ती हूं। वह चुटकी लेते हैं: ''और जैसा कि आप देख सकते हैं, हम रोटेरियन जहर से फल उगा सकते हैं।''

यात्रा की वापसी पर, अपनी अविस्मरणीय कहानी सुना कर उन्होंने हम सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया: ''वो सिंगापुर चेरी का स्वाद चखने के लिए लपकी और फल के साथ धूल, साइनाइड और सब कुछ खा लिया। और अब वो अपने हाथ सैनिटाइज कर रही हैं।''

खैर, जब तक कोई कहानी सुनाने के लिए ज़िंदा है, सब ठीक है, ऐसा मुझे लगता है!

एन कृष्णमूर्ति द्वारा रूपरेखा

“जिला और क्षेत्रीय चुनावों में रोटरी क्लब और उसके सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका क्या है?”

चुनाव

जिला गवर्नर के लिए रोटरी डिस्ट्रिक्ट चुनाव में या
रोटरी इंटरनेशनल निदेशकों के लिए क्षेत्रीय चुनाव में,
क्लब का वोट किसी व्यक्ति, अध्यक्ष या निर्वाचक का नहीं होगा,
बल्कि क्लब के अधिकांश सदस्यों का सर्वसम्मत निर्णय होगा।

– वोट क्लब का है।

प्रत्येक क्लब सदस्य को क्लब चुनाव बैठक में सक्रिय रूप से
शामिल होने और उनकी जीवनी संबंधी जानकारी के आधार पर सबसे
योग्य उम्मीदवार को चुनने के लिए
अंतर्दृष्टि प्रदान करने की जिम्मेदारी आती है।
क्लब के सदस्यों को स्वतंत्र रूप से अपने विचार और राय व्यक्त
करने के लिए प्रोत्साहित करें।

सभी सदस्यों से राय एकत्र करें
और बहुमत की राय ही अंतिम निर्णय लेती है।
यदि आवश्यक हो, तो क्लब के
भीतर एक गुप्त जनमत सर्वेक्षण आयोजित करें।

ADVT.

किसी विशिष्ट उम्मीदवार से अधिक क्लब की एकता को प्राथमिकता दें।

गोपनीयता एवं गुप्तता को संरक्षित रखें।
क्लब की चर्चाओं और निर्णयों को दूसरों के साथ साझा करने से बचें।

नैतिक मानकों और रोटरी के चार तरह की परीक्षण को
कायम रखना अत्यंत महत्वपूर्ण है।

याद रखें, क्लब के सदस्य संगठन की जीवनधारा
और चुनाव इसके संचालन का एक अस्थायी पहलू है।

सभी क्लब गतिविधियों में पारदर्शिता पर जोर दें और
मौजूदा सदस्यों को बनाए रखने और विकास को
बढ़ावा देने के लिए विश्वास और एकता विकसित करें।

Rtn. A. Rangarajan
ID No:- 2561286
Rotary Club of Kumbakonam Central,
RI Dist. 2981
Mobile 96009 82402
E-mail : arkjster@gmail.com

अधिक चुनाव जानकारी के लिए QR Code को स्कैन करें

रोटरी ने दो रो ई अध्यक्ष खो दिए

राजेन्द्र साबू

जेम्स लैसी जो 1998-99 के दौरान रो इ अध्यक्ष रहे, 92 वर्ष की आयु में 4 अक्टूबर को उनका निधन हो गया; और पीआरआईपी रिचर्ड किंग (2001-02) का 11 अक्टूबर को।

जेम्स लेसी, जिन्हें जिम नाम से भी बुलाते थे, एक समर्पित जन सेवक, सफल व्यवसायी और एक निष्ठावान पारिवारिक व्यक्ति थे। मेरी मुलाकात उनसे नवंबर 1989 में हुई थी, जब मुझे 1991-92 के लिए रो इ अध्यक्ष मनोनीत किया गया था। 1991 की डिस्ट्रिक्ट असेंबली में सहायक मॉडरेटर बनने के लिए वह सर्वो पयुक्त व्यक्ति थे। मेरे मनोनीत सहायक और मित्र जॉर्ज अर्सीनॉक्स जूनियर ने जेम्स लेसी से मिलने का सुझाव दिया। मैं उनसे और उनकी पत्नी क्लॉडाइन से मिल कर काफी प्रभावित हुआ और सहमत भी हो गया। इसके बाद, मेरी उनसे कई बार मुलाक़ात हुई और रो इ अध्यक्ष के रूप में मेरे कार्यकाल में वे मॉडरेटर बने।

जिम लेसी 1964 में रोटरी क्लब कुकविले, टेनेसी, अमेरिका के सदस्य बने थे। 1978-79 में वो क्लब अध्यक्ष, 1980-81 में मंडल अध्यक्ष और 1988-90 में रो ई निदेशक बन गए ।

जिम का जन्म टेनेसी राज्य की राजधानी कुकविले में नैशविले के पूर्व में हुआ था। कुकविले सेंट्रल हाई स्कूल में उनकी मुलाकात क्लाउडिन कैरिंगटन से हुई और उन्होंने 1948 में विवाह कर लिया। जिम का पहला व्यावसायिक उद्यम ऑटोमोबाइल बेचना था। 1950 में, वह और क्लॉडाइन डेट्रॉइट, मिशिगन चले गए, जहां उन्होंने जल्द ही पोंटियाक ऑटोमोबाइल के सबसे कम उम्र के बिक्री प्रबंधक का गौरव प्राप्त किया। 1952 में, उन्होंने अपने देश की सेवा के लिए सेना में दो वर्ष बिताए। उसके बाद सेना में अधिकारी बनने का अवसर अस्वीकार कर दिया क्योंकि इसका सीधा मतलब था अपनी युवा पत्नी से अधिक समय दूर रहना।

1956 में, लेसीज़ अपने गृहनगर कुकविले लौट आये थे। एक रियल एस्टेट डेवलपर के रूप में जिम काफी सफल रहे, जबकि क्लॉडाइन

पीआरआईपी जेम्स लेसी की उपस्थिति में राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस पर पीआरआईपी राजेन्द्र साबू एक बच्चे को पोलियो की खुराक पिलाते हुए।

1997 में भारत के तत्कालीन प्रधान मंत्री आई के गुजराल के साथ एक बैठक में रो ई निदेशकों के साथ पीआरआईपी लेसी (दाएं से 5वें), पीआरआईपी साबू (बाएं) और पीआरआईडी सुदर्शन अग्रवाल (दाएं)।

सपना एक ऐसी चीज़ है जो दिल से निकलता है और आप इसे अपने हाथों से पूरा करते हैं, कार्य के माध्यम से, आप अपने सपनों को साकार करते हैं। मैंने अपने वर्ष की थीम अंततः 'फॉलो योर रोटरी ड्रीम' का निर्णय लिया।

जेम्स लेसी
रो ई अध्यक्ष

ने कस्टम-निर्मित घरों की साज सज्जा में मदद की। जिम एक प्रतिष्ठित व्यवसायी थे और उन्होंने राज्य सरकार की विधायी शाखा, टेनेसी महासभा के प्रतिनिधि के लिए चुनाव लड़ने का निर्णय किया। 1965 में वो चुनाव जीत गए और टेनेसी हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में दो कार्यकाल तक अपनी सेवाएं दीं।

1986 में, जिम ने पडुका, केंटुकी में एक कैंडी कंपनी खरीदी। कंपनी - गिलियम कैंडी ब्रांड्स, इंक. - हार्ड कैंडी, मूंगफली भंगुर और टाफ़ी बनाती है। इन वर्षों में, जिम ने न्यूयॉर्क, कैनसस, केंटुकी और जॉर्जिया में विनिर्माण संयंत्रों वाली अन्य कैंडी कंपनियों को खरीदकर अपने व्यापार का विस्तार दस गुना कर लिया। अपने कर्मचारियों का वो बहुत ध्यान रखते थे और उनके लिए बहुत अधिक सम्मान था, और उन्हें इस बात पर भी बहुत गर्व था कि उनके द्वारा अधिग्रहित हर कंपनी ने अपना प्रबंधन यथावत रखा था।

जिम ने इन वर्षों में अपनी रोटरी सेवा की कई सुखद यादें संजो रखी थीं। उन्होंने कहा, मुख्य आकर्षणों में से एक, 1977 में इंग्लैंड (अब मंडल 1110) में ग्रुप स्टडी एक्सचेंज (जीएसई) टीम का नेतृत्व करना रहा था। पोलियोप्लस के लिए जिम जनवरी 1997 में चंडीगढ़ आए, हमारे घर आए और मेरे मंडल के सभी पूर्व गवर्नरों से मुलाकात की। दिवंगत पीआरआईडी सुदर्शन अग्रवाल ने प्रधान मंत्री कार्यालय में आईके गुजराल के साथ हमारी मुलाकात की व्यवस्था की। बाद में, उषा और मैं ने जिम और क्लॉडाइन को आगरा के ताज महल के लिए आमंत्रित किया।

दिसंबर 1997 में, नई दिल्ली के फिक्की ऑडिटोरियम में आयोजित छठे रोटरी इंडिया अवार्ड में जिम और क्लॉडाइन सम्मानीय अतिथि के रूप में आमंत्रित किये गए थे। जुलाई 1998 में, यूएस सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन के कार्यवाहक निदेशक डॉ. क्लेरिस ब्लूम ने पोलियो के वैश्विक उन्मूलन में उनके असाधारण योगदान की अनुशंसा में जिम को चैंपियन ऑफ प्रिवेंशन पुरस्कार से सम्मानित किया।

जनवरी 2004 में, राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस (एनआईडी) के लोकार्पण के अवसर पर, जिम ने नई दिल्ली में केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री सुषमा स्वराज को रोटरी पोलियो उन्मूलन चैंपियन पुरस्कार प्रदान किया। जिम ने कहा, भारत में पिछले साल पोलियो में जबरदस्त गिरावट देखी गई है, 2003 में भारत में पोलियो केसिर्फ 233 मामले दर्ज हुए थे, जबकि 2002 में 1,400 थे।

'रोटरी सेंटेनियल स्कल्पचर', जिसे अप्रैल 2005 में नॉक्सविले शहर में प्रस्तुत किया गया था, दुनिया के बच्चों के प्रति रो ई की प्रतिबद्धता का सम्मान करता है, जैसा कि तीन उत्कृष्ट रोटरी मंडल 6780 के नेताओं, बिल सार्जेंट, जिन्होंने रोटरी के वैश्विक पोलियो उन्मूलन अभियान का नेतृत्व किया, और पूर्व रो ई अध्यक्षों द्वारा उदाहरण दिया गया है। जेम्स

बोमर और जिम लेसी जिन्होंने सभी बच्चों की सेवा करने का समर्थन किया। ये तीन टेनेसीयन वैश्विक स्वयंसेवक नेता हैं जिन्होंने पोलियो के खिलाफ लड़ाई को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए संयुक्त रूप से कार्य किया।

''मैं सोचने लगा कि रोटरी और रोटरी फाउंडेशन के सपने की शुरुआत किस प्रकार हुई होगी। सपना एक ऐसी चीज़ है जो दिल से निकलता है और आप इसे अपने हाथों से पूरा करते हैं,'' जिम ने कहा, ''कार्य के माध्यम से, आप अपने सपनों को साकार करते हैं। कर्मचारियों के साथ कई विचार-मंथन सत्रों के बाद, मैंने अपने वर्ष की थीम अंततः 'फॉलो योर रोटरी ड्रीम' का निर्णय लिया।''

रिचर्ड किंग

रिचर्ड किंग 1968 में रोटरी क्लब (फ्रेमोंट), कैलिफ़ोर्निया में शामिल हुए और इस सेवा संगठन के प्रति उनका प्यार, जिसके वे 50 वर्षों से अधिक समय से सदस्य थे, हमेशा मजबूत बने रहे।

रिक ने चार्ल्स डिकेंस की पंक्ति, ''मानवता हमारा व्यवसाय है'' को आत्मसात किया था, जब उन्होंने 2001-02 में रो ई अध्यक्ष के रूप में अपनी भूमिका का निर्वहन किया। हम दोनों ने अपनी रोटरी यात्रा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा साथ गुजारा है और हमारी घनिष्ठता रिक और चेरी के प्रति उषा और मेरे स्नेह का स्रोत थी और हम भाग्यशाली हैं कि हम उन्हें अपने मित्र कहते हैं।

मैं कभी नहीं भूल सकता कि रिक ने 1990 के पोर्टलैंड कन्वेंशन में सत्य और नेकी के पक्ष में रो ई बोर्ड के फैसले का बचाव किस स्पष्टवादिता के साथ किया था।

यह कल की सी बात लगती है जब वो पहली बार 1980 में जीएसई टीम के नेता के रूप में हमारे तत्कालीन मंडल 310 की यात्रा के दौरान दिल्ली में मिले थे। मैं उस समय पूर्व गवर्नर रह चुका था लेकिन इसके बावजूद मैं रिक में नेतृत्व क्षमता को परख सकता था। उस पहले जीएसई अनुभव के बाद वह एक बदले हुए व्यक्ति के रूप में घर लौटे थे।

सभी ने रिक से आग्रह कहा, ''तुम्हें राजा साबू से जरूर मिलना चाहिए।'' जब हम मिले तो उन्होंने मुझसे न केवल रोटरी सेवा के बारे में सिर्फ बात ही नहीं बल्कि कुछ करने का भी अनुरोध किया! पिछले वर्षों में मेरे भाषणों ने रोटरी के कार्यों के प्रति मेरी प्रतिबद्धता को दर्शाया है और यह रिक के लिए एक बड़ी सीख थी।

इसके बाद मैंने 1981 में रो ई निदेशक के रूप में अपनी यात्रा के दौरान रोटरी क्लब सैन फ्रांसिस्को में रिक का भाषण सुना। और अगला अवसर मिला 1982 में, जब रो इ निदेशक के रूप में मैंने रो इ अध्यक्ष स्टेन मैककैफ्रे का प्रतिनिधित्व किया था और उनके मंडल सम्मेलन में रिक के क्लब को संबोधित किया था । वह हमारे संबंधों की शुरुआत थी और समय के साथ, हम अपनी महत्वपूर्ण रोटरी यात्रा से साथ-साथ गुजरे हैं। रिक का सान्निध्य और सौहार्द मेरे लिए सौभाग्य की बात है।

मैं कभी नहीं भूल सकता कि रिक ने 1990 के पोर्टलैंड कन्वेंशन में सत्य और नेकी के पक्ष में रो इ बोर्ड के फैसले का बचाव किस स्पष्टवादिता के साथ किया था। उन्होंने यह भी कहा था कि किसी की व्यक्तिगत सफलता पर गौर किये बिना, अगर हम रोटरी में रहते हुए लोगों की मदद नहीं कर सकते, फिर तो अंत में बाकि कुछ भी मायने नहीं रखता।

चंडीगढ़ में साबू के घर पर पीआरआईपी किंग और उनकी पत्नी शेरी के साथ पीआरआईपी साबू और उषा।

रो ई मुख्यालय, इवान्स्टन, यूएसए में पीआरआईपी जेम्स लेसी (बैठे, बाएं) के साथ पीआरआईपी राजेंद्र साबू की 1996 की एक फ़ाइल तस्वी।

एक और वाकया मुझे याद है जब मैं 1991 में अनाहेम, यूएसए में अंतर्राष्ट्रीय असेंबली में आगामी रो ई अध्यक्ष था।

हमारे यहां उत्तर और मध्य भारत की अच्छी परंपराओं में से एक है अपने बड़ों के प्रति सम्मान दिखाने और उनका आशीर्वाद लेने के लिए उनके चरण स्पर्श करना। जब रिक भारत आये तो उन्होंने भी यह देखा और इसका अनुसरण करते हुए हम जब भी मिले, रिक ने मेरे पैर छूकर आशीर्वाद लिया।

अपनी वाक्पटुता और हृदयस्पर्शी प्रस्तुति से रिक ने हमेशा लोगों को प्रेरित और प्रभावित किया। उनकी मानवीय सेवाओं को उनके मंडल द्वारा मान्यता दी गई थी।

इन वर्षों के दौरान, जब भी आते, रिक हमारे घर में रहा करते थे और हम उनके घर। मैंने उनसे और चेरी से अफ्रीका में मेरा प्रतिनिधित्व करने के लिए कहा था । हालाँकि हमारी यात्रा में कई बातें महत्वपूर्ण थीं, लेकिन जिस चीज़ ने हमारी मित्रता को इतना प्रगाढ़ बनाया, वह उषा और मेरे लिए पूरे सम्मान के साथ की गई उनकी व्यवहारिकता और सहृदयता थी।

रोटरी विश्व के सर्वश्रेष्ठ वक्ताओं में से एक थे रिक। दुनिया में रोटरी द्वारा किये गए भलाई के कार्यों के बारे में उनकी मार्मिक और प्रेरक प्रस्तुति ने रोटरी को हमारे परिवार, दोस्तों और सहकर्मियों से परिचित कराने और नए सदस्यों को रोटरी के बारे में गहरी जानकारी उपलब्ध कराने और समझने का एक अद्भुत अवसर प्रदान किया।

भले ही हमारे पास कितनी भी कारें हों, हमारे कार्यालयों की दीवारों पर कितनी भी डिग्रियां लटकी हों, अगर हमने मानवता के मामले में विफल रहते हैं तो किसी भी व्यावसायिक या अन्य सफलता का कोई महत्त्व नहीं होगा।

रिचर्ड किंग
रो ई अध्यक्ष (2001-02)

रिक कहते थे कि रोटेरियन महत्वपूर्ण हैं और पृथ्वी पर सर्वश्रेष्ठ लोगों में से हैं। मैं रिक का हवाला देते हुए अपनी बात समाप्त करना चाहूंगा: ''मुझे यकीन है कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि हम अपने जीवन में क्या करते हैं - भले ही हमारे पास में कितनी भी कारें हों, हमारे कार्यालयों की दीवारों पर कितनी भी डिग्रियां लटकी हों, जो काम हम करते हैं उसके लिए हमें चाहे कितनी भी प्रशंसा मिले कोई फर्क नहीं पड़ता - अगर हमने मानवता के मामले में विफल रहते हैं तो किसी भी व्यावसायिक या अन्य सफलता का कोई महत्त्व नहीं होगा, वो कभी कहीं भी दर्ज नहीं की जाएगी। एकमात्र काम यही है जिसे इस दुनिया को छोड़ते वक्त हम साथ ले जाएंगे।''

लेखक पूर्व रो ई अध्यक्ष हैं।

मधुरा छत्रपति: उनकी जीवंत विरासत समय से परे है

उषा सेल्वाराज

31 अक्टूबर की रात, रोटरी जगत को दिल दहला देने वाली खबर से झटका लगा कि उसके सबसे चमकीले सितारों में से एक, पीडीजी मधुरा छत्रपति, अब इस दुनिया में नहीं रहीं। डाउनटाउन के क्लब सदस्यों के बीच यह बात आग की तरह फैली, उन्ही मधुरा के बारे में संदेशों के साथ जो हमेशा मुस्कुराने वाली, दयालु एवं एक परवाह करने वाली रोटेरियन थी जिन्होंने उनके दिलों पर एक अमिट छाप छोड़ी। उनका अचानक निधन न केवल रोटरी के लिए एक क्षति थी, बल्कि इसने रोटरी की आत्मा और समुदाय के भीतर एक गहरे खालीपन को जन्म दिया।

बैंगलोर के चहल-पहल भरे माहौल में, मधुरा, जैसा कि सब उन्हें प्यार से बुलाते थे, एक जीवंत और पथप्रदर्शक शक्ति थी और उन्होंने रोटरी, उद्यमिता विकास और महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में अपनी जबरदस्त उपस्थिति दर्ज की।

मधुरा के साथ मेरी व्यक्तिगत यात्रा 2016 में शुरू हुई जब उन्होंने मुख्य अतिथि के रूप में महिला उद्यमिता पुरस्कारों की शोभा बढ़ाई। मुझे नहीं पता था कि यह मुलाकात मेरे जीवन में एक परिवर्तनकारी यात्रा की शुरुआत को चिह्नित करेगी। एक स्वाभाविक करिश्माई नेता, उन्होंने तत्कालीन मंडल 3190 में पहली महिला अध्यक्ष बनकर एक नई मिसाल कायम की और बाद में 1998-99 में दक्षिण एशिया में पहली महिला मंडल गवर्नर बनकर इतिहास रचा।

रोटेरियन बनने से बहुत पहले, *रोटरी न्यूज़* के संपादक के रूप में उनके कार्यकाल के साथ शुरू हुई उनकी रोटरी यात्रा की कहानी को आत्मसात करते हुए जब मैं उनके बगल में बैठी थी, तो मैं उनकी अनुकरणीय भावना को देखकर आश्चर्यचकित हुए बिना नहीं रह सकी। सम्मानित स्वर्गीय पीआरआईडी एम के पांडुरंगा शेट्टी के मार्गदर्शन में, मधुरा ने डाउनटाउन को उसके स्थापना वर्ष में ही रो ई मंडल 3190 का पहला दान करने वाला क्लब बनने के लिए नेतृत्व किया। रोविंग कम्फर्ट स्टेशन (टॉयलेट ऑन व्हील्स), अनोखे बस स्टॉप, वृक्ष गणना, इंटरनेशनल यंग एंटरप्रेन्योर्स कॉन्क्लेव, मनी मार्ट और कई अन्य पहलों ने उनकी दूरदर्शी भावना को प्रदर्शित किया, जो हमेशा उनके समय से आगे थी। वह मेरी प्रिय मार्गदर्शिका थीं, और अब मैं गर्व से डाउनटाउन की वर्तमान अध्यक्ष के रूप में सेवा कर रही हूं।

पीडीजी मधुरा छत्रपति

सेवा के प्रति मधुरा की प्रतिबद्धता विश्व स्तर पर बढ़ी, जहां उन्होंने 2004 में अनाहेम में अंतर्राष्ट्रीय सभा में अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण नेतृत्वकर्ताओं में से एक के रूप में सेवा दी। मंडल रोटरी फाउंडेशन के अध्यक्ष के रूप में, उन्होंने संगठन पर एक अमिट छाप छोड़ते हुए अब तक का सर्वाधिक 300,000 डॉलर से अधिक का योगदान हासिल किया। उन्होंने लगातार दो वर्षों तक विश्व पोलियो कोष के लिए ₹1 मिलियन से अधिक जुटाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

एक दूरदर्शी नेता के रूप में, मधुरा का प्रभाव रोटरी तक ही सीमित नही रहा; वह दिल से एक सच्ची उद्यमी थीं। 1981 में, उन्होंने फूड एसोसिएट्स बैंगलोर की स्थापना की, जो स्थानीय और वैश्विक बाजारों के लिए अनुकूल निर्जलित खाद्य सामग्री का उत्पादन करने वाला एक निर्जलीकरण संयंत्र है। उनकी उद्यमशीलता के विस्तार के चलते AWAKE (एसोसिएशन ऑफ वुमन एंटरप्रेन्योर्स ऑफ कर्नाटक) का गठन हुआ, जहां उन्होंने संस्थापक अध्यक्ष के रूप में कार्य किया। -थ-घए एक अंतरराष्ट्रीय स्तर का मान्यता प्राप्त संसाधन केंद्र बन गया, जो 30,000 से अधिक स्टार्ट-अप और पहली पीढ़ी की महिला उद्यमियों को पोषित करता है।

मधुरा की उद्यमशीलता की भावना बेलगाम जिले में स्थित अथणि तालुक के कारीगरों द्वारा हस्तनिर्मित जूते बनाने वाले एक संगठन, टोहोल्ड, में भी प्रकट हुई। टोहोल्ड के माध्यम से, उन्होंने कोल्हापुरी जूतों के उत्पादन और विपणन में क्रांति ला दी, जिससे सैकड़ों कारीगरों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा।

एक परामर्शदाता के रूप में, मधुरा ने मुझे मिलाकर कई अन्य लोगों को रोटरी की दुनिया और उद्यमिता से परिचित करवाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पोलियो उन्मूलन के लिए उनके समर्पण ने दुनिया को एक बेहतर स्थान बनाने में उनके अथक प्रयासों को प्रदर्शित किया। वह सिर्फ एक दयालु इंसान नहीं थी; वह एक प्रेरणादायक नेतृत्वकर्ता और दृढ़ता से भरी

पीआरआईपी केआर रवींद्रन के साथ।

महत्वाकांक्षी इंसान थीं। यूएनडीपी, आईएलओ, यूएनआईडीओ, वर्ल्ड बैंक, यूएन ईएससीएपी और ईकनामिक कमीशन फॉर अफ्रीका एवं अन्य बहुपक्षीय एजेंसियों के बीच अति लोकप्रिय, मधुरा ने कई किताबें और शोध पत्र लिखे हैं।

एक कष्टमय बचपन में बढ़े होते हुए, उन्होंने एक दुर्गम रास्ता चुना और ध्रुव तारे की तरह चमकी; एक सच्ची प्रेरणास्रोत और एक दूरदर्शी जिन्होंने आगे रहकर नेतृत्व किया। मधुरा की यह विरासत उन लोगों के दिलों में जीवित है जिन्हें उन्हें जानने का सौभाग्य मिला। रोटरी परिवार, विशेष रूप से, उनके साथ काम करने और जीवन को परिभाषित करने वाले क्षणों को साझा करने के लिए खुद को बेहद भाग्यशाली मानता है। उनके निधन से, दुनिया ने सामाजिक उत्थान का एक वास्तविक समर्थक खो दिया, लेकिन उनका प्रभुत्व और प्रभाव हम सभी का मार्गदर्शन करता रहेगा। पीडीजी मधुरा छत्रपति, रोटरी इतिहास की गाथा में अंकित एक नाम, स्वयं से ऊपर सेवा का एक प्रकाशस्तंभ है, जो हमें याद दिलाता है कि एक व्यक्ति वास्तव में दुनिया में एक महत्वपूर्ण बदलाव ला सकता है।

उनकी अनुपस्थिति ने उनके परिवार, दोस्तों, सहयोगियों और पूरे रोटरी समुदाय के मन में एक खालीपन छोड़ा है। दुःख की इस घड़ी में, हम उनके प्रियजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं। मधुरा की बहुत याद आएगी, लेकिन उनकी भावना हमेशा हमारे दिलों में जिंदा रहेगी।

लेखक रोटरी बैंगलोर डाउनटाउन रो ई मंडल 3191, की अध्यक्ष हैं

सुंदर कोडाई पहाड़ियों पर RYLA

टीम रोटरी न्यूज़

रोटरी क्लब कोडाईकनाल, रो ई मंडल 3000, द्वारा आयोजित STARS (सेट, श्राइव, एम, राइज एंड शाइन) नामक तीन दिवसीय RYLA में 45 बच्चों ने भाग लिया, जिसमें RYLA अध्यक्ष सुकुमार और सचिव कृपा सोंस ने कार्यक्रम का समन्वय किया।

रोटरियन निकोलस फ्रांसिस ने उन सत्रों का संचालन किया जिसमें प्रशिक्षकों की एक श्रृंखला थी। कृपा ने कहा कि बच्चों ने अपनी प्रतिभा, जन-संबोधन के कौशलों, टीमवर्क का प्रदर्शन किया और सहानुभूतिपूर्ण और अनुशासित रहते हुए 'प्रगतिशील परिवर्तन' के लिए नेतृत्व करना सीखा। पीडीजी गोपालकृष्णन ने RYLA का उद्घाटन किया।

निकोलस, करूर से युवराज, डीजीई राजा गोविंदसामी, रोटरेक्ट मंडल प्रशिक्षक शशांक, पीडीजी जॉर्ज सुंदरराज और डीआरआर सुनील गौतमराज ने नेतृत्व गुणों पर विभिन्न सत्रों में छात्रों का मार्गदर्शन किया। कोडइकनाल इंटरनेशनल स्कूल के इंट्रक्टरों द्वारा कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर एक प्रस्तुति दी गई, और प्रतिभागियों ने सोलर ऑब्जर्वेटरी की यात्रा का आनंद लिया। क्लब अध्यक्ष मदन के गोविंदन, सचिव अकबर सैत और सदस्य शोभना सुधाकर ने RYLA की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।■

प्रतिभागियों के साथ डीजी आनंदथा जोथी (बीच में), पीडीजी सैम बाबू (बाईं ओर, डीजी के पीछे), क्लब अध्यक्ष मदन गोविंदन, क्लब सचिव अकबर शैत, निकोलस फ्रांसिस, क्लब अध्यक्ष मदन गोविंदन। RYLA अध्यक्ष सुकुमार (बाएं) और सचिव कृपा सोन्स (दाएं)।

रोटरी क्लब दिल्ली इंपीरियल ने दिल्ली एनसीआर, गुरुग्राम में स्कूलों का कायाकल्प किया

रशीदा भगत

ये वो क्लब है जिसे सरकारी स्कूलों को जीवंत बनाने और उनका आधुनिकीकरण करने में विशिष्टता प्राप्त है। पिछले कुछ अरसे में रोटरी क्लब दिल्ली इंपीरियल, रो ई मंडल 3012 ने गुरुग्राम और दिल्ली एनसीआर क्षेत्र स्थित गांवों और उसके नज़दीकी सरकारी स्कूलों का कायाकल्प करने के लिए वैश्विक अनुदान की तीन परियोजनाएं निष्पादित की हैं।

स्कूल की चारदीवारी के निर्माण से लेकर, पुस्तकालय और कंप्यूटर लैब, सामूहिक हैंड वॉश स्टेशन बनाने, पानी की उपलब्धता वाले स्वच्छ शौचालय उपलब्ध कराने, पीने का पानी, भंडारण टैंक, सौर पैनल, प्रोजेक्टर, प्रिंटर उपलब्ध कराने और मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन को सुनिश्चित करने के लिए किशोरियों को पुन: प्रयोज्य सैनिटरी पैड उपलब्ध कराने तक, क्लब ने यह सभी कार्य किये हैं।

कुल 192,000 डॉलर की अपनी ताज़ा वैश्विक अनुदान परियोजना के ज़रिये, इस बार क्लब ने

ऊपर: छात्र क्लब द्वारा उन्हें प्रदान किए गए पुन: प्रयोज्य सैनिटरी पैड पैकेटों के साथ।

गवर्नमेंट गर्ल्स प्राइमरी स्कूल, खेरला, गुरुग्राम में शिक्षकों के साथ छात्र।

गुरुग्राम में 19 स्कूलों का पुनरुद्धार, नवीनीकरण और कायाकल्प किया है।

क्लब के पूर्व अध्यक्ष राम चंद, जो स्कूलों के नवीनीकरण परियोजना समिति के मुख्य सदस्य हैं, इस परियोजना के सफलतापूर्वक पूर्ण होने और सफल समापन का मुख्य श्रेय ''हमारे चार्टर अध्यक्ष और पाथवेज स्कूल के मालिक प्रवीण जैन को देते हैं। उन्होंने और उनकी टीम ने उन सरकारी स्कूलों की पहचान करने में मदद की, जिन्हें सहायता की आवश्यकता थी, परियोजना के सभी घटकों के निष्पादन की नज़दीक से निगरानी की और आवश्यकतानुसार परियोजना घटकों के रखरखाव को सुनिश्चित करना जारी रखा। हम सभी जानते हैं कि सुविधाएं और उपकरण उपलब्ध कराना आसान है, लेकिन उन सुविधाओं और उपकरणों को बनाए रखना बहुत मुश्किल है, लेकिन उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि स्कूल सुचारू रूप से चलते रहें।''

एक उदाहरण बताते हुए उन्होंने कहा कि जीर्णोद्धार किये गए स्कूलों में फर्नीचर दिया गया और लैपटॉप सहित कंप्यूटर कक्ष स्थापित किये गये। ''अब फर्नीचर को तो रखरखाव की आवश्यकता नहीं होती है, लेकिन लैपटॉप को होती है। पाथवेज़ टीम इसी जगह सहायता करती है; हर महीने बल्कि साप्ताहिक आधार पर, वे लैपटॉप की बाहरी सफाई के अलावा, लैपटॉप की सर्विसिंग, सॉफ्टवेयर अपडेट करने और यदि कोई त्रुटि हो तो उसे दूर करने में हमारी मदद करते हैं।'' इससे कंप्यूटर कक्षों की निरंतरता सुनिश्चित हुई।

वाटर फिल्टर और वाटर कूलर की सार संभाल के लिए भी पाथवे टीम सहयोग करती है। ''लेकिन यहाँ सबसे बड़ी चुनौती शौचालय के रखरखाव की है। शुरुआत में हमने उन्हें हाथ धोने और शौचालयों की सफाई का सामान दिया था । लेकिन आप निरंतर रखरखाव और, अधिक महत्वपूर्ण, साफ़-सफ़ाई और स्वच्छता कैसे सुनिश्चित कर सकते हैं? तो हमने यहां स्कूल रखरखाव समितियां (एसएमसी) बनाई गईं जिसमें माता-पिता को भी शामिल किया गया। वॉशरूम को साफ़ रखना और स्वच्छता का स्तर बनाए रखना उनकी ज़िम्मेदारी है,'' उन्होंने आगे कहा।

अपनी नवीनतम वैश्विक अनुदान परियोजना *उमंग* में, रो ई मंडल 4563 और 4621 के अंतरराष्ट्रीय साझेदारों के साथ गुरुग्राम और दिल्ली (एनसीआर) के गांवों में 19 स्कूलों को विकसित करने के लिए क्लब को वास्तव में कई प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ा। पहले दो अनुदान कम स्कूलों के लिए थे। ''इस बड़े प्रोजेक्ट के लिए, हमने अपने क्लब के सदस्यों से प्रतिबद्धता

Total GG
$192,000

World Fund
$69,333

DDF contribution
$46,000

Cash contribution
$46,666

Endowed/Directed gift contribution
$30,001

ले कर दिसंबर 2019 में धन जुटाया। जनवरी 2020 से, उजतखऊ-19 की परेशानियां सामने आईं और अप्रैल/मई के आसपास, हमें एक विकल्प चुनना था - या तो आवश्यक धन जुटाने के अपने प्रयास जारी रखें या परियोजना को पूरी तरह से रद्द कर दें। सौभाग्य से, तत्कालीन डीजी दीपक गुप्ता से बहुत सहयोग मिला और हमने आगे बढ़ने का निर्णय किया,'' राम चंद कहते हैं।

जैसे-तैसे लॉकडाउन आया और निकल गया, टीम ने दिल छोटा किये बिना आवश्यक धनराशि एकत्र की और जीजी के लिए आवेदन किया। लेकिन फिर, वह आगे कहते हैं, ''यह वो समय था जब टीआरएफ स्वयं कोविड से संबंधित परियोजनाओं का सहयोग करने के लिए फाउंडेशन से की गई मांगों के संदर्भ में एक बड़ी चुनौती का सामना कर रहा था।''

लेकिन दिसंबर 2020 के आसपास जीजी मिल गई, इस प्रोजेक्ट की टीम स्कूल के फर्नीचर, कंप्यूटर और अन्य शैक्षिक सामग्री को व्यवस्थित करने में जुट गई और बाहरी बुनियादी ढांचे जैसे कंपाउंड की दीवार, भवन का नवीनीकरण आदि जैसी चीजों पर ध्यान देना शुरू कर दिया।

यहां पर जिन प्रमुख चीज़ों की आवश्यकता थी उनमें से था एक सौर ऊर्जा का निर्माण करना ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कंप्यूटर, प्रिंटर, पानी की मोटर आदि को पर्याप्त बिजली मिलती रहे। परियोजना का सहयोग करने वाले दो मंडल अध्यक्षों के मार्गदर्शन में - पहले दीपक गुप्ता और फिर आलोक गुप्ता, राम चंद ने याद किया, ''हम कोविड की दूसरी लहर, डेल्टा लहर आने से पहले परियोजना का उद्घाटन करने में सफल रहे।''

फिर से, स्कूल बंद हो गए और सितंबर 2021 तक वे ज्यादा कुछ नहीं कर सके, और जैसे ही धीरे-धीरे चीजें सामान्य होती गईं और कोविड का खतरा टलने लगा तो बाकी बचा हुआ काम भी पूरा हो गया।

जिस प्रकार से परियोजना का क्रियान्वयन किया गया उसके बारे में बताते हुए और इसके सबसे महत्वपूर्ण घटकों में से एक पर प्रकाश डालते हुए, पूर्व अध्यक्ष अखिल बंसल ने कहा कि ''चयनित स्कूलों की दशा वास्तव में बहुत

ऊपर से दक्षिणावर्त: रोटरी क्लब दिल्ली इंपीरियल के सदस्य, अपने जीवनसाथियों के साथ, पाथवेज स्कूल में पीडीजी आलोक गुप्ता, दीपक गुप्ता और ललित खन्ना के साथ; पीडीजी आलोक गुप्ता और दीपक गुप्ता ने 2021 में गवर्नमेंट हायर सेकेंडरी स्कूल, टीकली, गुरुग्राम में स्थापित सौर संयंत्र का उद्घाटन किया; पीडीजी गणेश भट्ट छात्रों से बातचीत करते हुए; बाएं से: संजीव जैन, अखिल बंसल, राम चंद, पीडीजी गणेश भट्ट, प्रवीण जैन, विद्या भट्ट, मनोज गुप्ता और दिव्या चंद बच्चों को हैंडवाश स्टेशन का उपयोग करते हुए देखते हैं।

दयनीय थी और पूरी तरह से जीर्ण-शीर्ण स्थिति में थे। न पीने का पानी था, न बिजली; सरकार ने जनरेटर तो दे दिए लेकिन डीजल का खर्चा कौन उठाएगा? स्कूलों के पास फंड नहीं थे। शुरू में हमने पीने के पानी के कूलर दिए, लेकिन बिजली के बिना वे बेकार थे और उद्देश्य फिर से विफल हो गया, इसलिए सौर पैनल लगाने का विचार आया।''

एक और भारी समस्या थी शौचालयों की दयनीय स्थिति, जिसमें पानी नहीं होता था, और इसलिए किशोर लड़कियां अपने मासिक धर्म के दौरान स्कूल नहीं आती थीं। इस समस्या के समाधान के लिए, और मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन (एमएचएम) मुद्दे को संबोधित करने के लिए, रोटरियनों ने एक एनजीओ बाला के साथ साझेदारी की, जिसने लड़कियों के लिए एमएचएम पर कार्यशालाएं आयोजित कीं और स्कूलों में पुन: प्रयोज्य सैनिटरी नैपकिन वितरित किए।

बंसल कहते हैं, ''इनमें से कुछ सरकारी स्कूल एक अजीब सिद्धांत पर चलते हैं; उन्हें पूंजीगत व्यय के लिए तो सरकार से धन मिलता है, लेकिन रखरखाव के लिए कोई पैसा नहीं दिया जाता। पर एक अच्छी बात यह है कि स्कूल प्रबंधन समितियां (एसएमसी) हैं जिनमें स्कूल प्रबंधन, शिक्षक और अभिभावक शामिल हैं और हम अपने द्वारा बनाई गई सुविधाओं के उचित रखरखाव को सुनिश्चित करने के लिए उन्हें शामिल कर रहे हैं।''

टीआरएफ कैडर और पीडीजी गणेश भट्ट ने, जिन्हें इस जीजी के की जांच करने की जिम्मेदारी दी गई थी, अगस्त के मध्य में कायाकल्प किए गए स्कूलों का दौरा करने के बाद कहा, कि ''इस परियोजना के तहत किए गए काम ने वास्तव में बच्चों और अध्यापक के लिए पूरे परिदृश्य को बदल दिया है । मैंने सभी हितधारकों - बच्चों, शिक्षकों, अभिभावकों और स्कूल के प्रधानाचार्यों के साथ बातचीत की। खेरला के सरकारी कन्या प्राथमिक विद्यालय की कुछ छात्राओं ने कहा कि पानी के साथ स्वच्छ शौचालय मिलने के बाद, उन्हें अब एमएचएम कारणों से अपनी कक्षाएं नहीं छोड़नी पड़ती।''

उन्होंने देखा कि बच्चों के स्वास्थ्य में अप्रत्याशित रूप से सुधार हुआ है क्योंकि वे अब

राजकीय वरिष्ठ विद्यालय, भंडवारी में मासिक धर्म स्वच्छता पर एक सत्र।

मध्याह्न भोजन से पहले नियमित रूप से अपने हाथ साबुन और पानी से धोते हैं और अब जल-जनित बीमारियों के कारण बीमार नहीं पड़ रहे हैं।'' शिक्षकों ने मुझे बताया कि पढ़ाई के लिए मेज का उपयोग करने और फर्श के बजाय बेंच पर बैठने से बच्चों में गरिमा की भावना विकसित हुई है और उनका आत्मविश्वास बढ़ा है, यहां तक कि स्कूल छोड़ने की दर में भी कमी आई है। उनके शैक्षणिक प्रदर्शन में भी सुधार हुआ है और औसत अंक 65 से बढ़कर 85 प्रतिशत हो गए हैं, और कक्षाओं में उपस्थिति 65 से बढ़कर 90 प्रतिशत पहुँच गई है।''

एक शिक्षक ने दिल छू लेने वाली टिप्पणी की थी कि प्रोजेक्टर के साथ-साथ लैपटॉप और इंटरनेट की उपस्थिति के कारण, जब चंद्रयान -3 चंद्रमा पर सफलतापूर्वक उतरा तो बच्चे उस गौरवपूर्ण क्षण को देख पाए।

भट्ट ने सुझाव दिया कि सभी पुनर्निर्मित स्कूलों में इंटरैक्ट क्लब शुरू किए जाने चाहिए, रखरखाव के पहलू पर कड़ी नजर रखी जानी चाहिए और कहा कि इस ''परिवर्तनकारी परियोजना के माध्यम से, लगभग 6,000 बच्चों और 100 स्कूल कर्मचारियों को लाभ हुआ है।''

राम चंद ने कोर टीम के ''प्रमुख सदस्यों द्वारा किये गए योगदान का रिकॉर्ड रखा है, जिन्होंने इस महत्वाकांक्षी परियोजना की परिकल्पना की, मार्गदर्शन और अथक प्रयास किया।'' जिसमें 2019-20 में क्लब के अध्यक्ष दुष्यंत आर्य भी शामिल हैं जिनके नेतृत्व में धन जुटाया गया था; मनोज गुप्ता, 2020-21 और 21-22 दोनों वर्षों में अध्यक्ष, जब परियोजना निष्पादित की गई थी; विशाल ज्योति जिन्होंने वैश्विक अनुदान अनुमोदन पर काम किया और पूर्व अध्यक्ष अश्वनी गुप्ता जिन्होंने यह सुनिश्चित किया कि गुणवत्ता वाले उपकरण कम से कम कीमतों पर खरीदे जाएं। ''निस्संदेह, इस परियोजना के पीछे मुख्य शक्ति हमारे पाथवेज स्कूल के अध्यक्ष प्रवीण जैन और उनकी टीम है; वे ही इसकी सफलता और छात्रों, अभिभावकों और निश्चित रूप से शिक्षकों और प्रधानाचार्यों के लिए पैदा हुई खुशी का मुख्य कारण हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इन पुनर्निर्मित स्कूलों का रखरखाव सुचारू रूप से चल रहा है, इसके लिए उन्हें धन्यवाद,'' उन्होंने आगे कहा। ■

BECOME A DOCTOR IN USA

XAVIER UNIVERSITY ARUBA'S 6 YEAR PROGRAMME TO TRANSFORM YOUR AMERICAN DREAM INTO A REALITY

DOCTOR OF MEDICINE

First 2 years
Start @
KLE, Campus
Karnataka, India

Next 2 years
Continue @
Xavier's Campus
Aruba, Caribbean
island - Netherland

Next 2 years
Complete @
Xavier's affiliated
Teaching Hospitals
USA / Canada

DOCTOR OF VETERINARY MEDICINE

First 2 years
Start @
KLE, Campus
Karnataka, India

Next 3 years
Continue @
Xavier's Campus
Aruba, Caribbean
island- Netherland

Final year
Complete @
Xavier's affiliated
Teaching Hospitals
USA / Canada

Limited Seats

The session starts in January 2024

To apply, Visit: **application.xusom.com**

Contact: Uday @+91 91 0083 0083 +91 98 8528 2712

email: infoindia@xusom.com

XAVIER STUDENTS ARE ELIGIBLE FOR H1/J1 Visa PROGRAMME

ADVT.

WASH ने कोलकाता के 20 स्कूलों को बदल दिया

जयश्री

पीआरआईपी शेखर मेहता ने पीडीजी रवींद्र प्रकाश सहगल (बाएं से दूसरे) और प्रबीर चटर्जी (बाएं से तीसरे) की उपस्थिति में एक स्कूल में WASH सुविधा का उद्घाटन किया।

ग्रामीण कोलकाता में 10,000 से अधिक छात्र अब बेहतर स्वच्छता और स्वच्छता का आनंद लेते हैं, यह सब रोटरी क्लब बेलूर, रो ई मंडल 3291 द्वारा कार्यान्वित एक मेगा 142,600 वैश्विक अनुदान परियोजना के लिए धन्यवाद। कार्यक्रम, अप्रैल 2019 में शुरू हुआ और अगस्त 2023 में पूरा हुआ, स्वच्छ पानी, स्वच्छता लाया गया, और छह राजस्व जिलों के 20 स्कूलों में स्वच्छता (WASH)। प्रोजेक्ट के अध्यक्ष विष्णु ढांढनिया मुस्कुराते हुए कहते हैं, ''यह परियोजना इन बच्चों के भविष्य में एक महत्वपूर्ण निवेश थी।''

यह परियोजना इन बच्चों के भविष्य में एक महत्वपूर्ण निवेश थी।

शाहनारा खातून (9) इस बात से उत्साहित हैं कि रोटरी ने उनके स्कूल, मुर्शिदाबाद के पूरबभरतपुर प्राइमरी स्कूल में शौचालय बनाया है। ''हर दिन मैं घर पहुंचने और शौच के लिए आधे घंटे तक रुकता था क्योंकि स्कूल में शौचालय नहीं था। अब यह हम सभी के लिए बहुत बड़ी राहत है।फ हम जितना चाहें उतना पानी पी सकते हैं क्योंकि अब हमारे यहां शौचालय हैं, और हम खेलने के बाद गंदे रहने के बजाय अपने हाथ और चेहरा धो सकते हैं, क्योंकि रोटरी ने हमारे स्कूल में हैंडवॉश स्टेशन स्थापित किए हैं,'' वह कहती हैं। मुर्शिदाबाद के 20 प्रतिशत से भी कम स्कूलों में लड़कियों के लिए अलग शौचालय हैं। धनधानिया का कहना है कि साझा-लिंग शौचालय और खराब समग्र स्वच्छता स्कूलों में लड़कियों की उपस्थिति को हतोत्साहित करती है।

परियोजना का एक महत्वपूर्ण पहलू स्कूलों में स्वच्छता प्रशिक्षण के माध्यम से प्राप्त व्यवहार परिवर्तन था। स्कूली बच्चों को मज़ेदार गतिविधियों, कहानी सुनाने और इंटरैक्टिव सत्रों के माध्यम से साबुन से हाथ धोना, शौचालयों में पानी का उपयोग करना, व्यक्तिगत स्वच्छता और अपशिष्ट प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण सबक दिए गए।

सरदापल्ली फ्री गवर्नमेंट स्कूल के एक शिक्षक बताते हैं कि कैसे इस परियोजना ने उनके स्कूल में बच्चों के व्यवहार को बदल दिया है। ''पहले छात्र अपने हाथों को पानी से धोते थे और अधिक गंदगी जमा होने पर उन्हें अपने कपड़ों पर पोंछ लेते थे। वॉश बेसिन पर साबुन आसानी से उपलब्ध नहीं था और छात्रों ने कभी भी शिक्षकों से इसके लिए नहीं पूछा। लेकिन अब, WASH परियोजना शुरू होने के बाद, वे न केवल साबुन की मांग करते हैं, बल्कि अपने हाथों को सही तरीके से धोने की भी मांग करते हैं।''

ढांढनिया ने बताया कि कैसे बरई बालिका विद्यालय की प्रधानाध्यापिका नीता डे ने न केवल अपने स्टाफ बल्कि छात्रों के माता-पिता को भी अपने स्कूल में WASH परियोजना में रुचि लेने के लिए प्रेरित किया। स्कूल में साबुन

और सफ़ाई का सामान ख़त्म हो गया था, और अगला स्टॉक तुरंत खरीदने के लिए उसके पास तैयार फंड नहीं था। सोनीता ने अपनी जेब से साबुन खरीदा और शिक्षकों ने भी इसमें योगदान दिया। ''यह एक छोटी लागत है लेकिन एक बड़ा कदम है जो शिक्षकों की मानसिकता में बदलाव का संकेत देता है। अब स्कूल में एक 'साबुन बैंक' है जहाँ हर कोई - छात्र, माता-पिता और कर्मचारी - साबुन और स्वच्छता की चीज़ें दान करते हैं। छात्र अपना जन्मदिन मनाने के लिए साबुन की टिकिया भी देते हैं!''

कक्षा में अपशिष्ट पृथक्करण पर एक इंटरैक्टिव सत्र।

स्वच्छता एवं एमएचएम

कालीघाट मंदिर के करीब स्थित लड़कियों के लिए एक माध्यमिक विद्यालय, कालीघाट महाकाली पाठशाला में, छात्र मासिक धर्म स्वास्थ्य और स्वच्छता पर चर्चा करने से कतराते थे। प्रशिक्षकों ने इस वर्जना को तब तोड़ा जब उन्होंने अपने अनुभव सुनाना शुरू किया। लड़कियों को बोलने में आत्मविश्वास महसूस हुआ और जल्द ही सैनिटरी पैड के उपयोग, इसके निपटान और उनके सामने आने वाली समस्याओं के बारे में जीवंत चर्चा होने लगी। स्कूल में अब एक सैनिटरी पैड वेंडिंग मशीन और एक भस्मक है। लड़कियां जरूरत पड़ने पर एक सिक्का गिराने और पैड निकालने में सशक्त महसूस करती हैं।

स्कूल में स्थापित हैंडवाश स्टेशन का उपयोग करते छात्र।

इसी तरह, कोलकाता के बड़ाबाजार क्षेत्र के एक माध्यमिक विद्यालय, श्री माहेश्वरी विद्यालय के लड़कों ने अपनी कक्षाओं के लिए अपने स्वयं के कूड़ेदान बनाना शुरू कर दिया है। प्रत्येक कक्षा में अब दो डिब्बे हैं, एक बायोडिग्रेडेबल उत्पादों के लिए और एक प्लास्टिक और अन्य डिस्पोजेबल के लिए।

WASH GG परियोजना में 35 लिंग-विशिष्ट शौचालय ब्लॉक, 21 हैंडवॉश स्टेशन, 18 पेयजल स्टेशन और 9 सैनिटरी पैड वेंडिंग मशीन और भस्मक का निर्माण शामिल था। भाग लेने वाले क्लबों में प्रमुख क्लब रोटरी क्लब बेलूर के साथ-साथ भारत में रोटरी क्लब कलकत्ता चौरेन्घी, कलकत्ता नॉर्थ सबअर्बन और चंदननगर और अमेरिका से रोटरी क्लब डेनविल/साइकमोर वैली, डेनविल, रिचमंड, अलामो, सैन रेमन और सैन रेमोंड वैली शामिल थे।

रोटरी क्लब डेनविले/साइकमोर वैली के सदस्य और इस परियोजना में शामिल होने वाले कई अमेरिकी रोटरी क्लबों के पीछे की शक्ति रंजीत चक्रवर्ती कहते हैं, ''परियोजना की सफलता वास्तव में पूरे समुदाय की सक्रिय भागीदारी के साथ बच्चों और उनके स्वास्थ्य पर प्रतिबिंबित करेगी।'' परिवर्तन से प्रेरित ढांढनिया अब 20 स्कूलों के एक और सेट को WASH के लिए तैयार करने पर काम कर रहा है।■

Rotary PEOPLE OF ACTION

तस्करी की शिकार महिलाओं को कुशल बनाना

रशीदा भगत

यह एक ऐसी परियोजना है जो रोटरी की DEI - विविधता, निष्पक्षता और समावेशन - की मूल विचारधारा में सटीक बैठती है। रोटरी क्लब बॉम्बे एयरपोर्ट रो ई मंडल 3141 के पूर्व अध्यक्ष राजेश अग्रवाल के कठिन प्रयासों एवं दो कॉर्पोरेट दिग्गजों - वेदांता फाउंडेशन और डी-लिंक अकादमी - के दीर्घकालिक समर्थन से, मेट्रो के कुख्यात देह व्यापार से बचाई गई 20 किशोरियों और युवतियों (14 से 24 वर्ष) के लिए मुंबई में एक दुर्लभ सामुदायिक पहल शुरू की गई है।

चैम फाउंडेशन के साथ साझेदारी में काम करते हुए, इस रोटेरियन, जो रो ई मंडल 3141 के मुख्य प्रशिक्षण और शिक्षण अनुदेशक हैं, ने बोरीवली स्थित चैम फाउंडेशन में स्थापित एक कंप्यूटर कौशल केंद्र के सफलतापूर्वक संचालन को सुनिश्चित किया है। शुरुआत में, इन महिलाओं को बुनियादी कंप्यूटर कौशल दिया जाएगा। *रोटरी न्यूज़* को इस परियोजना की जानकारी देते हुए, अग्रवाल ने कहा, ''ये लड़कियां कंप्यूटर के बारे में बहुत कम जानती हैं; उनमें से लगभग सभी बीच में ही स्कूल छोड़ चुकी हैं और वे यह भी नहीं जानती की कंप्यूटर को चालू कैसे करते हैं। इसलिए प्रशिक्षकों के माध्यम से, उन्हें यह सिखाया जा रहा है कि

तस्करी से बचाइ गयी महिलाओं के लिए एक व्यावसायिक प्रशिक्षण।

फ़ाइल कैसे खोलें, उस पर कैसे काम करें, और इसे सेव कैसे करें, आदि।''

वह आगे कहते हैं कि इन लड़कियों को पुलिस ने विशेष अभियानों के तहत बचाया है और चैम फाउंडेशन को सुपुर्द किया है जिसका उद्देश्य मानव तस्करी से बचाए गए लोगों का पुनर्वास करना है। फाउंडेशन की वेबसाइट के अनुसार, ऐसी प्रत्येक उत्तरजीवी को तीन साल के पुनर्वास कार्यक्रम के तहत रखा जाता है, जहां उन्हें ''सुरक्षित और अच्छे निर्णय'' लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, और एक उचित आजीविका अर्जित करने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है। ''मानव तस्करी से बचे लोगों के पुनर्वास के अलावा, हम धर्म, जाति या लिंग की परवाह किये बिना सीमांत, गरीबों, वंचितों और शोषितों के कल्याण को भी बढ़ावा देते हैं।''

ये लड़कियां कंप्यूटर के बारे में बहुत कम जानती हैं; उनमें से लगभग सभी बीच में ही स्कूल छोड़ चुकी हैं और वे यह भी नहीं जानती की कंप्यूटर को चालू कैसे करते हैं।

राजेश अग्रवाल
पूर्व अध्यक्ष, रोटरी कल्ब बॉम्बे एयरपोर्ट

इस जारी परियोजना, जिस पर वह कई वर्षों से ध्यान केन्द्रित कर रहे है और जो कोविड के दौरान बाधित हो गई थी, का एक अनूठा पहलू बताते हुए, अग्रवाल कहते है, ''प्रायोजक क्लब को इस परियोजना के लिए एक रुपया भी खर्च नहीं करना पड़ता है।'' वह आगे बताते हैं, ऐसा इसलिए है क्योंकि इस सामुदायिक पहल के लिए आवश्यक बड़ी धनराशि सी एस आर के माध्यम से दोनों कॉर्पोरेट संस्थाओं से प्राप्त होती है।

वेदांता और डी-लिंक मिलकर हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर, प्रशिक्षक और प्रशिक्षण सुविधाएं प्रदान करेंगे। वह याद करते हैं कि जब प्रफुल्ल शर्मा रो ई मंडल 3141 के गवर्नर थे, ''तब हमने ऐसे 20 केंद्र स्थापित किये थे। मैंने इस रणनीतिक साझेदारी को उस समय बनाया था जब मुझे पता चला कि ये दोनों कॉर्पोरेट इस तरह के प्रशिक्षण को अपनी सी एस आर गतिविधि के अंतर्गत प्रदान कर रहे थे।'' वह याद करते हैं कि 2017 में, जब एक बार वह मुंबई में चढ्ढ्ढ के कार्यालय में बैठे थे, तो उन्होंने एक डी-लिंक का विज्ञापन देखा, जिस पर लिखा था कि वे लोगों को प्रशिक्षित करने जा रहे हैं ताकि उन्हें नौकरी मिल सके। ''इसलिए मैंने डी-लिंक के एक कार्यकारी को बुलाया, और उस समय से हम उनके साथ इस साझेदारी में हैं।''

मानव तस्करी से बचाई गई युवतियों, वे किन शहरों से आती हैं, आदि के बारे में अग्रवाल कहते हैं, ''चूंकि यह एक बहुत ही संवेदनशील मुद्दा है और समुदाय में बहुत सारे ऐसे अवांछनीय तत्व हैं जो उनका शोषण करना चाहते हैं और उनका लाभ उठाना चाहते हैं, इसलिए हमें उनके साथ बातचीत करने, कोई भी जानकारी मांगने या उनकी तस्वीरें लेने की अनुमति नहीं है। मैं वहां कई बार गया हूँ, लेकिन मैं 10 से 15 फीट की दूरी से ही लड़कियों को हैलो कहता हूं। अगर लोगों को उनसे बात करने की अनुमति दी जाती

है, तो उन लोगों द्वारा सभी प्रकार की सलाह दी जाएगी, जो वांछनीय नहीं है क्योंकि निश्चित रूप से कोई भी लड़की अपने अतीत को याद नहीं करना चाहती है।''

लेकिन वह सामाजिक कार्यकर्ताओं और एनजीओ प्रतिनिधियों द्वारा, बचाई गई महिलाओं के बारे में, सुनी गई कुछ सुनी-सुनाई कहानियों को साझा करते हैं। वह बताते हैं कि बहुत अच्छी दिखने वाली एक लड़की मुंबई पुलिस द्वारा बचाए जाने से पहले चार अलग-अलग शहरों में चार वेश्यालयों से होकर गुजरी थी। एक अन्य मामले में, एक छोटे से शहर की एक लड़की शाम को जब अपने घर से निकली, तो चार लोगों ने उसके साथ बलात्कार किया। ''उसका परिवार उससे कोई वास्ता नहीं रखना चाहता था और उसे अस्वीकार कर दिया; किसी ने उससे कहा कि मैं तुम्हें मुंबई ले जाऊंगा और तुम्हें नौकरी दिलाऊंगा, और उसे तस्करी कर मुंबई ले जाया गया।''

वह कहते हैं कि रोटेरियन कई गैर सरकारी संगठनों के साथ काम करते हैं और अब तक उन्होंने मानव तस्करी से पीड़ित लोगों सहित 200 लोगों के पुनर्वास कार्य में, एवं उन्हें विभिन्न क्षेत्रों में नौकरी पाने में मदद की है। ऐसे केंद्रों, जिनमें से कई गांवों में है, के माध्यम से दिए जाने वाले कौशलों में सिलाई, बुनाई और कई अलग-अलग शिल्प शामिल हैं, और एक विशिष्ट

नीचे: (दाएं से) डीजीई चेतन देसाई, रोटरी क्लब बॉम्बे एयरपोर्ट के पूर्व अध्यक्ष राजेश अग्रवाल, अध्यक्ष अक्षय मेहता और वेदांत फाउंडेशन के पश्चिमी क्षेत्र के प्रमुख रिजवान, कंप्यूटर सेंटर में प्रशिक्षुओं के साथ।

प्रशिक्षण पाठ्यक्रम लगभग आठ सप्ताह तक चलता है।

उनका ऐसा अनुमान है कि इन दोनों कॉर्पोरेट जगत के प्रमुखों के साथ साझेदारी के माध्यम से, रोटेरियन कम से कम कुछ करोड़ रुपये का मूल्य उत्पन्न करने में कामयाब रहे हैं... ''और मेरी माने तो हमनें पिछले कुछ वर्षों में युवाओं के विभिन्न समूहों को विविध प्रकार के कौशल और प्रशिक्षण प्रदान करके ₹9 करोड़ से ऊपर का मूल्य उत्पन्न किया है।''

वह एक नयी परियोजना की योजना बना रहे हैं जहां मानव तस्करी से बचाई गई महिलाओं को ब्यूटीशियन बनने का प्रशिक्षण दिया जा सकता है। वे अर्बन क्लैप या अर्बन कंपनी जैसी सेवा प्रदाताओं से पंजीकृत या जुड़ सकती हैं, और ''जब वे सेवा प्रदान करने के लिए बाहर जाएँगी, तो कोई भी अन्य व्यक्ति उनकी पृष्ठभूमि के बारे में नहीं जान पाएगा, जिससे कोई भी उन्हें अपमानित या शर्मिंदा नहीं कर पाएगा,'' वह आगे कहते है।■

Rotary PEOPLE OF ACTION

रोटरी-बॉश साझेदारी 100 कौशल विकास केंद्र स्थापित करेगी

टीम रोटरी न्यूज़

बेंगलुरु में एमओयू पर हस्ताक्षर करने के बाद आरआईडी राजू सुब्रमण्यन और बॉश के प्रबंध निदेशक गुरुप्रसाद मुदलापुर, के साथ डीजी श्रीनिवास मूर्ति, आईपीडीजी जीतेंद्र अनेजा और पीडीजी नागेश।

रो ई निदेशक राजू सुब्रमण्यन ने हाल ही में बॉश लिमिटेड के प्रबंध निदेशक गुरुप्रसाद मुदलापुर के साथ बेंगलुरु में एक एम ओ यू पर हस्ताक्षर किए, ताकि बॉश के ब्रिज कार्यक्रम को प्रदान करने के लिए पूरे भारत में विभिन्न स्थानों पर 100 कौशल विकास केंद्र स्थापित किए जा सकें।

ब्रिज पाठ्यक्रम तीन महीने की प्रशिक्षण पहल है जो कॉलेज और स्कूल छोड़ चुके छात्रों को व्यावहारिक और जीवन कौशलों के साथ सशक्त बनाती है, और इस प्रकार उनके रोजगार के अवसरों को बढ़ाती है। इसमें एंट्री-लेवल जॉब्स के लिए प्लेसमेंट सहायता भी शामिल है। अनुमान यह है कि 100 केंद्रों में सालाना 10,000 रोजगार के अवसर पैदा करने की क्षमता होगी।

इस कार्यक्रम में रो ई मंडल 3191 के डीजी श्रीनिवास मूर्ति, आईपीडीजी जीतेंद्र अनेजा, पीडीजी के पी नागेश और रोटरी क्लब बैंगलोर जंक्शन के सदस्यों के साथ बीआर सुरेश, कंट्री हेड-एचआर, और सी एस आर प्रमुख सकीना बेकर सहित बॉश के प्रतिनिधि उपस्थित थे।■

मानसिक रूप से अशक्त बच्चों के लिए एक स्कूल

रोटरी क्लब लखीमपुर सेंट्रल, रो ई मंडल 3120, अजमानी इंटरनेशनल स्कूल के परिसर में मानसिक रूप से अशक्त बच्चों के लिए आसरा नामक एक विशेष स्कूल चला रहा है जो क्लब के सदस्य जसमीत सिंह अजमानी का है।

क्लब के सचिव अमित गुप्ता कहते हैं कि यहां लगभग 20 बच्चे विभिन्न जीवन कौशल सीखते हैं। विशेष स्कूल दस साल पहले शुरू किया गया था और क्लब कर्मचारियों के लिए वेतन, बच्चों और कर्मचारियों के लिए दोपहर का भोजन और उन्हें घर लेने और छोड़ने के लिए एक बस के साथ इसका समर्थन कर रहा है। प्रशासनिक खर्च के रूप में हम प्रति माह ₹50,000 ख़र्च करते हैं, वह कहते हैं।

2000 में शुरू हुए इस क्लब में 65 सदस्य हैं, और स्कूल के लिए मासिक खर्च उनके उदार योगदान से पूरा होता है।■

रोटरी क्लब लखीमपुर सेंट्रल द्वारा मानसिक रूप से विकलांगों के लिए संचालित स्कूल आसरा में एक बच्चे के साथ डीजी सुनील बंसल।

Rotary
District 3212

CREATE HOPE in the WORLD

ROTARY CLUB OF VIRUDHUNAGAR
District- 3212
PARIKSHAN CHARITABLE TRUST

Rtn. Gordon R. McInally
RI President

Rtn. Er. R. Muthiah Pillai
District Governor

VIGYAN RATH

Science made easy

SUCCESSFUL JOURNEY OF SCIENCE ON WHEELS

CROSSING OVER 435 PROGRAMS ALL OVER TAMILNADU

Do you want

to have Vignana Ratham travelling to a school in your Town / City / District?
We would love to partnerwith you in this mission.

VIGYAN RATH 435 PROGRAMS STATISTICS AS ON 02.11.2023

PARIKSHAN CHARITABLE TRUST
Empowering society through science...

ADVT.

Started running First Program on : 12.10.2021
Crossing 435th Program on : 2.11.2023

The idea of Vignana Ratham is to kindle student's interest towards Science. It is to aid students in understanding the magic of Science through creative and fun-filled experiments. RID 3212 wondered how good it would be to take the best brains to institutions in all corners of Tamil Nadu. As a result, a tie-up was made with Parikshan Trust of an Indian Scientist, Dr. Pasupathy. Mr. Arivarasan, Mr. Naveen Kumar and Mr. Satheesh were assigned to travel in Vignana Ratham and meet students of various schools every day. Numerous students benefit out of this programme and we believe that we have seeded the fervor required to bring out a Scientist from every institution we visited.

IDHAYAM
PROMISE OF HEALTH AND HAPPINESS

GET IN TOUCH WITH US

Project Chairman
Rtn. R.VADIVEL
94422 48586

Project Concept
Dr. Pasupathy

Rotary PEOPLE OF ACTION

रोटरी क्लब नीलगिरी ने एक मोक्ष धाम और जैव विविधता पार्क का निर्माण किया

रशीदा भगत

कुन्नूर शहर के सुरम्य वातावरण में स्थित, रो ई मंडल 3203 का सबसे पुराना रोटरी क्लब यह भारत के प्राचीनतम रोटरी क्लबों में से एक है, जिसका प्रारम्भ 1941 में हुआ था। रोटरी क्लब ऑफ नीलगिरी, कई परियोजनाएं करके अपने प्रभावशाली इतिहास के गौरव को बनाये रखा है। महत्वपूर्ण परियोजनाएँ; नीलगिरी के बेट्टाटी में ₹51 लाख की लागत से एक पंचायत मिडिल स्कूल के नवीनीकरण, आधुनिकीकरण और क्रांतिकारी परिवर्तन पर, कुछ महीने पहले इसी पत्रिका में लेख छपा था।

कुन्नूर में एक डायलिसिस केंद्र की स्थापना, पहियों पर चलता फिरता आईसीयू और गैस संचालित शवदाह गृह का निर्माण इस क्लब द्वारा संपन्न की गई कुछ अन्य महत्वपूर्ण परियोजनाओं में शामिल है। सरकारी लॉली अस्पताल में ₹1.6 करोड़ की लागत से एक प्रशामक (कैंसर के इलाज हेतु) देखभाल केंद्र और गहन वृद्धावस्था देखभाल इकाई निर्माणाधीन हैं।

मैं उस रमणीय स्थल पर पहुँची जहां रोटरी मोक्ष धाम (श्मशान) बनाया गया है, क्लब के वरिष्ठ रोटेरियनों के साथ जिसमें दो पूर्व अध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) एमजी गिरीश और विजय कुमार डार भी शामिल हैं और वो इस परियोजना का नेतृत्व कर रहे हैं। जनरल गिरीश ने मुझे बताया कि 2005 से पूर्व, जब विलिंग्डन छावनी बोर्ड द्वारा परियोजना के लिए दिए गए 2.5 एकड़ के विशाल भूखंड पर रोटरी क्लब नीलगिरी द्वारा कुन्नूर में यह शवदाह गृह बनाया गया था, तब ये पारंपरिक रूप से केवल लकड़ी से जलने वाला शवदाह गृह था और जर्जर हालत में था। क्लब द्वारा गैस-चलित शवदाह गृह स्थापित करने की परियोजना 2005 में शुरू की गई और शहर के विभिन्न दानदाताओं से ₹40 लाख एकत्र किये गए थे।

पहले रोटरी क्लब ऊटाकामुंड को भी इस परियोजना में भागीदार बनाना था, लेकिन बाद में वह पीछे हट गए। श्मशान घाट ने 2005 में एलपीजी से चलने वाली भट्टी के साथ काम करना शुरू किया।

''तीन साल में यह टूट गया और 2008 में, जब मैं क्लब में शामिल हुआ तो मुझे पता चला कि यह बंद होने के कगार पर है। शायद लागत के निर्धारण और आकलन में कमी रही, क्योंकि एलपीजी और अन्य कार्यों की लागत लगातार बढ़ रही थी, हम बहुत ही कम शुल्क (₹2,000) ले रहे थे और किसी से कोई सहयोग नहीं मिल रहा था। मैंने इसे चालू रखने के लिए पर्याप्त धन जुटाने को एक व्यक्तिगत चुनौती के रूप में लिया, भीख का कटोरा लेकर गया और कुछ

रशीदा भगत

श्मशान परिसर में जनरल गिरीश।

(बाएं से) रोटरी क्लब नीलगिरी के पूर्व अध्यक्ष बी सी कुमार, विजया कुमार डार, जनरल एम जी गिरीश, क्लब अध्यक्ष कैप्टन सी एच एन कुमार और चार्ल्स नाथन।

एक अन्य सदस्य चार्ल्स नाथन जो अफ्रीका में 20 साल रहे, ने इस जगह को जैव विविधता पार्क में बदलने का काम स्वेच्छा से स्वीकार किया है।

धन जुटाने वालों के माध्यम से स्थानीय लोगों से 15 लाख रुपये एकत्र किए,'' डार कहते हैं।

उस राशि का उपयोग सुविधाओं की मरम्मत और नवीनीकरण, चिमनी प्रणाली और एक उद्यान स्थापित करने के लिए किया गया था, लेकिन यह अभी भी काफी नहीं था। दर को संशोधित कर ₹9,000 कर दिया गया और माइक्रोलैंड से सीएसआर फंड (₹20 लाख) लिया गया।

जनरल गिरीश बताते हैं कि श्मशान घाट में आज 16 एलपीजी सिलेंडर हैं; पहले आठ सिलेंडरों का उपयोग किया जाता है, जो मशीन से जुड़े होते हैं और वे एक साथ फायर करते हैं। दाह संस्कार एक घंटे में पूरा हो जाता है और प्रत्येक शव के लिए एक सिलेंडर का उपयोग किया जाता है।

लेकिन कोर ग्रुप के पास इसे एक शांत और सुरम्य जगह में बदलने की महत्वाकांक्षी योजना इस परियोजना में शामिल है, जहां से परिवारजन अपने प्रिय को अंतिम अलविदा कह सके।

जैव विविधता पार्क

क्लब की अल्पावधि योजना के अंतर्गत रोटेरियन यहां एक प्रकार की दीर्घा का निर्माण करना चाहते हैं जहां दाह संस्कार के दौरान परिवार के सदस्य बैठ सकें या प्रार्थना सभा आदि आयोजित की जा सके, दीर्घकालिक योजना में जैव विविधता पार्क स्थापित करने के लिए भूमि के इस खूबसूरत हरे टुकड़े का उपयोग करना है ।

जनरल गिरीश ने क्लब के एक अन्य सदस्य चार्ल्स नाथन से मेरी मुलाक़ात करवाई, ''एक संपूर्ण प्रकृति के मनुष्य, जो प्रकृति, पक्षियों, मधुमक्खियों, पेड़ों, पौधों और जानवरों के बारे में अत्यंत ज्ञानवान है। उन्होंने अफ्रीका में 20 साल बिताए हैं और इस जगह को जैव विविधता पार्क में बदलने का काम स्वेच्छा से स्वीकार किया है। जब यह बन जाएगा, तो पर्यावरण के बारे में जानकारी देने के लिए हम स्कूली बच्चों को शैक्षिक भ्रमण पर लाएंगे। यह रोटरी के नवीनतम फोकस क्षेत्र - पर्यावरण संरक्षण के साथ भी बिलकुल सटीक बैठता है।''

और, वह कहते हैं, ''दाह संस्कार के लिए लकड़ी नहीं जलाना भी एक पर्यावरण परियोजना ही है क्योंकि गैस से जलाए गए इस दाह संस्कार के माध्यम से हम एक 20 साल पुराने पेड़ की रक्षा करते हैं। एक सामान्य दाह संस्कार में आधा टन लकड़ी का उपयोग होता है, इसलिए यदि हम 100 दाह संस्कार करते हैं, तो हम 50 टन लकड़ी बचाते हैं और कई पेडों की रक्षा होती है।''

वह आगे कहते हैं कि अंततः यह परियोजना एक श्मशान और जैव-विविधता पार्क का संयोजन होगी, ''ताकि शोक मनाने वालों को केवल दुःख और उदासी का अनुभव करने के बजाय प्रकृति के साथ शांति और सद्भाव का वातावरण भी मिले। हमें उम्मीद है कि हम उन्हें शांति और संतुष्टि का एहसास दिला पाएंगे कि उनके प्रियजन इस रमणीय स्थल से अपनी अंतिम यात्रा पर निकले हैं।''

2006 में भारतीय सेना से सेवानिवृत्त हुए और दो बार क्लब अध्यक्ष रह चुके जनरल गिरीश खुद को 'जीवाश्म का टुकड़ा' कहते हैं, विशिष्ट सैन्य परिहास के अंदाज़ में, कहते हैं कि ऊटाकामुंड के लोग भी इस सेवा का उपयोग करते हैं और जो फीस वहन नहीं कर सकते उनके लिए पैसे रोटेरियन जुटाते हैं। ''तो चाहे वह कुन्नूर का सबसे अमीर हो, या सड़क पर रहने वाला कोई गरीब आदमी, उन सभी को यहां एक जैसा दाह संस्कार प्राप्त होता है।'' कोविड के दौरान यहां एक दिन में कम से कम तीन दाह संस्कार होते थे।

यह अंतिम विश्राम स्थल वास्तव में मनोहर है... हरी घास और हरे भरे पत्ते, रंग-बिरंगे और सुगंधित फूल, सुंदर पहाड़ियों की सुहावनी जलवायु, और एक शांत विश्राम स्थल जहां पक्षियों की मधुर चहचहाहट स्वागत करती है। नाथन का कहना है कि यह स्थान गतिविधियों का केंद्र है, मोर के जोड़े नियमित रूप

क्लब द्वारा सरकारी लॉली अस्पताल में स्थापित डायलिसिस केंद्र।

से वहां आते हैं और घोंसला बनाने का मौसम शुरू हो गया है। पन्ना कबूतर, चित्तीदार कबूतर, विभिन्न प्रजाति के पक्षी पाए जाते हैं । यहाँ की जलधारा पक्षियों को और अनाज मोर, और जंगली मुर्गी को आकर्षित करते है।

तितलियों के लिए एक प्रवास पथ भी बनाया गया है, लेकिन अभी उनका मौसम नहीं है और कुछ पौधे जो विशेष रूप से तितलियों को आकर्षित करते हैं, मसिनागुडी में जंगल लॉज से ला कर यहां लगाए जाएंगे।

जब नाथन ये सब समझा रहे होते हैं, काली, एक कार्यकर्ता बताता है कि वह आश्चर्यचकित और मंत्रमुग्ध हो गया जब उन्होंने देखा कि ''पहली बार एक शिशु तितली अपने पंख खोलती है और उड़ जाती है!'' गिलहरियों और नेवले के अलावा साही, भौंकने वाला हिरण और भालू भी यहाँ आते हैं; नाथन कहते हैं, ''हमने भालू को नहीं देखा है, लेकिन वहां निशान स्पष्ट हैं।''

जनरल गिरीश ने क्लब की परियोजनाओं के लिए सीएसआर फंड प्राप्त करने में मदद करने के लिए विजया डार को धन्यवाद दिया।

पहियों पर आईसीयू

इस साल की शुरुआत, अगस्त में, रोटरी क्लब नीलगिरीज़ ने एक उन्नत कोटि की जीवन रक्षक सहायता एम्बुलेंस का अनावरण किया, जो वास्तव में पहियों पर चलता फिरता एक कार्डियक केयर आईसीयू है। ''हमारे पास एक ड्राइवर और एक पैरामेडिक स्टाफ है और जब भी किसी स्थानीय अस्पताल को किसी मरीज की उन्नत चिकित्सा देखभाल के लिए - मुख्य रूप से कोयंबटूर भेजना होता है, तो उसके लिए यह अच्छी तरह से सुसज्जित एम्बुलेंस उपलब्ध रहती है,'' डार बताते हैं, जिन्होंने कोटक महिंद्रा बैंक से सीएसआर फंड प्राप्त करवाने में सहायता की है, इस प्रोजेक्ट की लागत ₹25 लाख है।

इससे पहले, इन विचारशील रोटेरियनों ने लॉली सरकारी अस्पताल में ₹5 लाख की लागत वाली एक गोल्फ कार्ट दी थी, जो कि, पहाड़ियों की अधिकांश इमारतों की तरह, ढलान पर कई स्तरों पर बना हुआ है और बैटरी से चलने वाला यह वाहन मरीजों और उनके रिश्तेदारों को एक विभाग से दूसरे भाग में ले जाता है।

दो साल पहले, कुन्नूर में डायलिसिस करने की कोई सुविधा नहीं थी, और डायलिसिस की जरूरत वाले ''गरीब लोगों को बस मरने के लिए छोड़ दिया जाता था क्योंकि वे हर बार कोयंबटूर जाने का खर्च नहीं उठा सकते थे, हमने यहीं पर एक डायलिसिस इकाई स्थापित की। लंबे समय से हम इस परियोजना पर कार्य कर रहे थे लेकिन अस्पताल से अपेक्षित सहयोग नहीं मिल रहा था। हम तो केवल इसे स्थापित कर सकते हैं पर लिए आवश्यक जानकारी के अभाव में इस इकाई का संचालन नहीं कर सकते।''

क्लब ने लॉली अस्पताल में, एक डेंटल यूनिट, ओपीटी भी बनाई है, और ₹2 करोड़ की CSR लागत के साथ एक उपशामक देखभाल और वृद्धावस्था देखभाल इकाई लगाने की योजना भी बनाई है।

लेकिन एक दिन, सरकारी लॉली अस्पताल के सीएमओ के साथ बातचीत में, जब उन्होंने उन्हें एक हॉल देने का सुझाव दिया, तो माइक्रोलैंड और संचेती फेयरफैक्स के अनुदान से ₹70 लाख की लागत से छह मशीनों के साथ एक इकाई की स्थापना की गई। डार कहते हैं, ''हमने अत्याधुनिक मशीनें लगाई हैं और जो भुगतान कर सकते हैं, सरकार उन लोगों से केवल ₹500 शुल्क लेती है और जो नहीं कर सकते उन्हें निशुल्क सुविधा देती है।''

क्लब ने लॉली अस्पताल में, एक डेंटल यूनिट, ओपीटी भी बनाई है, और अब सीएसआर फंड के साथ, ₹1.6 करोड़ की CSR लागत पर एक उपशामक देखभाल और वृद्धावस्था देखभाल इकाई लगाने की योजना भी बनाई है। ''कॉर्पोरेट्स के साथ हमारे अच्छे संबंध हैं,'' मुस्कुराते हुए डार ने गंभीर टिप्पणी की : ''मूल रूप से इसमें विश्वसनीयता महत्वपूर्ण है, लोगों को यह विश्वास होना चाहिए कि आप धन का सही उपयोग कर रहे हैं और पैसा व्यर्थ नहीं जा रहा। देखा जाए तो हमारी धर्मार्थ परियोजनाओं के लिए व्यावहारिक रूप से प्रशासनिक खर्च शून्य है, क्योंकि क्लब सदस्यों के पैसे से चलता है।''

एक अन्य पूर्व अध्यक्ष और बेट्टाटी स्कूल प्रोजेक्ट की मुख्य सदस्य, दीपिका उन्नी, एक वीडियो क्लिप दिखाती हैं कि बाल दिवस पर, किस प्रकार इस पंचायत स्कूल के बच्चों ने पूर्ण अंग्रेजी में एक नाट्य प्रस्तुति दी थी, उसी दिन जिस दिन मैं यह लेख लिख रही थी। जैसा कि बेट्टाटी स्कूल के लेख में वर्णित है, सभी बच्चों और उनके माता-पिता ने अंग्रेजी सीखने की इच्छा व्यक्त की थी और रोटेरियनों ने अंग्रेजी शिक्षक के वेतन के लिए अलग से बजट प्रावधान किया था। ''इन बच्चों पर एक अंग्रेजी शिक्षक का प्रभाव सोच के तो देखिये । हम अचंभित रह गए थे,फ़क्र दीपिका टिप्पणी करती हैं।''

क्लिप देखकर लगा, वाकई प्रत्यक्ष को प्रमाण की आवश्यकता नहीं थी।■

Rotary PEOPLE OF ACTION

उदयपुर में सिनेमा ऑन व्हील्स

किरण ज़ेहरा

उदयपुर में सरकारी स्कूलों के बाहर खड़ा एक विशाल कंटेनर ट्रक जिसे सिनेमा ऑन व्हील्स कहा जाता है, चुपचाप परिवर्तन का समर्थन करते हुए विद्यार्थियों के बीच प्रगतिशील सोच को बढ़ावा दे रहा है। इस अपरंपरागत कक्षा से बाहर निकलते हुए एक 11 वर्षीय छात्र शाम कहते हैं, ''बाल विवाह खराब है और ठीक उसी तरह एक लड़की को निम्न समझकर उसके साथ दुर्व्यवहार करना भी गलत है।'' वह एक ट्रक के भीतर आरामदायक सीटों और स्वादिष्ट नाश्तों के साथ एक वातानुकूलित थिएटर में सार्थक फिल्में देखकर खुश हैं। तीसरी कक्षा में पढ़ने वाला मोहित पूरी तरह से अचंभित है ''बाहर से ट्रक, अंदर से सिनेमा हॉल! ये जादू है।'' रोटरी क्लब उदयपुर एलीट, रो ई मंडल 3056 की एक पहल *प्रोजेक्ट नवचेतना* का जादू ऐसा है, जिसका उद्देश्य बच्चों को सिनेमा के माध्यम से अपने क्षेत्र और उससे परे गहन सामाजिक मुद्दों के बारे में शिक्षित करना है।

जयपुर के दौरे के दौरान क्लब अध्यक्ष विकास शर्मा ने एक कंटेनर ट्रक देखा जिसे मिनी सिनेमा हॉल में बदल दिया गया था और वह इसका उपयोग मुख्य रूप से सरकारी स्कूलों के बच्चों को ''एक अविस्मरणीय सिनेमाई अनुभव प्रदान करने के साथ ही उन्हें बाल विवाह, सोशल मीडिया और मोबाइल फोन के उचित उपयोग, अच्छे और बुरे स्पर्श, साइबर अपराध और लिंग समानता के बारे में जागरूकता के साथ शिक्षित करने के लिए करना चाहते थे।''

बच्चे सिनेमा ऑफ व्हील्स के अंदर स्नैक्स का आनंद लेते हुए फिल्म देख रहे हैं।

उन्होंने क्लब के बोर्ड के समक्ष अपना विचार प्रस्तुत किया जिन्हें यह बहुत पसंद आया और इसे तुरंत मंजूरी दे दी गई। त्वरित रूप से परियोजना समन्वयकों को नियुक्त किया गया और 60 फुट लंबे एक कंटेनर ट्रक के समक्ष आने वाली लॉजिस्टिक चुनौतियों का समाधान करने हेतु एक मार्ग मानचित्र तैयार किया गया। परियोजना टीम ने राज्य राजमार्गों के पास स्थित स्कूलों की पहचान की और स्कूल के प्रधानाध्यापकों से अनुमति प्राप्त की जिन्होंने अपने विद्यार्थियों के लिए इस अनूठे अनुभव का स्वागत किया। ''बच्चों ने इन शो को बड़े ही उत्साह से देखा और इंटरवल के दौरान नाश्ते और जूस का भी आनंद लिया। इनमें से अधिकांश बच्चों ने पहले कभी ऐसा अनुभव नहीं किया था जिससे यह पहल और अधिक प्रभावशाली बन गई,'' शर्मा कहते हैं।

परियोजना अवधि के दौरान शो के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए प्रतिदिन 3-4 सदस्यों ने भाग लिया। स्थानीय कारखाने के मालिकों, क्लब के सदस्यों और अन्य दानकर्ताओं के प्रायोजन की मदद से ₹2 लाख की परियोजना लागत को कवर किया गया। शर्मा इस बात से खुश हैं कि ''सिनेमा ऑन व्हील्स ने न केवल फिल्मों के लिए प्यार जगाया बल्कि बदलाव की एक चिंगारी भी उत्पन्न की है।'' ■

टीम इंडिया हम सब को क्या सिखा सकती हैं

मुदार पथरेया

विश्व के दक्षिणपंथियों को भारतीय क्रिकेट टीम में एक अप्रत्याशित टकराव का सामना करना पड़ा है। विभिन्न कारणों से।

एक तो, भारतीय टीम विभिन्न वर्गों, जातियों, संस्कृतियों और समुदायों प्रतिनिधित्व करती है। यह जातीय समानता के मूल दक्षिणपंथी निम्नतम सामान्य विभाजक के विपरीत है। रोहित शर्मा उत्तर भारतीय लगते हैं लेकिन मुंबई के हैं। श्रेयस अय्यर के पूर्वज केरल से हैं, लेकिन वह महाराष्ट्र से खेलते हैं।

केएल राहुल मंगलोरियन हैं। हार्दिक पंड्या गुजरात से खेलते हैं, गुजराती ही हैं। सूर्य कुमार और कुलदीप उत्तर प्रदेश के यादव हैं। आर अश्विन एक तमिल ब्राह्मण हैं। रवींद्र जड़ेजा और शार्दुल ठाकुर राजपूत हैं (लेकिन अलग-अलग राज्यों के लिए खेलते हैं)। मोहम्मद सिराज तेलंगाना से हैं। प्रसिद्ध कृष्णा कर्नाटक से हैं। मोहम्मद शमी उत्तर प्रदेश से आते हैं (लेकिन खेलते बंगाल के लिए हैं)। शुभमन गिल और विराट कोहली पंजाबी हैं (एक पंजाब के लिए खेलता है, दूसरा दिल्ली के लिए)। जब कोई टीम इतनी जातीय आधार पर इतनी विस्तृत रूप से फैली होती है तो उसे लेबल नहीं किया जा सकता है, वह किसी व्यक्ति विशेष के लिए खड़ी नहीं होती है, फिर भी हर चीज के लिए खड़ी होती है। एक शायर ने लिखा है : *चमन में इख़्तिलात-ए-रंग-ओ-बू से बात बनती है ; हम ही हम हैं तो क्या हम हैं; तुम ही तुम हो तो क्या तुम हो।* यह भारतीय टीम इसी भावना को आत्मसात कर जीती है। गर्व के साथ।

दूसरे, भारतीय क्रिकेट टीम दुनिया के सबसे बड़े जनसंख्या समूह (मानवता का छठा भाग) की निर्विवाद राजदूत है। ब्राजील में फुटबॉल धर्म हो सकता है लेकिन उस दक्षिण अमेरिकी देश की तुलना में उत्तर प्रदेश में क्रिकेट प्रेमियों की संख्या अधिक हैं। अमेरिकी फुटबॉल भले ही अमेरिका का नंबर एक खेल हो, लेकिन उस देश को भारतीय क्रिकेट प्रेमियों की संख्या के बराबर आने के लिए अपनी जनसंख्या को चार गुना से भी अधिक करने की आवश्यकता होगी। बास्केटबॉल संभवतः चीन में सबसे लोकप्रिय खेल है, लेकिन उस खेल के अनुयायी भारत के क्रिकेट आधार के आधे से भी कम होने का अनुमान लगाया गया है। भारत का पैमाना-कहीं भी राष्ट्र-केंद्रित सबसे बड़ी खेल फ्रेंचाइजी - इसे एक बड़ी ज़िम्मेदारी प्रदान करती है: अच्छा बनने, भलाई करने और दुनिया के सबसे बड़े और सबसे अधिक मांग करने वाले वास्तविक-समय के दर्शकों के लिए अच्छा दिखने की क्षमता। भारतीय टीम ने पिछले 20 वर्षों में इस नैतिकता को स्पष्ट रूप से जिया है और लगातार निभाया है; यह शायद इसकी सबसे बड़ी - और सबसे कम-प्रशंसित - उपलब्धि है।

और तीसरा, भारतीय क्रिकेट टीम मसरकारफ के सबसे स्वच्छ स्वरुप का प्रतिनिधित्व करती है। भारत में सार्वजनिक जीवन का कोई भी पहलू - यहाँ तक कि न्यायपालिका भी नहीं - संभवतः इस उच्च नैतिक जीवन जीने में उतना ही सुसंगत रहा है। मैंने आधुनिक भारतीय क्रिकेट में किसी चयनकर्ता के मप्रभावितफ होने के बारे में नहीं सुना है। इस बात की सुगबुगाहट तक नहीं है कि धोनी (या कोहली या तेंदुलकर या गांगुली या सहवाग या द्रविड़ या लक्ष्मण या कुंबले) ने जानबूझकर जरा भी खराब प्रदर्शन किया होगा। ऐसे देश में, जहां कई राजनेता, टीवी एंकर, अभिनेता और व्यवसायी नैतिक रूप से संदिग्ध हो सकते हैं - और हैं । भारतीय क्रिकेट टीम में होना नैतिक आईएसओ प्रमाणीकरण के समकक्ष है। विश्व भ्रष्टाचार सूचकांक में 85वें स्थान पर रहे देश के लिए ये एक महत्वपूर्ण और बड़ी उपलब्धि है।

जब कोई टीम इतनी जातीय आधार पर इतनी विस्तृत रूप से फैली होती है तो उसे लेबल नहीं किया जा सकता है, वह किसी व्यक्ति विशेष के लिए खड़ी नहीं होती है, फिर भी हर चीज के लिए खड़ी होती है।

चौथा, भले ही यह चिंता बढ़ रही है कि पिछली सहस्राब्दी की शुरुआत से भारत अल्पसंख्यकों को हर चीज के लिए अपनी सुविधानुसार कोड़े फटकारता रहा है, लेकिन भारतीय क्रिकेट टीम का सच इसके विपरीत है। भारतीय टीम अपने अल्पसंख्यकों के साथ सम्मानपूर्वक और योग्यता के आधार पर व्यवहार करती है। अल्पसंख्यक समुदाय के दो तेज गेंदबाजों को उनके विश्व कप 2023 के प्रदर्शन के लिए भरपूर सराहा गया है, जो इस सिद्धांत को प्रतिपादित करता है: क्रिकेट पवित्र है, भले और कुछ हो न हो। (आप भगवान के खिलाफ कुछ भी कह सकते हैं, लेकिन शमी और सिराज के खिलाफ कुछ भी कहने की हिम्मत है आपमें)।

भारतीय टीम इस कसौटी पर कई बार परखी जा चुकी है। दो साल पहले, भारतीयों के एक वर्ग विशेष ने शमी पर पारम्परिक प्रतिद्वंदी पाकिस्तान के खिलाफ टी20 मैच के दौरान इसे 'उनकी झोली में डाल देने' का आरोप लगाया था (भारत हार गया था)। अधिकांश ने आलोचना को नजरअंदाज कर दिया होगा ('हम इस तरह की बातों पर प्रतिक्रिया नहीं देते')। कोहली इसके पक्ष में आये। उनके शब्द: मटीम के भीतर हमारा भाईचारा और दोस्ती, इसे कोई भी हिला नहीं सकता।फ वह शब्द 'भाईचारा'। कोहली ने भावुक भारतीयों की भावनाओं को छुआ था। उन्होंने एकता और एकत्व की बात की। उच्च सिद्धांत, यहाँ तक कि सूफ़ी भी। किसी ने उस सार्वजनिक बयान की तुलना 'कोहली के सबसे महान शतक' से की थी।

हिसाब किताब रखने वाले इस भारतीय टीम को 200 रन से अधिक की जीत की संख्या से मापेगा। समझदार लोग अलग तरह से देखेंगे: जब टीम इकट्ठी होती है तो सिराज के सिर पर विराट कैसे हाथ रखते हैं, कैसे शमी की आउटस्विंगर के बाद चिल्ला कर राहुल प्रोत्साहन के दो शब्द बोलते हैं, कैसे विकेट लेने के बाद खुशी में सब के सब उस किसी एक पर चढ़ जाते हैं और प्रेस कॉन्फ्रेंस में शमी-सिराज की प्रशंसा कैसे दिल खोल कर की जाती है. अल्पसंख्यक इसे अच्छी तरह ध्यान से देखते रहे हैं; अन्य लोग संभवतः सहजता से। लेकिन हर व्यक्ति ये जरूर देख रहा है कि ये दो व्यक्ति इसे महमारे लिए, भारत के लिएफ जीत रहे हैं। अचानक, मवेफ को महमम से बदल जाता है। क्रिकेट देश का इलाज कर इसे स्वस्थ कर रहा है।

एक दिन मैंने सोशल मीडिया पर सिराज के हैदराबाद वाले साधारण से घर में कोहली की एक तस्वीर देखी, जिसने मुझे एक कहानी (आधी कल्पना) बताई। उसने कैसे कहा होगा सिराज से, 'एक दिन मैं तुम्हारे माता-पिता से मिलना चाहता हूं।' उसने कैसे कहा होगा, 'क्या तुम मेरे आने पर अपनी मां से मेरे लिए कम चीनी वाली खीर बनाने के लिए कह सकते हो?' कैसे वह अचानक बिना बताए आ गया होगा। उसने सिराज के पड़ोस को कैसे आश्चर्यचकित कर दिया होगा। वह ज़मीन पर कैसे बैठा होगा, जब सिराज परिवार कुर्सियों के लिए इधर-उधर भटक रहा था, और उसने बस इतना ही कहा, 'मैं यहां एकदम ठीक हूँ।'

यह तस्वीर एक महत्वाकांक्षी भारत के आदर्श का प्रतिनिधित्व करती है - एक टीम की मान्यताओं के जरिये अलग-अलग सामाजिक धारणाओं, कक्षाओं को एक जगह एक साथ लाया गया है जो यह मानती है कि हर खिलाड़ी एक है - और समान है ।

जब यह विश्व कप समाप्त हो जाएगा, तो भारत को यह डीएनए 1.41 अरब लोगों के बीच दोहराने की आवश्यकता होगी, यदि इसे पहले की तरह उभरना है: राष्ट्रों के बीच सर्वश्रेष्ठ में से एक, लेकिन एक अलग खेल में। मानवता के।

मोहम्मद सिराज के साथ जश्न मनाते विराट कोहली।

(पहली बार इकोनॉमिक टाइम्स में प्रकाशित। लेखक की अनुमति से पुनः प्रकाशित।)

महिलाओं में एनीमिया का उपचार

जयश्री

बड़ी विडंबना है कि कई ग्रामीण अंचलों में महिलाएं सामान्य मासिक धर्म या पीरियड्स और असामान्य मासिक धर्म में फर्क नहीं समझती हैं। उन्हें इस बात का भी कुछ पता नहीं होता कि पीरियड कितने दिन तक चलते हैं। उनमें से ऐसी कई महिलाऐं हैं जिन को महीनों तक रक्तस्राव होता रहता है, वो नहीं समझ पाती कि यह उनके गर्भाशय की तकलीफ से सम्बंधित समस्या है। स्त्री रोग विशेषज्ञ और रोटरी क्लब साल्ट लेक मेट्रोपॉलिटन, रो ई मंडल 3291 की सदस्य डॉ अरुणा टांटिया ने बताया, इतना अधिक खून बह जाने के कारण खून की कमी हो जाती है और उन्हें एनीमिया हो जाता है जिससे अन्य स्वास्थ्य सम्बन्धी कई समस्याएं पैदा हो जाती हैं।

इस क्लब ने अपने प्रोजेक्ट मातृ रक्षा (महिलाओं की रक्षा) के जरिये स्विट्जरलैंड के टीआरएफ और रोटरी क्लबों से 140,000 डॉलर के वैश्विक अनुदान सहयोग के साथ मंडल की 20,000 महिलाओं के लिए जागरूकता और उपचार अभियान शुरू किया है। यह परियोजना तीन साल पहले शुरू हो गई थी, परन्तु कोविड महामारी के दौरान इसे बीच में ही रोकना पड़ा था।

क्लब ने, इस अगस्त तक,अपने आरसीसी और अन्य गैर सरकारी संगठनों के साथ, बंगाल के विभिन्न क्षेत्रों में, सुंदरबन से नादिया और बांकुरा तक 26 विशेष शिविर आयोजित किए हैं। अरुणा कहती हैं, ''हमने अब तक इन शिविरों में 2,600 महिलाओं की जांच की है।'' स्विस क्लबों से आये बारह रोटेरियन-डॉक्टरों और टीआरएफ के तकनीकी कैडर के सदस्यों ने भी कुछ शिविरों में भाग लिया था।

''करीब 80 प्रतिशत महिलाऐं गंभीर एनीमिया से पीड़ित थीं, उनमें रक्त की अपेक्षित मात्रा 4-5 यूनिट कम थी (सामान्य सूचकांक 12 होता है) जो चिंता का विषय था। लगभग 250 महिलाओं को गर्भाशय की बीमारी थी, जिसकी वजह से खून का स्राव हो रहा था,'' उन्होंने बताया। क्लब ट्यूमर से पीड़ित लोगों की सर्जिकल देखभाल उपलब्ध करवा रहा है। इन शिविरों में कृमिनाशक गोलियां और विटामिन की गोलियां बांटी गईं और महिलाओं को पौष्टिक आहार का महत्व बताया गया।

आयरन से भरपूर *कुलेखरा* (एक प्रकार की दलदली घास) पौधे जैसे स्थानीय संसाधनों का प्रयोग एनीमिया से निपटने में कारगर रहा है। ''मैं अपने सभी रोगियों को यह नुस्खा बताती हूं। इसके पत्तों को उबालकर उसका सूप बनाया जाता है। रोज 15 दिन तक इसका सेवन करने से हीमोग्लोबिन का स्तर अप्रत्याशित रूप से बढ़ जाता है,'' स्त्री रोग विशेषज्ञ कहती हैं। वह बताती हैं कि आदिवासियों का स्वास्थ्य बेहतर हो गया ''क्योंकि वे अपने घर के पिछवाड़े में मौजूद जड़ी-बूटियों की कीमत जानते थे।''

शिविर में समग्र स्वास्थ्य की जांच की गई, एनीमिया से लेकर आंखों, हड्डियों और दंत स्वास्थ्य आदि से संबंधित, इसके लिए क्लब के सात डॉक्टरों को धन्यवाद है। क्लब ने गाँवों में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को बेहतर स्क्रीनिंग सुविधाओं को प्रोन्नत करने के साथ-साथ स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित किया है। ''सुंदरबन में हमने पांच गांवों के एक समूह के लिए एक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की स्थापना भी की है जहां पहले कोई चिकित्सा सुविधा नहीं थी। सबसे नज़दीकी क्लिनिक 30 किमी दूर है,'' वह कहती हैं।

शुरूआती शिविर लगने के छह महीने बाद, जब महिलाओं की फिर से जांच की गई, और ''हमारे लिए सबसे खुशी की बात ये हुई कि उनमें से अधिकांश की बीमारियां ठीक हो गई थीं। अब ये महिलाएं न केवल स्वस्थ भोजन के प्रति सजग हैं, बल्कि वे अपने आस पड़ोस में भी इसके बारे में लोगों को जागरूक कर रही हैं।'' शिविरों में ग्रामीणों को हाथ धोने, स्वच्छ सुरक्षित पेयजल और मासिक धर्म स्वच्छता के बारे में भी शिक्षित किया गया।

डीजी हीरा लाल यादव ने *मातृ रक्षा* परियोजना को एक मंडल की परियोजना बना दिया है और अरुणा को अगले 3-5 वर्षों में मंडल में आशातीत सफलता मिलने का विश्वास है। वो मुस्कुराते हुए कहती हैं, ''मुझे खुशी तो तब होगी जब महिलाएं सामान्य मासिक धर्म को समझ जाएँगी और अपनी रसोई में भोजन के साथ स्वस्थ आहार बनाना शुरू कर देंगी।''■

एक गांव में एनीमिया जांच शिविर।

एक संदेश के साथ स्कूबा डाइविंग

टीम रोटरी न्यूज़

रोटरी क्लब कलकत्ता साउथ सर्कल, रो ई मंडल 3291 की सदस्य साम्या सेनगुप्ता ने समुद्र संरक्षण पर जागरूकता पैदा करने के लिए क्लब द्वारा आयोजित 'नो ब्लू, नो ग्रीन' संदेश के साथ समुद्र में गोता लगाया। सेनगुप्ता एक पेशेवर स्कूबा गोताखोर और एक अंडरवाटर फोटोग्राफर हैं। उनके साथ कोलकाता से कौस्तुभ मुखर्जी और इंडोनेशिया से डेलन सुजया भी थे।

स्कूबा डाइव इंडोनेशिया के पूर्वी बाली के तट पर विश्व के प्रसिद्ध कोरल ट्राइएंगल में आयोजित की गई थी, जहां हिंद महासागर प्रशांत महासागर से मिलता है। क्लब के अध्यक्ष प्रोसेनजीत गुप्ता ने कहा, यह क्षेत्र अपनी अविश्वसनीय समुद्री जैव विविधता के लिए जाना जाता है।■

रो ई दक्षिण एशिया कार्यालय से

चैरिटी नेविगेटर से उच्चतम रेटिंग

लगातार 15वें वर्ष, टीआरएफ को चैरिटी नेविगेटर, अमेरिका स्थित धर्मार्थ संगठनों के एक स्वतंत्र मूल्यांकनकर्ता, से उच्चतम रेटिंग - चार स्टार - प्राप्त हुई है। संस्थान ने क्षेत्र की सर्वोत्तम प्रथाओं का पालन करने एवं वित्तीय रूप से कुशल तरीके से अपने मिशन को निष्पादित करने के लिए यह मान्यता अर्जित की, जो मजबूत वित्तीय स्वास्थ्य और जवाबदेही एवं पारदर्शिता के प्रति प्रतिबद्धता दोनों को प्रदर्शित करता है।

Read more details at *https://www.rotary.org/en/rotary-foundation-receives-highest-rating-charity-navigator-15th-consecutive-year*

क्लब या क्लब के सदस्यों की ओर से ऑनलाइन दान करें

अध्यक्ष, संस्थान प्रमुख, सदस्यता अध्यक्ष, कार्यकारी सचिव/निदेशक, सचिव और कोषाध्यक्ष सहित क्लब के अधिकारी क्रेडिट/डेबिट कार्ड या नेट बैंकिंग का उपयोग करके अपने माई रोटरी खाते के माध्यम से क्लब के सदस्यों की ओर से ऑनलाइन योगदान कर सकते हैं। योगदान का श्रेय व्यक्तिगत सदस्यों को दिया जाता है, जबकि 80जी रसीद प्रेषक के रूप में क्लब नेतृत्वकर्ता के नाम पर जारी की जाती है।

अधिक जानकारी के लिए देखें : *http://www.highroadsolution.com/file_uploader2/files/give_online_on_behalf_of_club_or_club_members_sao.pdf*

सी एस आर भारत अनुदान रिपोर्टिंग

सी एस आर अनुदान रिपोर्टिंग पारदर्शिता, जवाबदेही और सी एस आर पहलों की समग्र प्रभावशीलता के लिए महत्वपूर्ण है। कार्यान्वयन करने वाले क्लबों को परियोजना की स्थिति के आधार पर प्रगति या अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत करनी चाहिए। निम्नलिखित लिंकों के माध्यम से सी एस आर इंडिया अनुदान रिपोर्टिंग आवश्यकताओं को देखे:

सी एस आर वैश्विक अनुदान और सी एस आर भारत अनुदान रिपोर्टिंग आवश्यकताएं

http://www.highroadsolution.com/file_uploader2/files/csr_gg_and_csr_india_grants_reporting_requirements.pdf

रिपोर्टिंग प्रारूप

http://www.highroadsolution.com/file_uploader2/files/csr_india_grant_reporting_template.pdf

सी एस आर भारत अनुदानों के प्रति रोटेरियनों के योगदान हेतु उपयोगिता प्रमाण पत्र प्रारूप

http://www.highroadsolution.com/file_uploader2/files/csr_grant_rotarians_contributions_uc.pdf

सी एस आर भारत अनुदानों के प्रति सी एस आर योगदान हेतु उपयोगिता प्रमाण पत्र प्रारूप

http://www.highroadsolution.com/file_uploader2/files/csrgrant_csr_contributions_uc.pdf

Rotary PEOPLE OF ACTION

रोटरी क्लब चंडीगढ़ की उत्कृष्ट सेवा

वी मुत्तुकुमारण

केंद्र शासित प्रदेश और पंजाब तथा हरियाणा दोनों की राजधानी चंडीगढ़ और 65 साल पुराने रोटरी क्लब चंडीगढ़, रो ई मंडल 3080, जो मई 1958 में इस क्षेत्र में स्थापित होने वाला पहला क्लब था, के विकास में एक आश्चर्यजनक समानता है। यह वह समय था जब फ्रांसीसी वास्तुकार ली कार्बूजिए द्वारा शहर का निर्माण एक शहरी डिजाइन के साथ किया जा रहा था, जिसमें अद्वितीय इमारतें, सेक्टरों में विभाजित सड़कें और एक पनपते पारिस्थितिकी तंत्र के लिए एक विशाल स्थान था, ताकि कुल भूमि क्षेत्र (114 वर्ग किमी) के 65 प्रतिशत हिस्से में हरित आवरण रह सके।

रोटरी परियोजनाओं ने इस शहर के वंचित परिवारों की रहने की स्थिति को बदल दिया है। मार्च 2017 में रोटरी क्लब चंडीगढ़, एक एनजीओ सेवा, और भवन विद्यालय के बीच हस्ताक्षरित एक एम ओ यू के माध्यम से *परियोजना राहत* द्वारा पंचकूला के सकेतड़ी गांव की एक झुग्गी बस्ती में 650 लोगों का संपूर्ण विकास किया गया है। पीआरआईपी राजेंद्र साबू और उनकी पत्नी उषा जब 2016 की सर्दियों में वंचित परिवारों में कंबल वितरित करने के लिए यहां आए थे, तब उन परिवारों की ऐसी दुर्दशा देखकर द्रवित हो गए थे। *परियोजना राहत* की अध्यक्ष नीनू विज ने कहा, साबू दम्पति ने झुग्गी बस्ती को गोद लिया और इसकी स्थिति बेहतर करने के लिए इस पर कठिन परिश्रम किया; सेवा कार्यकर्ताओं ने जमीनी स्तर पर कार्य किया और "हमने 13 स्थानीय लोगों को घर-घर सर्वेक्षण करने, शिक्षा, सफाई एवं स्वच्छता पर जागरूकता फैलाने के लिए प्रशिक्षित किया। क्लब द्वारा नियुक्त किये गए शिक्षकों के वेतन का भुगतान भवन विद्यालय द्वारा किया गया था।"

जल्द ही अध्ययन से कुछ चौकाने वाले निष्कर्ष सामने आए: लगभग 100 बच्चे स्कूल नहीं जा रहे थे; गर्भवती महिलाएं अस्पतालों से परहेज कर रही थी; पतियों का काम पर नहीं जाना, जुआ खेलना, नशे में होकर अक्सर पत्नियों को पीटने के साथ यह सब आम था; और स्वच्छता की स्थिति दयनीय थी। क्लब द्वारा लगातार 5 साल काम करने और कई चिकित्सा शिविरों के आयोजन के बाद, सभी मापदंडों में सुधार हुआ है।

परियोजना राहत महिलाओं और बच्चों को उत्पादक गतिविधियों, जैसे सिलाई, ब्यूटीशियन,

रशीदा भगत

कंप्यूटर और वयस्क साक्षरता पाठ्यक्रमों में व्यस्त करके मजबूत होता जा रहा है और आगामी प्रशिक्षण की योजना भी बनाई गई है। एक आत्मविश्वास से भरी मुस्कान के साथ, गीता (23), जो की क्लब एक वेतनभोगी कार्यकर्ता थी, ने कहा, अब मैं अपनी दैनिक जरूरतों के लिए दूसरों पर निर्भर नहीं रहती क्योंकि मेरी नियमित आय है।

पांच वर्षीय एम ओ यू अवधि के दौरान, ₹14-15 लाख का वार्षिक खर्च पीआरआईपी साबू, रोटरियन जागेश खेतान और क्लब द्वारा साझा किया गया था। अब सालाना खर्च घटकर ₹5 लाख रह गया है, क्लब अध्यक्ष अनिल चड्ढा ने कहा। ज्यादातर महिलाएं आर्थिक रूप से स्वतंत्र हो गई हैं।

क्लब के सचिव कर्नल (सेवानिवृत्त) आलोक बत्रा कहते हैं कि महिला घरेलू सहायकों, निर्माण श्रमिकों आदि के 50 बच्चों की देखभाल एक शिशु गृह में की जाती है ₹500 प्रति माह की मामूली शुल्क पर।

(बाएं से) सकेतरी गांव में कौशल विकास केंद्र में प्रोजेक्ट चेयरपर्सन नीनू विज, समन्वयक डॉ सीमा गुप्ता और क्लब अध्यक्ष अनिल चड्ढा। तस्वीर में ट्रेनर सोनिया यादव भी नजर आ रही है।

स्कूलों में WASH

एक सफाई एवं स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम 2016-17 से एक वैश्विक अनुदान परियोजना (82,000 डॉलर) के माध्यम से रोटरी क्लब सियोल नामसन, रो ई मंडल 3650, के साथ गठजोड़ में 20 सरकारी स्कूलों में छात्रों को लाभान्वित कर रहा है। अब तक, तीन स्कूलों को या तो नए शौचालय खंड मिले हैं या मौजूदा शौचालयों की मरम्मत की गई है; और इसके साथ ही क्लब 50,000 सैनिटरी पैड वितरित करने की योजना बना रहा है। इन 5 सालों में क्लब 1 लाख से ज्यादा सैनिटरी पैड वितरित कर चुका हैं।

खुड्डा लाहौरा के सरकारी सीनियर सेकेंडरी स्कूल में लगभग 950 छात्र WinS कार्यक्रमों में व्यस्त हैं। WinS समन्वयक कंवलजीत कौर का कहना है कि नियमित रूप से हाथ धोने के डेमो आयोजित किए जाते हैं और पिछले दो वर्षों में, इस स्कूल में WinS कार्यक्रम 2,000 छात्रों तक पहुंचा हैं।

बाएं से: पीआरआईपी राजेंद्र साबू, बेरी रसिन, उषा और एस्तर के साथ; पीडीजी प्रवीण गोयल (उनकी दाहिनी ओर पत्नी बसु), मधुकर मल्होत्रा; रोटरी क्लब चंडीगढ़ के पूर्व अध्यक्ष विजय वधावन और मनमोहन सिंह कोहली सुखना झील के तट पर रोटरी शांति स्मारक में।

मानव दुग्ध बैंक

रुचिरा पेपर्स, हरियाणा, से प्राप्त ₹31 लाख के सी एस आर अनुदान की वजह से, मोहाली में कम वजन वाले नवजात शिशुओं के इलाज के लिए हाल ही में एक रोटरी मानव दुग्ध बैंक का उद्घाटन किया गया। पंजाब सरकार ने ₹1 करोड़ की मशीनरी प्रायोजित की है और शेष राशि क्लब के सदस्यों ने पूरी की। सरकारी अस्पताल और कॉलेज के निदेशक-प्राचार्य डॉ भवनीत भारती ने कहा, 500 मिलीलीटर मां के दूध को संगृहीत करने की क्षमता वाला मानव दुग्ध बैंक ट्राइसिटी क्षेत्र और उससे भी आगे के क्षेत्र में कम वजन वाले नवजात शिशुओं को प्रभावी देखभाल प्रदान करने वाली पहली ऐसी सुविधा है।

आशियाना परियोजना

समाज कल्याण विभाग द्वारा परित्यक्त नवजात शिशुओं के लिए चलाए जा रहे घर, आशियाना, को ₹1.5 लाख की लागत से चारपाई, वाल पेंटिंग, पर्दे, रंगीन पर्दे, खिलौने और पीवीसी पाइपलाइन के साथ नया रूप दिया गया है। चौदह बच्चे (तीन साल तक के) तीन दाइयों की देखभाल में हैं। अवांछित शिशुओं के लिए यहां एक पालना उपलब्ध है। स्नेहालय, निराश्रित लड़कियों का घर जिसके अंदर आशियाना स्थित है, की अधीक्षका स्नेहा टिक्कू ने इस बदलाव के लिए अनिल चड्ढा को धन्यवाद दिया।

2003 में, रो ई के तत्कालीन अध्यक्ष जोनाथन माजियाग्पे ने सुखना झील में एक रोटरी शांति स्मारक का अनावरण किया, जिसमें एसबीआई ने क्लब की स्वर्ण जयंती को चिह्नित करने के लिए ₹6 लाख की लागत से बने स्मारक

द गॉडफादर

पीआरआईपी साबू और उषा रवांडा के उन बच्चों के साथ जिनका 2015 में फोर्टिस अस्पताल, मोहाली में क्लब द्वारा हृदय संबंधी विकारों का इलाज किया गया था।

पुरानी यादों को ताज़ा करते हुए, रोटरी क्लब चंडीगढ़ के पूर्व अध्यक्ष और यंग जनरेशन के रो ई मंडल 3080 के अध्यक्ष चरणजीत सिंह ने कहा, मैं पीआरआईपी राजेंद्र साबू को सबके दिलों का राजा कहता हूं क्योंकि वह भावनात्मक बंधन के साथ लोगों से जुड़ते हैं। वैश्विक मानवता के साथ उनका संबंध अभूतपूर्व है।

जब वह रो ई निदेशक (1981-83) थे, "तब हमारा रो ई मंडल 308 इतना विशाल था कि यह दिल्ली से उत्तर प्रदेश तक पंजाब, राजस्थान और हिमाचल प्रदेश को समाहित करते हुए फैला था। साबू ने अभिनव, कार्रवाई-उन्मुख कार्यक्रमों और परियोजनाओं के माध्यम से कई लोगों के जीवन को प्रभावित किया।" सिंह ने कहा कि उनकी कई विशेषताओं में से एक विशेषता रोटेरियनों को दिए गए उनके विशिष्ट निर्देश हैं कि विशिष्ट परियोजनाओं को कैसे निष्पादित किया जाए। 1976-77 में डीजी रहने के बाद, साबू 1962-63 में रोटरी जगत का नेतृत्व करने वाले नीतीश लाहरी के बाद (1991-92) दूसरे भारतीय बने।

रोटरी पीजीआई-सराय मरीजों और उनके परिचारकों के लिए रोटरी क्लब चंडीगढ़ द्वारा PGIMER अस्पताल में 1986-87 में निर्मित पहला हॉस्टल है। उन्होंने कहा, करीब 40 रोटेरियनों ने दुकान-दुकान और घर-घर जाकर धन जुटाने का काम किया। हमने रोटरी पीजीआई-सराय के निर्माण के लिए सार्वजनिक धन और सदस्य दान के माध्यम से ₹20 लाख जुटाए। साबू परियोजना टीम को प्रेरित करते हुए ठीक हमारे पीछे थे। रोटरी पीजीआई-सराय अब मरीजों के लिए तीन मंजिला, 50 बिस्तरों वाला आवास है।

साबू को 1998 में रोटरी चिकित्सा अभियान के आयोजन में उनके अग्रणी काम के लिए रोटरी जगत में हमेशा याद किया जाएगा, जो बाद में आरवीटीटीएम - रोटरी व्यावसायिक तकनीकी प्रशिक्षण मिशन - के नाम से लोकप्रिय हुआ। उन्होंने अफ्रीका, कंबोडिया और मंगोलिया में डॉक्टरों, स्वयंसेवकों और रोटेरियनों के साथ कई ऐसे अभियानों का नेतृत्व किया। सिंह ने कहा, हमने अब तक 48 आरवीटीटीएम किए हैं; और 2007 के बाद से भारत के भीतर 17 चिकित्सा मिशन। इसका प्राथमिक उद्देश्य दुनिया के पिछड़े, दूरदराज के हिस्सों, ज्यादातर अफ्रीका और भारत के कुछ हिस्सों में चिकित्सा देखभाल पहुंचाना है।

को प्रायोजित किया था। परियोजना हार्टलाइन ने वैश्विक अनुदानों की एक श्रृंखला के माध्यम से 1996 से लेकर अब तक बच्चों के लिए 771 हृदय सर्जरियाँ प्रायोजित की हैं। चड्ढा ने कहा, हम इस साल 98,000 डॉलर के नवीनतम वैश्विक अनुदान के साथ कम से कम 20 बच्चों की हृदय सर्जरी करने की योजना बना रहे हैं, जिनमें से चार पहले ही की जा चुकी हैं। हमारा वैश्विक साझेदार रोटरी क्लब हॉल काउंटी, रो ई मंडल 6910, जॉर्जिया, अमेरिका है।

रोटरी का ब्लड बैंक

ब्लड बैंक सोसाइटी (बीबीएस) के साथ साझेदारी में, एक आधुनिक रक्त संसाधन बैंक - रोटरी एंड ब्लड बैंक सोसाइटी रिसोर्स सेंटर - नवंबर 2004

अग्रिम पंक्ति (बाएं से): क्लब अध्यक्ष चड्ढा, अरुण अग्रवाल और सामुदायिक सेवा निदेशक टीना विर्क।
पिछली पंक्ति (बाएं से): क्लब सचिव कर्नल (सेवानिवृत्त) आलोक बत्रा, व्यावसायिक केंद्र निदेशक सरताज लांबा और कोषाध्यक्ष पवन पाहवा।

में स्थापित किया गया था। जबकि दो मंजिला इमारत का निर्माण बीबीएस द्वारा किया गया था, क्लब ने मशीनों के पहले सेट को ₹1.75 करोड़ के 3-एच अनुदान के माध्यम से प्रायोजित किया, पीडीजी मधुकर मल्होत्रा ने कहा।

कोविड के समय को याद करते हुए, मल्होत्रा ने कहा कि क्लब ने सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में कोविड रोगियों के लिए फ़ौरन 18-बेड की सूक्ष्म देखभाल इकाई (वैश्विक अनुदान: 60,000 डॉलर) स्थापित की। उन्होंने कहा कि स्थापना के बाद से लेकर अब तक, क्लब ने 6 मिलियन डॉलर की 45 वैश्विक और मिलान अनुदान परियोजनाएं की हैं।

सामुदायिक पहल

सामुदायिक सेवा निदेशक टीना विर्क ने कहा कि श्मशान घाट में दो शौचालय खंडों (₹45 लाख) के नवीनीकरण के बाद, हमने शौचालय खंडों के रखरखाव के लिए नगर निगम के साथ एक एम ओ यू पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसमें प्रति माह ₹30,000 खर्च किए जायेंगे। रोटेरियन दंपति पी जे सिंह और डॉ राजिंदर कौर ने रोटरी एंड ब्लड बैंक सोसाइटी को रक्त घटकों को अलग करने के लिए 200 एफेरेसिस किट (₹16 लाख) दान की हैं।

(दाएं से) सकेतरी में प्रोजेक्ट राहत के कौशल केंद्र में आयोजित होने वाली स्कूल के बाद की कक्षाओं में प्रोजेक्ट चेयरपर्सन नीनू विज, अरुण अग्रवाल, समन्वयक डॉ सीमा गुप्ता और क्लब अध्यक्ष चड्ढा।

जुलाई से वरिष्ठ नागरिक गृह में हर महीने आयोजित होने वाले मनोरंजन कार्यक्रम का 37 निवासियों को बहुत इंतजार रहता है क्योंकि इसके तहत उन्हें फल, खाद्य सामग्री और किराने का सामान दिया जाता हैं। झुग्गी बस्ती मौलीजागरां में जुलाई महीने से नियमित रूप से आयोजित होने वाले स्वास्थ्य मेलों से लगभग 5,000 रोगियों, जिनमे ज्यादातर महिलाएं है, को लाभ हुआ है। लड़कियों में गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर की जांच और उनका टीकाकरण किया जा रहा है। स्तनपान कराने वाली, गर्भवती महिलाओं और कमजोर किशोरों को प्रोटीन पाउडर दिया जाता है; मौखिक स्वच्छता किटें, एंटीबायोटिक्स और दर्द निवारक गोलियों के साथ टीबी रोगियों को पोषण आहार बैग वितरित किए गए और उन्हें परामर्श दिया गया।

पिछले सात वर्षों से, दिवाली से पहले चीन-भारत सीमा पर लद्दाख और सियाचिन उपक्षेत्रों में सैनिकों को 5,000 से अधिक मिठाई के डिब्बे भेजे जा रहे हैं।

रोटरी हाउस

12,300 वर्ग फुट के भूखंड पर चमचमाता एक दो मंजिला रोटरी हाउस एक ऐतिहासिक स्थल है। इस भवन के व्यावसायिक केंद्रों में कंप्यूटर कार्यक्रमों, ब्यूटी पार्लर और टेलरिंग में 65 छात्रों को अलग-अलग बैचों में कौशल प्रशिक्षण दिया जा रहा है; और पिछले 15 वर्षों में हमारे कौशल पाठ्यक्रमों से लगभग 8,500 युवा लाभान्वित हुए होंगे, व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र के निदेशक सरताज लांबा ने कहा। ''इस रोटरी वर्ष में हम बागवानी में 250 युवाओं और सॉफ्ट स्किल्स में 80-90 छात्रों को प्रशिक्षित करेंगे,'' उन्होंने कहा।

अनिल चड्ढा 20 नए सदस्यों को जोड़ना चाहते हैं, और अगले साल जून तक इस संख्या को बढ़ाकर 182 करना चाहते हैं। 20,000 स्कूल और कॉलेज के छात्रों के लिए 150 से अधिक RYLAs आयोजित किए गए थे; और पिछले चार वर्षों में, दृष्टिहीन छात्रों (प्रत्येक वर्ष 100) के लिए विशेष RYLAs ने उन्हें समाज की मुख्यधारा में लाने का प्रयास किया। हमने 100 नेत्रहीन छात्रों को *कुकु एफएम,* एक ऑडियो बुक सब्सक्रिप्शन उपहार में दिया।

दशकों से, इस प्रतिष्ठित क्लब ने ट्राइसिटी क्षेत्र, जिसमें अब 19 क्लबों में लगभग 900 रोटेरियन शामिल हैं, में नौ रोटरी, छह रोटरेक्ट और 54 इंटरेक्ट क्लबों को प्रायोजित किया है।

चित्र: वी मुत्तुकुमारण

Rotary PEOPLE OF ACTION

पुणे में छात्रों और शिक्षकों का सशक्तिकरण

किरण ज़ेहरा

कार्यशाला में अपनी शंकाओं का समाधान करती छात्रा।

रोटरी क्लब पुणे कोथरुड, रो ई मंडल 3131, अपने शिक्षक प्रशिक्षण और ङ्गअध्ययन एवं जीवन विकास कौशलफ कार्यशालाओं के माध्यम से शिक्षकों और छात्रों के जीवन पर समान रूप से महत्वपूर्ण प्रभाव डाल रहा है। पिछले 18 वर्षों से, इन कार्यशालाओं ने माध्यमिक स्तर के छात्रों को उन अध्ययन तकनीकों के साथ सशक्त बनाया जो पाठ्यपुस्तकों में मौजूद नहीं रहती।

क्लब सदस्य उर्मिला हल्दनकर, एक बाल मनोवैज्ञानिक और प्रोफेसर, और उज्ज्वल तावड़े, एक मानव-संबंध प्रशिक्षक, इन कार्यशालाओं के कार्यों में सबसे आगे रहे हैं। उर्मिला कहती हैं, उनका मिशन छात्रों को प्रभावी अध्ययन की तकनीकें प्रदान करना और उन्हें उनकी बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्टता प्राप्त करने में मदद करना है।

समर्थ दत्तात्रेय खामकर (13) ने पाया कि न केवल उनके लेखन विद्या में सुधार हुआ है, बल्कि उनका आत्मविश्वास भी बढ़ गया है। वह मुस्कुराते हुए कहते हैं, ''मैंने अपनी नई रचनात्मकता दिखाने के लिए अपने दोस्तों और परिवार के लिए कविताएं लिखने का भी साहस किया।'' अर्चना शंकर मार्केल नाम की एक अन्य छात्रा अकादमिक सफलता के लिए अब वैज्ञानिक अध्ययन तकनीकों के महत्व को पहचानती हैं। वह कहती हैं, ''इन कार्यशालाओं ने मुझे परीक्षाओं में उत्कृष्टता प्राप्त करने तथा अध्ययन को एक सहज और सुखद अनुभव बनाने वाले उपकरण प्रदान किये हैं।''

सतारा स्थित भारतीय जैन संगठन स्कूल के प्राचार्य एस सी भंडारी कहते हैं, ''मैंने देखा है कि इन तरीकों का औसत दर्जे से नीचे के छात्रों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है, जिसने वास्तव में उनके सीखने के अनुभवों को बदला है।''

लेकिन इसका प्रभाव केवल छात्रों तक सीमित नहीं है। क्लब शिक्षकों के पेशेवर विकास में भी निवेश कर रहा है। तावड़े कहते हैं, ''एक दशक से चल रही उनकी शिक्षक प्रशिक्षण संगोष्ठियों ने 50 स्कूलों के लगभग 200 से अधिक शिक्षकों को आधुनिक शिक्षण पद्धति में निपुण बनने में मदद की है। ये संगोष्ठियाँ औसत दर्जे से नीचे के छात्रों की शिक्षण चुनौतियां से पार पाने में मदद करने वाले शिक्षकों का मर्गार्दर्शन करती है।''

उर्मिला और तावड़े ने इस साल राज्य और जिला स्तर पर तीन संगोष्ठीयां आयोजित की, जिनसे 185 शिक्षक लाभान्वित हुए। भारतीय जैन संगठन स्कूल के एक शिक्षक इंगोले पी वी कहते हैं, ''अब हम उन्नत शिक्षण तकनीकों से सुसज्जित

तनाव प्रबंधन सेमिनार के बाद शिक्षकों के साथ उर्मिला हल्दनकर (बाएं बैठी हुई) और उज्वल तावड़े (दाएं से दूसरे बैठे हुए)।

हैं जो छात्रों की शैक्षणिक स्थिति की चिंता किए बिना उनकी मदद कर सकते हैं।''

इसमें और वृद्धि करते हुए, शिक्षकों के लिए एक तनाव प्रबंधन कार्यशाला भी आयोजित की गई थी जहां उन्हें तनाव से राहत पाने वाली कोलोराडो विधि जैसी तकनीकों से परिचित कराया गया।

रोटरी क्लब सतारा कैंप के सहयोग से, न्यू इंग्लिश स्कूल, सतारा, में विकलांग छात्रों के लिए एक शिक्षक/अभिभावक संगोष्ठी आयोजित की गई थी। उर्मिला और तावड़े ने बाल मनोवैज्ञानिक एन चंदना चिताले और एन रूता दाते की सहायता से 78 प्रतिभागियों का मार्गदर्शन किया। ■

अहमदनगर के 100 स्कूलों में रोटरी लाइब्रेरी

टीम रोटरी न्यूज़

रोटरी क्लब अहमदनगर मिडटाउन, रो ई मंडल 3132 ने अपने *प्रोजेक्ट विद्या* के तहत अहमदनगर में 100 जिला परिषद स्कूलों में पुस्तकालय स्थापित किए। नगर निगम शिक्षा विभाग ने क्लब को इस परियोजना से लाभान्वित होने वाले स्कूलों की पहचान करने में मदद की। क्लब ने इन स्कूलों में अलमारियाँ प्रदान कीं और उनमें विभिन्न प्रकार की किताबें रखीं और कर्मचारियों से आग्रह किया कि वे छात्रों को प्रतिदिन कम से कम एक घंटे के लिए इस सुविधा का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करें। ''इससे निश्चित रूप से उनमें पढ़ने की आदत विकसित होगी, जो उनके ज्ञान को बढ़ाएगी और उन्हें भाषा में पारंगत बनाएगी। इस पहल से कम से कम 10,000 छात्रों को लाभ होगा,'' क्लब अध्यक्ष मधुरा ज़वारे ने कहा। क्लब की साक्षरता समिति के निदेशक प्रसाद उबले ने पुस्तकालयों के लिए किताबें चुनने में मदद की, जिसमें सरल कहानी की किताबें और सूचनात्मक किताबें शामिल थीं। बच्चों और स्कूल स्टाफ को स्कूल परिसरों में बीज बोने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए स्कूलों को 100 से अधिक पाउच बीज भी दिए गए। प्रोजेक्ट की कुल लागत ₹6 लाख थी। ■

आपके गवर्नर्स

नीलेश कुमार अग्रवाल

रक्षा संकुचक, रोटरी क्लब ग्रेटर तेजपुर, रो ई मंडल 3240

रोटरी को रोटरेक्ट और सार्वजनिक छवि आगे बढ़ाएंगे

नीलेश अग्रवाल कहते है, ''मेरा दोहरा ध्यान रोटरेक्ट को विकसित करने और हमारी सार्वजनिक छवि बनाने पर होगा जो रोटरी को आगे बढ़ाएगा। एक 30 सदस्यीय टीम प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया में रोटरी को प्रोत्साहित कर रही है; और मैं भावी रोटेरियनों को तैयार करने के लिए कम से कम 10 रोटरेक्ट और 10 इंटरैक्ट क्लबों की शुरुआत करूंगा।''

पूर्वोत्तर में लगभग 70 रोटरेक्ट क्लब हैं। अग्रवाल 8-10 सैटेलाइट क्लबों को शुरू करना चाहते थे, इस तरह अगले साल 30 जून तक रोटरी क्लबों की संख्या 115 हो जाएगी। वह पहले ही 250 नए सदस्यों को शामिल कर चुके है और अतिरिक्त 250 को शामिल करके सदस्यों की संख्या 4,000 से अधिक हो जाएगी। 20 आदिवासी बस्तियों में लगभग 550 परिवारों को जैविक खेती (वैश्विक अनुदान: 88,000 डॉलर) में प्रशिक्षित किया जाएगा ताकि महिलाएं किचन गार्डन तैयार कर सकें और शुद्ध भोजन का उपभोग कर सकें।

उनका टीआरएफ लक्ष्य 400,000 डॉलर का है। वह, एक पूर्व रोटरेकटर, 2004 में चार्टर अध्यक्ष के रूप में अपने क्लब में शामिल हुए।

जितेंद्र गुप्ता

वकील, रोटरी क्लब दिल्ली, रो ई मंडल 3011

दिल्ली में किफायती हृदय देखभाल अस्पताल

48 साल के जितेंद्र गुप्ता सबसे कम उम्र के डीजी में से एक हैं और वह अपनी रोटरी सफलता का श्रेय अपनी पत्नी दीप्ति, जो रोटरी क्लब फरीदाबाद ट्यूलिप्स की पूर्व अध्यक्ष हैं, को देते हैं। उन्होंने 400 नए रोटेरियनों को शामिल किया है और 10 नए क्लबों का गठन किया है, जिससे दिल्ली-एनसीआर में सदस्य संख्या 5,100 से अधिक और क्लब संख्या 138 हो गई है।

रोटरी प्रेम सागर गोयल हृदय अस्पताल (वैश्विक अनुदान + सी एस आर: 850,000 डॉलर) किफायती देखभाल प्रदान करेगा - 1 लाख में बाईपास सर्जरी और ₹50,000 में एंजियोप्लास्टी।

अलवर में एक चेक डैम (वैश्विक अनुदान: 50,000 डॉलर); दिल्ली में मधुमेह केंद्र का विस्तार (वैश्विक अनुदान: 35,000 डॉलर); और गुड़गांव के चार क्लबों द्वारा कौशल विकास केंद्र (वैश्विक अनुदान: 75,000 डॉलर) की स्थापना उनके कार्यकाल की अन्य मुख्य विशेषताएं हैं।

टीआरएफ के लिए 2 मिलियन डॉलर एकत्र करना उनका लक्ष्य है। करीब एक करोड़ रेल यात्री ₹2.5 करोड़ की सार्वजनिक छवि परियोजना के तहत पेपर कप और मेनू फ्लायर्स पर रोटरी व्हील को देखेंगे। वह 2001 में 26 साल की उम्र में रोटरी में शामिल हुए।

से मिलिए

वी मुत्तुकुमारन

एच आर केशव

विनिर्माण, रोटरी क्लब मैसूर बृंदावन, रो ई मंडल 3181

रोटरी भवन में डायलिसिस केंद्र

केशव 2002 में रोटरी में शामिल हुए। समुदायों तक पहुंचकर उन्होंने सेवा परियोजनाओं में रुचि को विकसित किया। पीडीजी आर गुरु और पीडीजी जी के बालकृष्ण दो ऐसे व्यक्तित्व हैं ''जिन्होंने मेरे रोटरी आदर्शों को आकार दिया।''

वह 10 प्रतिशत शुद्ध वृद्धि के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए छह नए क्लब शुरू करने और 380 रोटेरियनों को शामिल करने की योजना बना रहे हैं। इस साल करीब 150 आंगनवाड़ियों का कायाकल्प किया जाएगा। प्रत्येक क्लब ने 2-3 केंद्र लिए हैं और उनमे से प्रत्येक पर कम से कम 30,000 खर्च किए हैं।

रोटरी क्लब मैंगलोर द्वारा फादर मुलर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में एक त्वचा बैंक (वैश्विक अनुदान: 51,651 डॉलर) स्थापित किया जा रहा है; और बंतवाल में एक रोटरी ब्लड बैंक (वैश्विक अनुदान: 67,999 डॉलर) बन रहा है। केशव ग्रामीण स्कूलों और छात्रावासों में नौ आरडब्ल्यूएच सुविधाएं (प्रत्येक ₹45,000) स्थापित करेंगे, जहां पानी की भारी कमी है। उनका लक्ष्य टीआरएफ के लिए 300,000 डॉलर एकत्र करने का है।

विपन भसीन

वकील, रोटरी क्लब अमृतसर साउथ, रो ई मंडल 3070

अमृतसर में त्वचा बैंक स्थापित करने को इच्छुक

उनका कहाना है कि विपन भसीन केवल उन लोगों को शामिल करना चाहते हैं जो व्यक्तित्व के ऐसे गुणों को प्रदर्शित करते हों जो हमारे मूल्यों से मेल खाते हों। लेकिन उन्हें 3,600 से अधिक की मौजूदा सदस्यता पर 15 प्रतिशत की शुद्ध वृद्धि का भरोसा है।

वह मौजूदा क्लबों को मजबूत करना चाहते हैं। जिन क्लबों में 20-15 से कम सदस्य हैं, उन्हें दो विकल्प दिए गए थे - या तो वे अपने सदस्यों की संख्या का विस्तार करें या अन्य क्लबों के साथ विलय करें। उचित रिपोर्टिंग के अभाव में रो ई द्वारा मंडल के वैश्विक अनुदान दर्जे को निलंबित कर दिया गया था। मैं वैश्विक अनुदान के दर्जे को सक्रिय करने के लिए सभी औपचारिकताएं पूरी करूंगा। उनकी इच्छा सूची में वैश्विक अनुदान (लगभग 60,000 डॉलर) के माध्यम से अमृतसर में एक त्वचा बैंक की स्थापना करना है क्योंकि शहर में बहुत सारे झुलसे हुए पीड़ित हैं।

पालमपुर आई फाउंडेशन को प्रमुख सेवाएँ देने के लिए विस्तारित किया जायेगा। टीआरएफ में दान का उनका लक्ष्य 100,000 डॉलर का है। भसीन 1989 में रोटरी में शामिल हुए, और पीआरआईपी राजेंद्र साबू और पीआरआईपी क्लिफ डॉचरमैन से प्रेरित हैं।

एन कृष्णमूर्ति द्वारा रूपरेखा

रोज़े की वैश्विक वृद्धि का झिलमिलाता सफर

एलिज़बेथ गैबे

पिछले दशक में रोज़े की उन्नति ने फ्रांस के प्रोवेंस क्षेत्र ने भारी निवेश के साथ-साथ सारी दुनिया की मीडिया का ध्यान अपनी ओर खींचा है। रोज़े की दुनिया में, एक श्रेणी विशेष ने बिक्री, मूल्य में वृद्धि और उत्पादकों और उपभोक्ताओं द्वारा की गई खरीद में सब को पीछे छोड़ दिया है,: स्पार्कलिंग पिंक।

पिछले आठ साल में रोज़े कैवा का वॉल्यूम 8 प्रतिशत से बढ़कर आज 10.5 प्रतिशत पहुँच गया है, जबकि रोज़े शैंपेन में ये 10 प्रतिशत से बढ़कर आज लगभग 13 प्रतिशत वॉल्यूम तक पहुंच गया है। कुछ साल पहले, रोज़े प्रोसेको की एक भी बोतल का उत्पादन नहीं किया जाता था। आज, हर साल 75 मिलियन से अधिक बोतलें बिकती हैं। हालाँकि, प्रोसेको को पारंपरिक तरीके से नहीं बनाया जाता है, लेकिन विला सैंडी जैसे कुछ निर्माता एक अच्छा उत्पाद बनाते हैं, मेरे विचार से उनमें से कई कुछ ज्यादा ही मीठी हैं। हालाँकि, उसका परिपक्व और मुलायमियत लिए क्रीमी स्वाद कई पीने वालों की पसंद है।

कुछ अपवाद छोड़ दें तो, वॉल्यूम में वृद्धि के साथ-साथ इसकी कीमत में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। पिंक शैम्पेन वाइट क्यूवे की तुलना में 15 से 40 प्रतिशत तक महंगी है। प्रेस्टीज और विंटेज शैंपेन वाइट उतनी ही गुणवत्तापूर्ण हैं, बस लाल अंगूरों के प्रतिशत के आधार पर थोड़ा बहुत फर्क होता है। मॉकरेशन प्रक्रिया की अवधि और उनकी उम्र की वजह से विभिन्न शैलियों में फर्क पड़ता है।

पारम्परिक रूप से, वाइट वाइन के बेस में थोड़ी रेड वाइन की मात्रा डाल कर इसे लाल किया जाता था। सिर्फ 5 प्रतिशत से ही उसका रंग गुलाबी हो सकता है, भले ही उसके फल में लाल रंग के गुण अधिक न हों। तेजी से लोकप्रिय हो रही, विशेष रूप से शैंपेन में जो (गलती से) *रोज़ डे सैनी* के रूप में प्रचलित है, लेकिन वास्तव में ये मैक्रेशन रोजेज हैं, जिससे रस को एक निश्चितअवधि के लिए छिलके के संपर्क में छोड़ कर रंग और लाल फलों का गुण धर्म प्राप्त किया जाता है - शैम्पेन में आठ दिन कोई असामान्य बात नहीं हैं। ये वाइन आम तौर पर सबसे गहरे, सबसे संरचनात्मक, सबसे अधिक टैनिक होती हैं। पूर्ण रूप से पके हुए अंगूरों को सीधे दबाने से करीब - करीब ब्लैंक-डी-नोआर जैसा हल्का गुलाबी रंग प्राप्त हो सकता है।

स्पार्कलिंग रोज़े की प्रमुख विशेषताओं में से एक है रोज़े का चरित्र । लाल बेरी फल और कुरकुरा, हलकी सी टैनिक अम्लता ये दो प्रमुख घटक हैं, जबकि इसकी उम्र बढ़ने से ब्रियोच (खमीर उठे हुए आटे से बनी रोटी की महक) के नोट्स उतने ही मौजूद होने चाहिए जितने कि वे वाइट वाइन या ब्लौं-डी--नोआर में होंगे। बोतल में दूसरी बार खमीर उठने के दौरान बुलबुले पैदा होते हैं, बाद में विघटन,

कैप के बजाय, परिपक्व ब्रियोच और मसाला की भरपूर महक मिलती है। स्ट्रॉबेरी और क्रीम के समृद्ध नोट्स, सुंदर पुष्प के नोट्स, जीवंत कुरकुरे लाल बेरी और कुछ तीखी अम्लता।

ला फोहय 2015, शैम्पेन एलेक्जेंडर बोनट 100 प्रतिशत पिनोट नोआर है। शैंपेन की यह दमदार पुरानी वाइन गहरा गुलाबी रंग देने के लिए थोड़े लंबे समय तक मैक्रेशन पर रहती है। मसली हुई स्ट्रॉबेरी और क्रीम, कुरकुरे क्रैनबेरी, सुंदर अम्लता, भार और संरचना, आपको याद दिलाती है कि यह उत्तरी बरगंडी से ज्यादा अलग नहीं है। उतरते हुए अहसास के साथ एक आश्चर्यजनक गैस्ट्रोनॉमिक शैली। दक्षिणी इंग्लैंड की स्पार्कलिंग वाइन पर हाल ही में शैंपेन हाउसों द्वारा काफी ध्यान दिया गया है और अब इसे कैलिफ़ोर्नियाई निवेश मिला है। बड़े पैमाने पर पिनोट नोआर, म्युनियर और शारडोने की शैम्पेन तिकड़ी से बनी अंग्रेजी स्पार्कलिंग वाइन गुणवत्ता में शैम्पेन के समकक्ष है लेकिन शीतल जलवायु सी ताजगी देती है।

कूलहर्स्ट की लेडी एलिजाबेथ 2019, 100 प्रतिशत पिनोट नोआर है, वेस्ट ससेक्स (लंदन के दक्षिण) से । खुलने से पहले लीस पर 48 महीने रही ये मलाईदार और ताजा, कुरकुरे लाल करंट और

जीवंत पत्तेदार अम्लता के स्पर्श के साथ मीठी पकी हुई स्ट्रॉबेरी, चेरी और रसभरी के क्लासिक ब्रेडी नोट्स देती है।

कावा स्पैनिश स्पार्कलिंग वाइन का सामान्य नाम है, और काफी हद तक भ्रमित करने वाला, उत्तर पश्चिमी स्पेन के पेनेडेस शहर के आसपास स्पार्कलिंग वाइन कावा डीओ भी मिलती है। कॉर्पिनैट स्पार्कलिंग वाइन, एरा स्प्लिंटर समूह के छोटे उत्पादकों द्वारा बनाई जाती है जो कावा डीओ से अलग हो गए हैं, और उनके पास आधिकारिक पदवी नहीं हैं। कावा डीओ को रोज़े में कम से कम 25 प्रतिशत लाल अंगूर की आवश्यकता

रिडलिंग, अंततः विघटन की प्रक्रिया के माध्यम से, मृत खमीर कोशिकाओं (लीस) को वाइन से हटा दिया जाता है, जबकि विघटित कार्बन डाइऑक्साइड गैस को यथावत रखा जाता है, जिसे रेड वाइन के साथ बनाया जा सकता है।

शैंपेन दहाप्सी एनवी रोज़े, 100 प्रतिशत पिनोट नोआर, खूबसूरत क्लासिक गुलाबी रंग की होती है जो गिलास में डालते ही अपना परिचय दे देती है, इसके बाद धमाका होता है फलों का: लाल सेब, खट्टे क्रैनबेरी, गहरे फल और जंगली स्ट्रॉबेरी की महक। लाल फल का प्रभाव वाइन की अम्लता और रैखिक सटीकता को संतुलित करता है।

औ बू डयू श्मा एनवी, शैंपेन मलेब्रां डी न्यूविल्लम बेस वाइन में ज्यादातर 60 प्रतिशत शारडोने के साथ 25 प्रतिशत पिनोट नोआर है, लेकिन दूसरे किण्वन के साथ 15 प्रतिशत रेड वाइन को मिलाया जाता है। कॉर्क के नीचे अपशिष्ट पर चार साल रहने से, सामान्य क्राउन

पड़ती है, लेकिन कुछ, 100 प्रतिशत रेड वाइन की किस्में हैं, निम्न दो की तरह।

ट्रेपैट 2019, अगस्टीटोरेलो माता, कावा डीओ पारंपरिक लाल किस्म के कैटलन अंगूरों से बनाई जाती है। गहरे गुलाबी रंग का यह फल गहरे, पके, लाल फल के रूप में सामने आने से पहले सूखे फूलों, शहदयुक्त सेब और आड़ू के मीठे, सुगंधित नोट्स के साथ कैटेलोनिया के गर्म मौसम का प्रतीक है। इसमें कुरकुरे लाल फलों की, रसदार अम्लता के साथ विशिष्ट हर्बल स्वाद रहता है।

इन्टेन्स रोजेट 2019, रेकरडो , कॉर्पिनेट को गुलाबी स्पार्कलिंग (ग्रेनाचे और मौरवेद्रे) की तुलना में रेड वाइन में अधिक सामान्य रूप से पाए जाने वाली किस्मों से बनाई जाती है, जो एक असामान्य, लेकिन फिर भी रोमांचक गुलाबी झिलमिलाहट देता है। गहरे लाल रंग के फल और हर्बल नोट्स के साथ गहरे गुलाबी रंग की वाइन। इसमें लगभग रेड वाइन की संरचना का एक संकेत रहता है जो डिकैंटिंग (हां, यह स्पार्कलिंग वाइन के लिए काम करता है) को नरम और समृद्ध , मसालेदार फल सा स्वाद और रेशम सा मुलायम करता है।

आइबेरिया के अटलांटिक तट पर पुर्तगाल तेजी से कुछ शानदार स्पार्कलिंग वाइन का उत्पादन कर रहा है। डोरो से क्विंटा डॉस कैस्टेलरेस एक्स्ट्रा ब्रूटो 2020 पोर्ट क्षेत्र से हो सकती है, लेकिन यह 100 प्रतिशत पिनोट नोआर शिस्टोज चट्टानों और ऊंचाई पर स्थित अंगूर के बागों को प्रतिबिम्बित करती कुरकुरे लाल अंगूर और नमकीन फिनिश के साथ मुंह में पानी लाने वाली वाइन है।

मध्य ग्रीस में सेलेपोस परिवार ने ग्रीस में स्पार्कलिंग वाइन के शीर्ष उत्पादक होने में ख्याति कमाई है। उनकी अमालिया एनवी स्थानीय लाल किस्म एगियोरिटिको से बनाई गई है। गुलाबी रंग की हल्की झलक, उसके बाद कुरकुरे लाल जामुन, चेरी, काले करंट, मुंह में पानी लाने वाली इमली की खटास, मलाईदार मसाला, पुष्प के नोट्स और अंत में एक नमकीन ख़म।

उत्तरी फ्रांस की तरफ लौटते हुए, स्पार्कलिंग वाइन की परंपरा वाला एक विशाल क्षेत्र है - लॉयर घाटी । कूली-डुथिल ब्रुट डी फ्रैंक एनवी चिनोन क्षेत्र से है, लेकिन इसका नाम विन डी फ्रांस है। लीस पर 24 महीने बिताने के बाद पूरी तरह मलाईदार टोस्टनेस और नट्स के साथ 100 प्रतिशत कैबरनेट फ्रैंक। कैबरनेट फ्रैंक ताजे पत्तेदार अम्लता और गुलाब और लैवेंडर के पुष्प नोट्स के साथ पूरे पके हुए लाल फल में एक और आयाम जोड़ता है। बगीचे में आयोजित रिसेप्शन के लिए बिल्कुल सटीक जहां जीवन, उत्साह और ख़ूबसूरती साथ-साथ चलती है।

टेरोइर, किस्में, पुरानी - ये सभी चीजें गुलाबी स्पार्कलिंग वाइन की व्यापक रूप से भिन्न भिन्न शैलियों में योगदान करती हैं, हलकी एपेरिटिफ़ वाइन से लेकर समृद्ध गैस्ट्रोनॉमिक तक। कीमतें भी काफी भिन्न होती हैं, इसलिए बड़े नाम वाले क्षेत्रों से बाहर का पता लगाना हमेशा सार्थक सिद्ध होता है। अभी भी रोजेज, स्पार्कलिंग पिंक वाइन प्रकाश के प्रति बेहद संवेदनशील है: यूवी से प्रभावित, जो सूर्य के प्रकाश के संपर्क में सिर्फ एक, दो घंटे आने से ही वाइन को सल्फरयुक्त कर, वनस्पति की गंध के साथ इसका असर कम कर देती है - यहां तक कि एक सुपरमार्केट या शराब की दुकान में रखी शेल्फ में भी। वाइन को गहरे रंग के कांच में बोतलबंद करके रोशनी के प्रभाव से लगभग पूरी तरह बचाया जा सकता है। सुरक्षित रहें, गहरे रंग की बोतलों में स्पार्कलिंग रोज़ खरीदने का लक्ष्य रखें।

अनुमति के साथ सोमेलियर इंडिया
वाइन पत्रिका से पुनर्मुद्रित

Rotary PEOPLE OF ACTION

एक झलक

टीम रोटरी न्यूज़

राष्ट्रपति मुर्मू के साथ एक बैठक

पीडीजी विवेक कुमार, डीजी एस पी बागरिया और शुभम बागरिया भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के साथ।

रो ई मंडल 3250 के डीजी एस पी बागरिया ने पीडीजी विवेक कुमार और रोटरी क्लब कलकत्ता प्रेसीडेंसी, रो ई मंडल 3291, के सदस्य शुभम बागरिया के साथ राष्ट्रपति भवन में भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। डीजी बागरिया ने राष्ट्रपति को रोटरी परियोजनाओं का एक संकलन प्रस्तुत किया।■

रो ई मंडल 3232 की सबसे बड़ी हृदय रचना

पीडीजी अबिरामी रामनाथन, डीजीई एन एस सरवनन (रो ई मंडल 3234), डीजीएन विनोद सरावगी और मुथुस्वामी के साथ डीजी रवि रमन (बीच में)।

वर्ल्ड रिकॉर्ड यूनियन ने रो ई मंडल 3232 द्वारा लव हार्ट प्रतीक की सबसे बड़ी मानव रचना के लिए रिकॉर्ड को प्रमाणित किया। कार्यक्रम का आयोजन चेन्नई के ओल्कोट मेमोरियल स्कूल में किया गया जिसमें तमिलनाडु के स्वास्थ्य मंत्री मा सुब्रमण्यम मुख्य अतिथि थे।■

विश्व हृदय दिवस के उपलक्ष्य में

पीआरआईडी अशोक महाजन एक बाल रोगी के साथ। उनके पीछे क्लब के अध्यक्ष राम भटनागर नज़र आ रहे हैं।

रोटरी क्लब ठाणे प्रीमियम, रो ई मंडल 3142, ने विश्व हृदय दिवस (29 सितंबर) उन बच्चों को उपहार देकर मनाया जिनके दिल की सर्जरियाँ क्लब ने ज्यूपिटर अस्पताल में प्रायोजित की थी। क्लब, जुपिटर फाउंडेशन के साथ मिलकर बाल हृदय सर्जरी को अपनी प्रमुख परियोजना के रूप में प्रायोजित कर रहा है। ■

नेत्र अस्पताल के लिए उपकरण

उपकरण के साथ क्लब के सदस्य।

रोटरी क्लब पुणे स्पोर्ट्स सिटी, रो ई मंडल 3131, ने पुणे के हड़पसर में साने गुरुजी आरोग्य केंद्र अस्पताल को ₹41.4 लाख के उन्नत नेत्र उपकरण दान किए। इस परियोजना को रोटरी क्लब फोर्ट कॉलिन्स, रोटरी क्लब फोर्ट कॉलिन्स ब्रेकफास्ट, रोटरी क्लब फोर्ट कॉलिन्स आफ्टर वर्क और रोटरी क्लब डेनवर, यूएसए, और टीआरएफ से प्राप्त वैश्विक अनुदान की सहायता से वित्त पोषित किया गया।■

कला के माध्यम से दुनिया को एकजुट करना

वी मुत्तुकुमारण

रोटरी क्लब चंडीगढ़, रो ई मंडल 3080, भारतीय विद्या भवन (बीवीबी) में एक सप्ताह तक चलने वाले कला और सांस्कृतिक उत्सव (16-22 अक्टूबर) के साथ मएक विश्व, एक परिवारफ की भावना का जश्न मनाया। उन्होंने इंफोसिस फाउंडेशन, इंफोसिस की सीएसआर शाखा और भवन विद्यालय के साथ साझेदारी की। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में चंडीगढ़ के महानगरीय लोकाचार पर प्रकाश डाला गया, जिसमें *वसुधैव कुटुंबकम* के सार्वभौमिक सत्य पर जोर दिया गया।

पीआरआईपी राजेंद्र साबू स्कूल और इसकी मूल संस्था, बीवीबी-चंडीगढ़ की देखरेख करने वाले अनुभवी रोटेरियनों की एक टीम का नेतृत्व करते हैं। स्वतंत्रता सेनानी, राजनीतिज्ञ और लेखक के एम मुंशी द्वारा 1938 में बॉम्बे में एक शैक्षिक ट्रस्ट के रूप में स्थापित इस सांस्कृतिक इकाई का मार्गदर्शन इस अनुभवी टीम द्वारा किया जा रहा है। कला महोत्सव के उद्घाटन सत्र में, साबू ने कहा, कला और संस्कृति को आगे बढ़ाने के लिए बीवीबी-बेंगलुरु और इंफोसिस फाउंडेशन के साथ साझेदारी करके हम सम्मानित महसूस कर रहे हैं। यह देखते हुए कि भारतीय संस्कृति संगीत और नृत्य की टेपेस्ट्री, रंगों का बहुरूपदर्शक और ज्ञान का भंडार है, उन्होंने भारत की विरासत के दिल और आत्मा को प्रदर्शित करने वाले इस अद्भुत कार्यक्रम को तैयार करने के लिए आयोजकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

''इन सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों के माध्यम से ही हम भारत के वास्तविक सार को समझते हैं। आइए याद रखें कि हमारी संस्कृति सिर्फ हमारे अतीत का प्रतिबिंब नहीं है, बल्कि हमारे भविष्य की दिशा में हमारा मार्गदर्शन करने वाली एक किरण है। जैसे-जैसे हम प्रगति करते हैं, हम संस्कृति, परंपरा और एकता के धागों से बंधे एक बड़े परिवार के रूप में आगे बढ़ते हैं,'' उन्होंने कहा।

एक सांस्कृतिक बढ़ावा

जबकि सांस्कृतिक उत्सव शुरू में इंफोसिस द्वारा प्रस्तावित किया गया था, बीवीबी-चंडीगढ़ के सचिव, पीडीजी मधुकर मल्होत्रा ने बताया, हम संगीत, नृत्य, कला प्रदर्शनियों, थिएटर और अन्य सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों में युवा और उभरते कलाकारों का पोषण करने के उद्देश्य से इसमें शामिल हुए हैं। इस दूसरे संस्करण में, हमने देश भर के 150 कलाकारों की विविध प्रतिभाओं को प्रदर्शित करते हुए 17 कार्यक्रम प्रस्तुत किए। पिछले साल के कला उत्सव की सफलता पर विचार करते हुए, उन्होंने कहा कि 275 सीटों वाला भवन सभागार लगातार भरा हुआ था, जिसमें प्रतिदिन औसतन 4,000 दर्शक भवन और इंफोसिस के यूट्यूब चैनलों पर लाइव-स्ट्रीम किए गए कार्यक्रमों को देखते थे।

भवन विद्यालय, तीन अलग-अलग परिसरों और 3,000 से अधिक छात्र संख्या वाला एक सीबीएसई-संबद्ध स्कूल, चंडीगढ़ में शैक्षणिक प्रदर्शन में शीर्ष स्थान पर है, बावजूद इसके कि हमारी सांस्कृतिक गतिविधियाँ पिछड़ रही थीं। हमें विश्वास है कि यह वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव छात्रों और युवा कलाकारों के लिए प्रतिभा दिखाने के लिए एक राष्ट्रीय मंच खोलेगा, मल्होत्रा ने मुस्कुराते हुए कहा।

यूटी प्रशासक के सलाहकार धरम पाल ने कहा कि सप्ताह भर चलने वाले उत्सव ने न केवल ट्राइसिटी

इन्फोसिस-चंडीगढ़ कैंपस हेड विकास गुप्ता ने (बाएं से दूसरी) नीनू बिज, भवन विद्यालय की वरिष्ठ प्रिंसिपल विनीता अरोड़ा, बीवीबी-बेंगलुरु की संयुक्त निदेशक नागलक्ष्मी राव, बीवीबी-चंडीगढ़ की सांस्कृतिक समिति के अध्यक्ष मनमोहन सिंह कोहली, पीडीजी मधुकर मल्होत्रा और प्राचीन कला केंद्र के कलाकार की उपस्थिति में कथक नृत्यांगना समीरा कोसर को सम्मानित किया।

उद्घाटन समारोह में पीआरआईपी राजेंद्र साबू ने चंडीगढ़ प्रशासक के सलाहकार धर्मपाल और उनकी पत्नी अनीता को सम्मानित किया।

(चंडीगढ़, पंचकुला और मोहाली) के आसपास के कलाकारों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर प्रदान किया, बल्कि निवासियों को भारतीय कला की समृद्धि को देखने का एक शानदार मौका भी दिया। .

इंफोसिस कैंपस-चंडीगढ़ के केंद्र प्रमुख विकास गुप्ता ने कहा, पिछले साल कला महोत्सव के पहले संस्करण में आठ राज्यों के लगभग 1,300 कलाकारों ने 90 कार्यक्रमों/कार्यक्रमों में प्रदर्शन किया था। जबकि स्कूल गायक दल ने कुछ भावपूर्ण गीत गाए, जिससे वैश्विक शांति और भाईचारे का संदेश गया, जयपुर घराने की कथक नृत्यांगना समीरा कोसर ने एक फ्यूज़न शो - विश्व नाद: भाव, राग और ताल प्रस्तुत किया।

70 साल पुराने प्राचीन कला केंद्र चलाने वाली समीरा ने कहा, विदेशियों सहित हमारे 20 शिष्यों ने उद्घाटन शो में प्रदर्शन किया है। कुछ विदेशी छात्रों को सरकार की आईसीसीआर छात्रवृत्ति के तहत मेरे द्वारा प्रशिक्षित किया जा रहा है। कुल मिलाकर, मेरी अकादमी में 500 से अधिक कलाकार प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं।फ्फ़ शो में मध्य एशियाई गणराज्यों, यूरोप, अफ्रीका के नर्तकों ने भी प्रदर्शन किया।

जैसा कि बीवीबी-बेंगलुरु की संयुक्त निदेशक नागलक्ष्मी राव ने बताया, यह कला महोत्सव इंफोसिस फाउंडेशन के साथ बीवीबी के तीसरे समझौते का परिणाम है। फाउंडेशन की पूर्व अध्यक्ष सुधा मूर्ति ने अपने दिवंगत दादा, हनुमंत राव कदीम, जो एक सेवानिवृत्त स्कूल शिक्षक थे, की याद में नियमित स्कूल कार्यक्रम आयोजित करने के लिए 2005 में बेंगलुरु केंद्र को ₹25,000 के दान के साथ एक बंदोबस्ती निधि की स्थापना की।

इस प्रारंभिक साझेदारी की सफलता के बाद, फाउंडेशन ने नौ राज्यों में से प्रत्येक में मासिक रूप से दो कला कार्यक्रमों की मेजबानी के लिए 11 केंद्रों के साथ एक एम ओ यू पर हस्ताक्षर किए। कला में उनकी भागीदारी को और बढ़ाने के लिए, पिछले वर्ष से शुरू करके तीन वर्षों के लिए आठ राज्यों में सप्ताह भर के थीम वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करने के लिए बीवीबी के साथ एक नए एम ओ यू पर हस्ताक्षर किए गए। बेंगलुरु केंद्र यह सुनिश्चित करने के लिए इंफोसिस के साथ समन्वय करता है कि कला उत्सव आठ राज्यों में तय कार्यक्रम के अनुसार निष्पादित हों।

कजाकिस्तान की इरीना शुवालोवा दुनिया भर के पेशेवर नर्तकियों के साथ मंच साझा करने और प्रदर्शन करने के लिए उत्साहित थीं। इसी तरह के विचार व्यक्त करते हुए, उनकी क़ज़ाख दोस्त रुस्तमोवा रमीना ने कहा कि वह एक ऐसे मंच पर प्रदर्शन करके खुश हैं जो विभिन्न देशों के कलाकारों द्वारा एक शानदार, भव्य शो था, जो पेशेवर तरीके से अपने कौशल का प्रदर्शन कर रहा था।

इससे पहले, अपने स्वागत भाषण में, रोटरी क्लब चंडीगढ़ के पूर्व अध्यक्ष और बीवीबी की सांस्कृतिक समिति के अध्यक्ष, मनमोहन सिंह कोहली ने कहा कि एक ही परिवार के रूप में विश्व की अवधारणा भारत के लिए नई नहीं है और साबूजी दशकों से इस प्राचीन लोकाचार को बढ़ावा दे रहे हैं। एक वैश्विक रोटेरियन के रूप में।

चित्र: वी मुत्तुकुमारण

उद्घाटन समारोह में मध्य एशियाई गणराज्यों के कलाकारों ने प्रदर्शन किया।

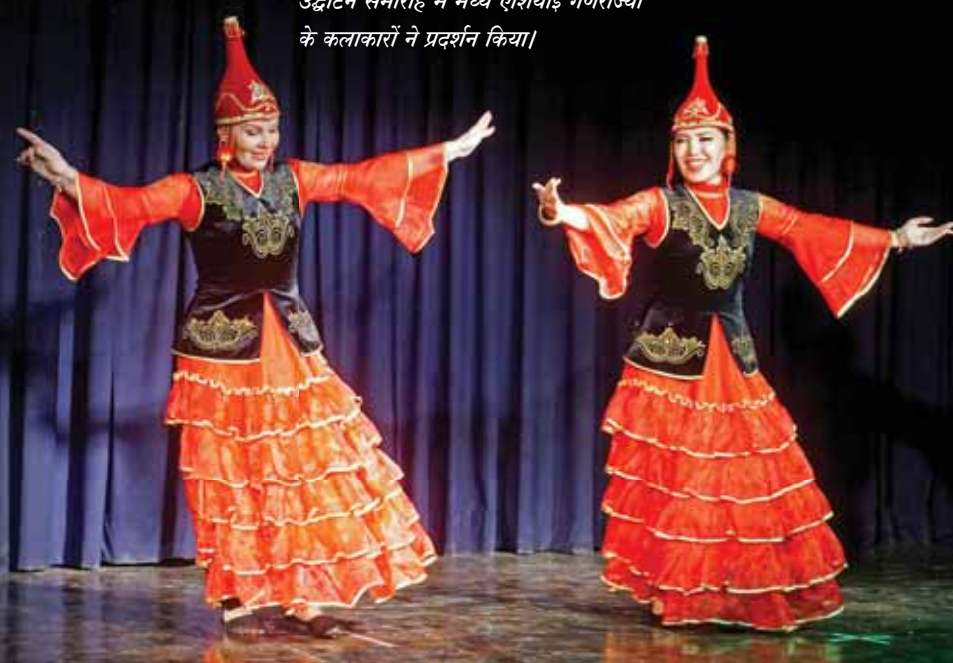

आरएलआई रोटरी को समझने में मदद करता है

जयश्री

चेन्नई में रोटरी लीडरशिप इंस्टीट्यूट (आरएलआई) दक्षिण एशिया की बैठक को संबोधित करते हुए, आरएलआई - दक्षिण एशिया अध्यक्ष पीआरआईडी कमल सांघवी ने कहा, हमें हर किसी में रोटरी के आदर्शों को प्रोत्साहित करना और बढ़ावा देना चाहिए। एक जानकार रोटेरियन रोटरी के लिए एक संपत्ति है, वह अपने आस-पास के लोगों को हमारे साथ जुड़ने और हर संभव तरीके से दुनिया की बेहतर सेवा करने के लिए प्रेरित करेगा। इसलिए आप जो भी वितरित करें उसमें पूरी तरह से सूचित और सतर्क रहें। और आप रोटेरियनों को जो कुछ भी प्रदान करते हैं वह सार्वभौमिक होना चाहिए और उसमें कोई क्षेत्रीय मतभेद नहीं होना चाहिए।फ़

रो ई निदेशक अनिरुद्ध रॉयचौधरी ने घटती सदस्यता, नेतृत्व की निरंतरता और नई रोटरी दुनिया के लिए अनुकूलनशीलता के बारे में बात की। उन्होंने प्रतिनिधियों से ग्रीन रोटेरियन्स के लिए आरएलआई को संगठित करने का आग्रह किया। आरएलआई सदस्यों को बधाई देते हुए उन्होंने कहा,आप रोटेरियन्स के दिमाग में रोटरी विचारों को उकेरकर संगठन को मजबूत बना रहे हैं।

आरएलआई के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष पीआरआईडी माइकल मैकगवर्न ने एक एवी संदेश में कहा, रोटरी को ऐसे नेताओं की जरूरत है जो इसके उद्देश्यों को समझ सकें और उनका मतलब क्या है - न कि केवल शब्दों को। बैठक का उद्देश्य हर क्षेत्र में आरएलआई को बढ़ावा देने के तरीकों का पता लगाना और सदस्यों के सामने आने वाली चुनौतियों और समाधानों पर विचार-विमर्श करना था।

रो ई मंडल 3232 के पीडीजी ए सुब्रमण्यम, क्षेत्रीय अध्यक्ष फोरज़ोन 5 ने कहा, आरएलआई एक बहु-मंडल जमीनी स्तर का नेतृत्व विकास कार्यक्रम है जिसे रो ई बोर्ड द्वारा अनुशंसित किया गया है और

बाएं से: पीडीजी गण चंद्रबोब, यूएसए से फ्रैंक वारगो, आरआईडी अनिरुद्ध रॉयचौधरी, आरएलआई दक्षिण एशिया अध्यक्ष पीआरआईडी कमल संघवी, आरएलआई जोनल अध्यक्ष पीडीजी ए सुब्रमण्यम और उपाध्यक्ष जॉर्ज सुंदरराज चेन्नई की बैठक में।

कोलैट की तीन त्रैवार्षिक बैठकों में इसका जोरदार समर्थन किया गया है। अंतर्राष्ट्रीय असेंबली में रो ई प्रशिक्षण डीजीई और अन्य मंडल अधिकारियों को उनकी भूमिकाओं के लिए तैयार करने के लिए महत्वपूर्ण है। यही बात पालतू जानवरों और सेटों के लिए भी सच है। लेकिन आरएलआई एक सदस्य को रोटेरियन में बदलने और उसे रोटरी के बारे में अधिक जानकार बनाने के लिए एक फाउंडेशन कोर्स है।

आरएलआई को एक कार्यक्रम के रूप में अपनाने वाले मंडलों के संबंध में चल रहे मतभेद का हवाला देते हुए उन्होंने बताया कि 'नेतृत्व' शब्द में गलतफहमी है। उन्होंने कहा, अगर यह रोटरी लीडरशिप इंस्टीट्यूट के बजाय रोटरी लर्निंग इंस्टीट्यूट होता तो इसे सभी जिलों से बेहतर समर्थन मिलता।

आरएलआई के उपाध्यक्ष पीडीजी जॉर्ज सुंदरराज ने कहा कि आरएलआई सदस्यता बनाए रखने में मदद करेगा और सभी को नेतृत्व की भूमिकाओं के लिए तैयार करेगा। आरएलआई इंटरनेशनल ट्रेनिंग लीडर पीडीजी फ्रैंक वारगो (यूएस) बैठक में विशेष आमंत्रित सदस्य थे। सदस्यता योजना, टीआरएफ, डीईआई, रणनीतिक योजना, सार्वजनिक छवि, क्लब संचार और रोटारैक्ट को सशक्त बनाना बैठक में चर्चा किए गए कुछ विषय थे।

बैठक में भाग लेने वाले 175 प्रतिनिधियों में कई जिला गवर्नर, डीजीई और डीजीएन शामिल थे। जोनल अध्यक्ष पीडीजी शिवराज (जोन 4), दिलीप पटनायक (जोन 6) और जोर्सन फर्नांडीज (जोन 7), आरएलआई सलाहकार बिनोद खेतान और पीडीजी उल्हास कोल्हटकर, और सचिव पीडीजी अरुण कुमार गुप्ता और मोहन कुमार संसाधन व्यक्ति थे।

चित्र: जयश्री

ADVT.

जे.सी.आई इंटरनेशनल के अध्यक्ष के रूप में
जेसीआई के शीर्ष पर
हमारा Rtn Jc कविन कुमार कुमरवेल

रोटरी | रोटरी क्लब आफ ईरोड सेन्ट्रल सदस्यों

Rtn Jc.कविन कुमार के.
जूनियर चेम्बर इंटरनेशनल
अध्यक्ष 2024
95432 81000

Rtn Jc.प्रेमशरन एम.
जेसीआई अध्यक्ष 2024 के
एक्सिक्यूटिव एसिस्टेन्ट
94433 28386

Rtn Jc.मतिवाणन् एस.
सदस्य, एशिया एवं पसिफिक
जेसीआई बिस्नेस - 2024
94433 28386

बधाई एवं शुभकामनाओं के साथ
रोटरी क्लब आफ ईरोड सेन्टरल सदस्यों एवं

Rtn D. कमलनाथन
अध्यक्ष
98427 21333

Rtn B. विग्नेश कुमार
सचिव
98429 55333

Rtn P. सुरेश
कोषाध्यक्ष
98427 07233

Rtn JC S. बालवेलायुदम
ट्रेनर
94433 67811

स्थिरता और खरीदारी

प्रीति मेहरा

इस नए साल में खरीदारी के उन फैसलों को ध्यान में रखें जो आपको अलग बनाएंगे।

सभी उत्सवों और हर्षोल्लास के बीच क्या आपको यह सोचना चाहिए कि आप क्या खरीदना चुनते हैं? हमें अपने सभी कार्यों के बारे में अत्यधिक सावधान रहना चाहिए, जिसमें हम जो खरीदारी करते हैं, वह भी शामिल है। यदि आप पर्यावरण के अनुकूल हैं, तो ही हरा आपकी जीवनशैली का रंग हो सकता है, क्योंकि कहावत में थोड़ा बदलाव के साथ, आप वही हैं जो आप खरीदते हैं।

आइए बड़ी खरीदारी से शुरुआत करें- कार, एयर कंडीशनर, रेफ्रिजरेटर, पंखे और अन्य गैजेट। आज की दुनिया में, इंटरनेट की बदौलत, किसी दुकान या शोरूम में प्रवेश करने से पहले ऑनलाइन उत्पादों पर गहन शोध करना आसान है।

इसलिए, जब आप शुरुआत करें, तो देखें कि स्थिरता एक ऐसा कारक है जो आपके निर्णय में कम से कम 70 प्रतिशत योगदान देता है। ऐसे सफेद सामान खरीदें जिनके पास मऊर्जा कुशलफ प्रमाणपत्र हो। जैसा कि आप जानते होंगे, 2002 में स्थापित सरकार के ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (बीईई) ने उनकी लागत और ऊर्जा खपत के लिए उत्पादों की तुलना करने में बहुत काम किया है और एयर कंडीशनर, पंखे जैसे इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों को एनर्जी स्टार रेटिंग दी है। , हीटर, रेफ्रिजरेटर, बल्ब, और अन्य। इसमें एक ऐप भी है जो आपको उत्पादों, उनकी ऊर्जा और लागत बचत, ऊर्जा रेटिंग आदि की तुलना करने में मदद करता है। यह उपभोक्ताओं को एक सूचित विकल्प बनाने में सहायता करता है।

बड़ी खरीदारी के अलावा, क्रिसमस और नए साल के उपहारों की तलाश करने वालों की सूची में कपड़े और कलाकृतियां सबसे ऊपर हैं। यहां भी, उन लोगों के लिए जाना सबसे अच्छा है जो आप तक पहुंचने के लिए सात समुद्र पार नहीं कर चुके हैं। संक्षेप में, हमारे अपने कारीगरों, दर्जियों द्वारा बनाए गए और हमारे सूक्ष्म उद्यमियों द्वारा बेचे गए सामानों के लिए स्थानीय स्तर पर खरीदारी करना अधिक पर्यावरण अनुकूल विकल्प है। जैसा कि आप जानते हैं, फैशन उद्योग वैश्विक कार्बन उत्सर्जन के लगभग 10 प्रतिशत के लिए जिम्मेदार है, जिसका अर्थ है कि जलवायु परिवर्तन में इसका योगदान पर्याप्त है। इसलिए, जब कपड़ों की बात आती है, तो सस्ते, तेज़-तर्रार कपड़ों से बचें, जो पहनने और फेंकने के लिए होते हैं क्योंकि उनमें से अधिकांश लैंडफिल में चले जाते हैं।

यदि आप पर्यावरण के अनुकूल हैं, तो ही हरा आपकी जीवनशैली का रंग हो सकता है, क्योंकि कहावत में थोड़ा बदलाव के साथ, आप वही हैं जो आप खरीदते हैं।

यदि आपको कुछ कपड़ों को हटाना ही है, तो अपनी अलमारी में और कपड़े जोड़ने से पहले उन्हें दोबारा उपयोग या उपयोग के लिए देने का प्रयास करें। ऐसे कई संगठन हैं जो पुराने कपड़े इकट्ठा करते हैं और उन्हें जरूरतमंद लोगों और बाढ़ जैसी आपदा-संबंधी स्थितियों के लिए नवीनीकृत करते हैं। दिल्ली में, हमारे पास गूंज जैसा एक संगठन है जो पुराने कपड़ों को दोबारा उपयोग में लाने का अद्भुत काम करता है। यदि आपके कपड़े फटने के कगार पर हैं, तो उन्हें भी स्टाइलिश और स्वादिष्ट दरी, फुट मैट और टेबल मैट में बदला जा सकता है। विभिन्न रंगों और बनावटों के कपड़ों को लंबी श्रृंखलाओं में पिरोया जाता है और फिर नए उत्पाद बनाने के लिए एक साथ सिल दिया जाता है।

टिकाऊ फैशन आंदोलन का हिस्सा बनने के लिए, जो कि हरित जीवन शैली का पालन करने वाले अधिकांश लोग बनना चाहते हैं, आपके द्वारा खरीदे जा रहे कपड़ों की आपूर्ति श्रृंखला की जांच करना समझदारी होगी। क्या निर्माता नैतिक हैं, क्या उनके पास पारदर्शी आपूर्ति श्रृंखला है, क्या वे उचित वेतन देते हैं और अपने कर्मचारियों को स्वस्थ कार्य परिस्थितियाँ प्रदान करते हैं?

इसके अलावा, बड़ी संख्या में कपड़े पेट्रोलियम आधारित होते हैं और उनके निर्माण के लिए जीवाश्म ईंधन का उपयोग किया जाता है। नायलॉन, पॉलिएस्टर, ऐक्रेलिक कपड़े के उत्पादन के लिए अधिक ऊर्जा की आवश्यकता होती है, जबकि कार्बनिक और पुनर्नवीनीकरण फाइबर अपेक्षाकृत कम ऊर्जा लेते हैं। ये सभी कारक किसी उत्पाद के कार्बन फुटप्रिंट में योगदान करते हैं। जैविक कपास, भांग, लिनन, हालांकि महंगे हैं, बेशक सबसे अच्छे हैं क्योंकि वे ज्यादातर बायोडिग्रेडेबल हैं। आप प्राकृतिक या पुनर्नवीनीकृत कपड़ों से बने पर्यावरण-अनुकूल ब्रांडों की भी तलाश कर सकते हैं। हमारी अपनी खादी कपड़ों के लिए एक अच्छा, हरा विकल्प है। आज, खादी स्टोर विकल्पों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करते हैं।

कलाकृतियाँ भी खरीदारों की पसंदीदा हैं। पर्यावरण-अनुकूल उपहारों की तलाश करने वाले खरीदार के लिए यहां नियम स्पष्ट हैं। यदि उपहार लकड़ी का है, तो बांस चुनें - आपके पास शानदार बांस के लैंप, फर्नीचर, टेबल, टेबल मैट, कोस्टर हैं, वस्तु का नाम बताएं और आप इसे इस सबसे टिकाऊ सामग्री में पाएंगे। लेकिन धातु और कांच भी सामग्री का एक अच्छा विकल्प हैं क्योंकि दोनों को पुनर्नवीनीकरण किया जा सकता है।

चाय, कॉफी, सूखे मेवे, शहद, चॉकलेट और अन्य जैसे जैविक खाद्य पदार्थ भी घर पर स्टॉक करने या उपहार के रूप में देने के लिए लोकप्रिय हो गए हैं। यहां भी, आपूर्ति श्रृंखला, पैकेजिंग और लेबलिंग को फोकस में रखना महत्वपूर्ण है। क्या वे स्थानीय उत्पादकों से खरीद रहे हैं, क्या वे एकल उपयोग वाले प्लास्टिक कंटेनरों के बजाय प्राकृतिक, बायोडिग्रेडेबल, रिसाइकिल योग्य फाइबर में पैकिंग कर रहे हैं? यदि कोई उत्पाद सही बक्सों पर टिक करता है, तो यह आपके संरक्षण के योग्य है।

आज, कुछ ऑनलाइन ग्रीन वेबसाइटें भी हैं जो आपको अपराध-मुक्त उपहार समाधान प्रदान करती हैं। कुछ लोकप्रिय लोग जो अपनी हरित आपूर्ति श्रृंखला की कसम खाते हैं, वे हैं लूपिफाई और बॉम्बे ग्रीन्स।

हालाँकि, यदि आप उन लोगों में से हैं जिन्हें किसी उत्पाद को खरीदने से पहले देखने, छूने या महसूस करने की आवश्यकता होती है, तो कृपया अत्यंत सावधानी से ऐसा करें। और, निःसंदेह, हर समय विघटित होने योग्य, पुनः प्रयोज्य शॉपिंग बैग का उपयोग करें। आज आपके स्थायी खरीदारी निर्णय से एक ही तरह के उत्पादों की मांग बढ़ेगी और दुनिया इसके लिए आपको धन्यवाद देगी। शुभ खरीदारी और नववर्ष की शुभकामनाएँ!

लेखिका एक वरिष्ठ पत्रकार हैं, जो पर्यावरण के मुद्दों पर लिखती हैं।

अफ्रीकी लड़की की रीढ़ की विकृति की सर्जरी

वी मुत्तुकुमारण

दरिद्रता और आर्थिक परेशानियों से जूझ रहे पूर्व-मध्य अफ्रीका के एक छोटे से देश बुरुंडी में एक पांच वर्षीय लड़की मैसा की सफलतापूर्वक स्कोलियोसिस सर्जरी की गई। रोटरी क्लब मुंबई एसओबीओ, रो ई मंडल 3141 और गैंड-मैरीटाइम, रो ई मंडल 2130, बेल्जियम के बीच एक सहभागी परियोजना के अंतर्गत ये सर्जरी हुई । बेल्जियम के मेडिकल एनजीओ हेल्प (HELP) ने इस सहभगिता को प्रोत्साहित किया और इस वर्ष नवंबर में भारत से अफ्रीकी देश जाने के लिए तीन सदस्यीय मेडिकल मिशन की व्यवस्था की।

अफ्रीकी देशों में अपने नियमित स्वास्थ्य शिविरों के दौरान, यहां आधुनिक चिकित्सा देखभाल दुर्लभ है, डॉक्टरों और सर्जनों की पांच सदस्यीय HELP टीम को नवंबर 2022 में बुरुंडी की राजधानी बुजुंबुरा में रुशोज़ा लेलिन माइसा से मिलने का मौका मिला। वह मुड़ी हुई रीढ़ की हड्डी से पीड़ित थी और उसकी माँ कारोबोना मार्टीन अपने बच्चे की पीड़ा सहन नहीं कर पाती थी। पिछले साल उसके पति के निधन के बाद, एक अकेली मां के लिए अपनी दो बेटियों का पालन-पोषण करना दूभर हो रहा था, रोटरी क्लब मुंबई एसओबीओ के पूर्व अध्यक्ष एल्स रेनियर्स बताते हैं। जबकि हर गुजरते महीने के साथ मासा की तबियत गिरती जा रही थी, बेल्जियम के एनजीओ ने जल्द से जल्द सुधारात्मक सर्जरी की संभावना तलाशने के लिए दिसंबर में रोटरी क्लब गैंड-मैरीटाइम के सदस्य पियरे डी ब्रिएंट्ट से संपर्क किया।

अफ्रीका में भारतीय रोटेरियन के चिकित्सा मिशन और उनके सराहनीय कार्य के बारे में सुनकर, ब्रिएंट्ट ने युवा अफ्रीकी लड़की की जान बचाने के लिए बुरुंडी में एक आपातकालीन मिशन की व्यवस्था करने के लिए जनवरी 2023 में एल्स से संपर्क किया। मैंने द स्पाइन फाउंडेशन (टीएसएफ), मुंबई के सर्जनों और बच्चे की मां मार्टीन के बीच एक ज़ूम मीटिंग करवाई। टीएसएफ डॉक्टरों ने उनसे चिकित्सीय विश्लेषण के लिए अपनी बेटी का एमआरआई स्कैन करवाने का आग्रह किया,एल्स कहती हैं।

बहुत विचार-विमर्श करने के बाद कि ऑपरेशन कहां किया जाना चाहिए और लॉजिस्टिक गुत्थियों को सुलझाने के बाद, आखिरकार यह निर्णय लिया गया कि तीन सदस्यीय टीम - डॉ. अभय नेने, टीएसएफ से डॉ. हर्षल बम्ब और न्यूरो तकनीशियन जसावाला परिचर - 13 नवंबर को बुजंबुरा के पास मुतोयी सरकारी अस्पताल में सर्जरी करेंगे।। भारतीय डॉक्टरों ने अपनी सर्जरी फीस माफ कर दी और अपने हवाई किराए का भुगतान स्वयं किया, अस्पताल और मार्टीन ने उनके आवास, चिकित्सा

कारोबोना मार्टीन अपनी बेटियों, रुशोज़ा लेलीन मैसा (बाएं) और अपनी छोटी बहन रुशोज़ा कैना मार्ले के साथ। दाहिनी ओर डॉ हर्षल बम्ब भी चित्र में दिखाई दे रहे हैं।

उपकरण और अन्य सामग्रियों की लागत साझा की। सर्जिकल उपकरणों और उपभोग्य सामग्रियों की कीमत 6,000 यूरो थी।

बुरुंडी में अपने एक दिवसीय प्रवास के दौरान, डॉक्टरों ने मुतोयी अस्पताल द्वारा रेफर किए गए आठ मरीजों की जांच की। उन्होंने दो स्थानीय डॉक्टरों को भी प्रशिक्षित किया जो भविष्य में इसी तरह के मामलों को संभालने के लिए उनकी रीढ़ की हड्डी की सर्जरी देख रहे थे। सीनियर केजी में पढ़ने वाली अपनी बेटी मैसा को खुशी से झूमते और होठों पर मुस्कान देखकर मार्टीन कहती हैं, मैं हमेशा रोटरी की आभारी रहूंगी।

इस चिकित्सा मिशन की सफलता से खुश होकर, ब्रिएंड्ट भारतीय सर्जनों के आभारी हैं जिन्होंने बुरुंडी आने और मैसा की मदद की। रोटरी क्लब मुंबई एसओबीओ के अध्यक्ष सौरव पुरकायस्थ का कहना है कि यह दुनिया के सबसे गरीब देशों में से एक में रहने वाली एक नन्ही, प्यारी लड़की की मदद करने के इच्छुक दो महाद्वीपों के रोटरी क्लबों के बीच एक अच्छा सहयोगात्मक प्रयास था।

मुंबई क्लब वर्तमान में लगभग 12 टीएसएफ सर्जनों के सहयोग से महाराष्ट्र के आदिवासी इलाकों में रीढ़ की सर्जरी मुफ्त करने का एक जीजी प्रोजेक्ट (₹50 लाख) कर रहा है। एल्स मुस्कुराते हुए कहते हैं, हमने अप्रैल 2023 से आदिवासी बस्तियों में 44 सर्जरी की हैं।■

100 स्कूली छात्रों के लिए ई-टैबलेट

टीम रोटरी न्यूज़

रोटरी क्लब पंचशील मैसूर के अध्यक्ष किरण रॉबर्ट (दाएं से चौथे) और क्लब के सदस्य छात्रों को ई-टैब वितरित करने के बाद उनके साथ।

छात्रों के डिजिटल शिक्षण कौशल को बढ़ाने के उद्देश्य से, कर्नाटक के चामराजनगर जिले के 50 सरकारी स्कूलों के 100 लाभार्थियों को रोटरी क्लब पंचशील मैसूर, रो ई मंडल 3181 द्वारा 20 लाख रुपये के ई-टैबलेट वितरित किए गए। यह परियोजना रो ई मंडल चामराजनगर, इंफोसिस और प्रोफेसर रंगराजू, अध्यक्ष, INTACH-मैसूर चैप्टर के सहयोग से की गई थी।

रो ई मंडल पंचशील मैसूर उन 43 आदिवासी छात्रों को एक गहन क्रैश कोर्स भी प्रदान करेगा, जिन्होंने कक्षा 10 की परीक्षा की तैयारी के लिए स्कूल छोड़ दिया था। विरासत मूल्य के एक स्कूल भवन का निरीक्षण करने के बाद, खछढ-उक सदस्यों ने इसे पुनर्निर्मित करने का निर्णय लिया है ताकि यह छात्रों के लिए अनुकूल शिक्षण माहौल प्रदान कर सके।

दोषियों के ज्ञान कौशल को बढ़ाने के लिए इंफोसिस द्वारा चामराजनगर जेल में एक कंप्यूटर लैब स्थापित की जाएगी जो उनके पुनर्वास में मदद करेगी।■

चिंता और अवसाद से निपटना

भरत और शालन सवुर

तनाव हमारे जीवन का एक सामान्य हिस्सा है। यह आपात स्थिति के प्रति स्वाभाविक शारीरिक और मानसिक प्रतिक्रिया के रूप में सामने आता है। लेकिन अगर इसे लंबे समय तक रखा जाए या लंबे समय तक नजरअंदाज किया जाए, तो तनाव चिंता या अवसाद का कारण बन सकता है।

चिंता: तनाव की तरह, थोड़ी चिंता भी एक प्राकृतिक और सामान्य मानवीय घटना है। यह वह ज्यादती है जिससे आपको परेशान होना चाहिए। एक प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली है जिसका उपयोग आप इसकी उपस्थिति का पता लगाने के लिए कर सकते हैं। लंबे समय से चल रही चिंता, भय और आसन्न विनाश से सावधान रहें जो काम के दौरान आपको परेशान करते हैं और नींद में झकझोर देते हैं। रिश्तों को निभाने में विफलता भी यह निर्धारित कर सकती है कि कोई व्यक्ति इसके प्रभाव में है। इसका भौतिक रूप तेज़ / तेज़ दिल, अत्यधिक पसीना, चक्कर आना और चक्कर आना, अनिद्रा या घबराहट के दौरे हो सकते हैं। चिंता से उत्पन्न भावनात्मक समस्याओं में नियंत्रण खोने का डर, भय की भावनाएँ और एकाग्रता की समस्याएँ शामिल हैं।

ए डी: चिंता और अवसाद

अवसाद लंबे समय तक अनुपचारित तनाव का उप-उत्पाद या विस्तार हो सकता है। यह किसी व्यक्ति द्वारा उन गतिविधियों में पूरी तरह से रुचि या आनंद खो देने की अपनी बुरी, दुखद स्थिति को प्रकट करता है जिनका वह पहले आनंद लेता था। सुस्ती, नींद के पैटर्न में बदलाव, सेक्स ड्राइव में कमी, शराब या नशीली दवाओं पर निर्भरता भी अवसाद की चिंता के क्षेत्र हैं। अनुपचारित अवसाद आत्महत्या का सबसे बड़ा कारक है। इसलिए, यह ध्यान रखना दोगुना महत्वपूर्ण है कि चिंता और अवसाद स्थितियाँ हैं, कमज़ोरियाँ नहीं। और चिकित्सा एवं प्रभावी उपचार उपलब्ध हैं।

'तनाव' शब्द का प्रयोग अक्सर शारीरिक और भावनात्मक या मानसिक स्थिति दोनों का वर्णन करने के लिए किया जाता है। चिंता सहित सभी तनाव नकारात्मक नहीं होते हैं। वे हमसे बेहतर प्रतिक्रिया और बेहतर रवैया/आवेदन आमंत्रित और प्रेरित कर सकते हैं। मपेट में तितलियाँफ शुरू होती हैं और हमारी सहायता करती हैं - परीक्षा कक्षा, वैज्ञानिक प्रयोगों और खेल से लेकर जीवन के हर क्षेत्र तक।

अक्सर, अच्छा तनाव गेहूं को भूसी से अलग कर देता है, अच्छे को सामान्य से

अलग कर देता है, और वास्तव में महान को बाकियों से ऊपर उठा देता है। नोबेल पुरस्कार विजेता, अकादमी पुरस्कार विजेता और ट्रैक एवं फील्ड स्पर्धाओं में स्वर्ण पदक विजेता इसके कुछ जीवंत उदाहरण हैं।

फिर भी, तनाव के साये में रहना या बुरे तनाव के अस्तित्व को नकारना खतरनाक है। फिर, लंबे समय तक तनाव में रहने वालों में से बहुत से लोग टूट सकते हैं। इस तरह का तनाव हृदय संबंधी स्वास्थ्य समस्याओं को जन्म दे सकता है। एक ऑस्ट्रेलियाई अध्ययन में कहा गया है कि औसतन आठ में से एक पुरुष को अवसाद का सामना करना पड़ता है और पांच में से एक को अपने जीवन के किसी न किसी चरण में चिंता का अनुभव होता है। भारत, अपनी कहीं अधिक आबादी और बहुत कम चिकित्सा-सामाजिक तनाव आश्रयों के साथ, कहीं अधिक असुरक्षित होना चाहिए। वास्तव में, संभावना अधिक है कि आप या आपका कोई करीबी तनाव का शिकार हो सकता है। लंबे समय तक तनाव कई लोगों को चिंता या अवसाद का कारण बन सकता है। किसी भी स्थिति में मनोवैज्ञानिक या मनोचिकित्सक से परामर्श लें। तनाव दूर करने में चिकित्सीय हस्तक्षेप का कोई सामाजिक कलंक नहीं है।

कार्यवाही करना

इसमें अपने पारिवारिक डॉक्टर को शामिल करें। वह आपकी समस्या पर नियंत्रण रख सकता/सकती है। आपको बताएं कि क्या आप चिंता या अवसाद की अवस्था/स्थिति में हैं। और यदि आवश्यक हो, तो आगे के उपचार के लिए आपको मनोवैज्ञानिक या मनोचिकित्सक के पास भेजें। इसके अलावा, अपनी जीवनशैली का पुनर्मूल्यांकन करें। ऐसे सहायक लोगों (परिवार और/या दोस्तों) की तलाश करें जिन पर आप भरोसा करते हैं। इसे गुप्त रहस्य बनाए रखना आपको भंवर में और गहराई तक ले जा सकता है।

मेरा करीबी दोस्त बॉबी एक अच्छा केस स्टडी है। वह चिंता नरक से गुजर चुका है। और फिर, मेरी बहन दीपिका, एक जीपी और मनोचिकित्सक को धन्यवाद। उसने संबंधित दवा से उसका इलाज किया और, आम तौर पर, उसे सही (स्वस्थ) रास्ते पर ला दिया। गायन के प्रति उनके जुनून को जानकर, उन्होंने उन्हें गाने के लिए प्रेरित किया। संगीत क्षत-विक्षत स्तन को शांत करता है।

आराम करें

सबसे पहले अपने डॉक्टर से सलाह लें. मिलकर कार्ययोजना बनाएं। फिर, सबसे महत्वपूर्ण बात, बात पर अमल करें। आपके पास कई विकल्प हैं. उन्हें चुनें/विकसित करें जिनके बारे में आप भावुक हैं। अच्छे स्वास्थ्य की ओर लौटने का मार्ग मूलभूत है। यहां, सबसे पहले, यदि आवश्यक हो तो अपनी ममानसिकफ को मानसिकता में बदलें। अब, सामान्य स्थिति में लौटने के लिए आप कई रास्ते अपना सकते हैं। यहाँ कुछ हैं:

अनुपचारित अवसाद आत्महत्या का सबसे बड़ा कारक है। इसलिए, यह ध्यान रखना दोगुना महत्वपूर्ण है कि चिंता और अवसाद स्थितियाँ हैं, कमज़ोरियाँ नहीं।

व्यायाम की दिनचर्या शामिल करें और पौष्टिक आहार लें। सुनिश्चित करें कि आप अच्छी नींद लें।

प्रकृति के साथ चलो और प्रकृति तुम्हारे साथ चलती है।

एक डायरी बनाए रखें. लेखन एक अच्छा मुक्ति और राहत बिंदु है।

ध्यान करें. यह आपको एक अच्छा मानसिक स्थान और बेहतर परिप्रेक्ष्य प्रदान करता है।

खुद को हंसने के लिए प्रोत्साहित करें. टीवी सिटकॉम देखें और स्टैंड-अप कॉमेडियन को सुनें।

दूसरी ओर, यदि आप जानते हैं कि कोई व्यक्ति चिंता या अवसाद से गुजर रहा है, तो उसे सहारा देने के लिए अपना कंधा दें। उसे किसी डॉक्टर या स्वास्थ्य सेवा केंद्र में जाने की सलाह दें। अनुवर्ती यात्राओं पर भी उसके साथ रहें। साथ ही, आपसी मित्रों और परिवारों को भी उनसे मिलने के लिए प्रोत्साहित करें।

अंततः, जीवन में उतार-चढ़ाव आते हैं। कोई भी और कुछ भी फुलप्रूफ नहीं है। अपने प्रतिरोध पर काम करें और अपने लचीलेपन में सुधार करें। याद रखें: ताकत सिर्फ आपके पास नहीं है। ताकत आप हैं।

लेखक फिटनेस फॉर लाइफ, *और* बी सिम्पली स्पिरिचुअल - यू आर नैचुरली डिवाइन *के लेखक है और* फिटनेस फॉर लाइफ *कार्यक्रम के शिक्षक है।*

New members from different groups in our communities bring fresh perspectives and ideas to our clubs and expand Rotary's presence. Invite prospective members from all backgrounds to experience Rotary.

REFER A NEW MEMBER
my.rotary.org/member-center

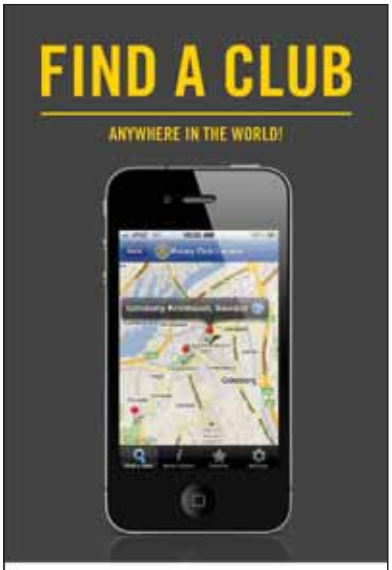

Use Rotary's free Club Locator and find a meeting wherever you go!

www.rotary.org/clublocator

अक्टूबर 2023 तक मंडल टीआरएफ योगदान

(अमेरिकी डॉलर में)

मंडल संख्या	एनुअल फण्ड	पोलियो प्लस फंड	एंडोमेंट फण्ड	अन्य निधि	कुल योगदान
India					
2981	17,516	501	1,000	0	19,017
2982	19,204	338	7,085	4,488	31,116
3000	44,369	290	0	1,918	46,577
3011	77,647	17,527	26,089	135,273	256,537
3012	8,287	50	0	8,346	16,683
3020	71,926	7,395	20,211	20,500	120,032
3030	27,906	25,108	275	138,163	191,451
3040	1,065	108	0	25	1,198
3053	8,495	0	0	12,439	20,934
3055	33,944	539	30	0	34,513
3056	13,651	100	0	0	13,751
3060	46,876	9,415	100	99,821	156,212
3070	1,840	0	0	0	1,840
3080	21,364	8,829	0	2,600	32,794
3090	30,090	713	0	5,121	35,923
3100	44,247	1,205	0	6,203	51,655
3110	998	0	0	37,045	38,043
3120	7,461	58	0	0	7,519
3131	183,589	4,606	12,098	37,617	237,909
3132	68,507	2,485	10,000	13,718	94,711
3141	170,195	5,271	59,012	345,769	580,246
3142	220,924	4,650	6,500	0	232,073
3150	25,630	30,454	160,411	73,365	289,860
3160	7,219	51	0	0	7,269
3170	33,397	23,370	2,500	59,293	118,560
3181	28,086	1,045	0	50	29,181
3182	5,590	1,337	0	0	6,927
3191	24,278	4,006	60,976	73,464	162,724
3192	22,191	1,610	0	2,100	25,901
3201	54,104	40,483	44,436	909,090	1,048,112
3203	9,606	10,804	1,220	8,725	30,355
3204	7,665	2,662	0	2,962	13,289
3211	21,801	4,124	27,325	41,173	94,424
3212	30,275	7,440	0	14,210	51,925
3231	1,447	796	0	0	2,243
3232	22,161	10,800	8,300	740,946	782,207
3240	34,365	7,683	0	5,342	47,390
3250	11,520	1,673	26	9,247	22,467
3261	9,074	239	0	0	9,312
3262	7,218	2,868	0	2,575	12,662
3291	48,739	1,252	29,205	1,050	80,247
3220 Sri Lanka	24,029	2,060	0	673	26,762
3271 Pakistan	11,535	21,500	0	9,245	42,280
3272 Pakistan	1,342	385	0	25	1,752
3281 Bangladesh	8,812	1,978	2,000	102,976	115,766
3282 Bangladesh	20,411	1,438	0	25	21,875
3292 Nepal	38,972	7,527	0	39,820	86,319

वार्षिक कोष (AF) में SHARE, फोकस के क्षेत्र, विश्व कोष और आपदा प्रतिक्रिया शामिल हैं।
पोलियोप्लस में बिल और मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन शामिल नहीं है।
स्रोत: रो ई दक्षिण एशिया कार्यालय

साइबर अपराध - एक प्रबल खतरा

जयश्री

रिज़वान शेख

जैसे-जैसे हमारी दुनिया परस्पर तेजी से जुड़ती और डिजिटल रूप से हावी होती जा रही है, वैसे-वैसे साइबर सुरक्षा और साइबर अपराध डार्क वेब से उभरने वाले विभिन्न खतरों के साथ केंद्र में आते जा रहें हैं। फ़िशिंग हमले, रैंसमवेयर घुसपैठ, व्यक्तिगत डेटा चोरी और वित्तीय घोटाले व्यक्तियों और संगठनों के लिए समान रूप से अद्वितीय खतरे पैदा करते हैं, जिसके कारण संचालन बाधित होता है और वित्तीय प्रतिघातों की एक श्रृंखला देखने को मिलती है।

इंडिया टुडे में प्रकाशित एक संपादकीय लेख के मुताबिक, आरबीआई का अनुमान है कि पिछले तीन वित्तीय वर्षों में डेबिट और क्रेडिट कार्ड धोखाधड़ी क्रमश: ₹119 करोड़, ₹155 करोड़ और ₹276 करोड़ की हुई है। इस पत्रिका ने दिल्ली, हरियाणा, गुजरात, आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार, असम, पश्चिम बंगाल और झारखंड को भारत के शीर्ष दस साइबर अपराध हॉटस्पॉट बताया हैं। अप्रैल 2023 में राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल द्वारा संचालित हेल्पलाइन नंबर 1930 पर ऑनलाइन धोखाधड़ी को लेकर लगभग 700,000 शिकायतें दर्ज की गई हैं; जिनमे 1,20,938 शिकायतों के साथ यूपी इस सूची में सबसे ऊपर है।

हाल ही में रोटरी क्लब अहमदाबाद ग्रेटर, रो ई मंडल 3055, ने इंट्रक्टरों के साथ मिलकर एक ऑनलाइन कार्यक्रम का आयोजन किया, जहां एक एथिकल हैकर और साइबर विधिक परामर्शदाता रिजवान शेख ने साइबर खतरों और हमारे वर्चुअल स्पेस की सुरक्षा के उपायों पर प्रकाश डाला।

''आपका भोलापन और लालच साइबर अपराधियों के लिए प्राथमिक पूंजी है। कभी भी किसी अनजान लिंक या वेबसाइट पर क्लिक न करें। इससे वे आपकी मेहनत की कमाई को लूट सकते हैं और आपके डिजिटल स्पेस पर नियंत्रण कर सकते हैं,'' शेख ने कहा। उन्होंने आईपी (इंटरनेट प्रोटोकॉल) एड्रेस को एक हैकर के लिए अपने लक्ष्य के बारे में सभी डिजिटल जानकारी प्राप्त करने की कुंजी कहा। यह कंप्यूटर नेटवर्क का उपयोग करने वाले प्रत्येक उपयोगकर्ता को सौंपी गई एक विशिष्ट पहचान होती है। आईपी एड्रेस तक पहुंच प्राप्त करने के लिए लक्ष्य को एक प्रलोभन के रूप में एक लिंक भेजा जाता है, और बाकी का काम हैकर के लिए आसान हो जाता है।

उन्होंने कहा, ''गलत लिंक पर क्लिक करने से आपके मोबाइल फोन या कंप्यूटर में हानिकारक सॉफ्टवेयर (मैलवेयर) और वायरस भी आ सकते हैं।'' ट्रोजन मैलवेयर के बारे में चेतावनी देते हुए, उन्होंने कहा कि यह एक हानिरहित सी दिखने वाली लिंक के माध्यम से भेजा जाता है जिसपर क्लिक करने पर यह आपके फोन/कंप्यूटर में प्रवेश कर जाता है। ''ट्रोजन एनीडेस्क जैसे एक रिमोट एक्सेस/ स्क्रीनशेयरिंग ऐप को इंस्टाल कर सकता है, पीड़ित के कॉल सुन सकता है, लोकेशन, संपर्कों, संदेशों, वार्तालापों को रिकॉर्ड कर सकता है और यहां तक कि वीडियो कैमरा भी चालू कर सकता है। रैनसमवेयर सिस्टम को लॉक और एनक्रिप्ट कर देता है और हैकर क्रिप्टोकरेंसी या साइबर मनी के रूप में फिरौती मांगता है। कुछ लिंक लक्ष्य को ऑनलाइन टोकन भुगतान करने के लिए लुभाते हैं ताकि पिन या पासवर्ड चुराया जा सके, या आपको एक क्यूआर कोड स्कैन करने का आग्रह किया जाता है जो आपके खाते से पैसे डेबिट कर देता है।''

उन्होंने सुरक्षित तरीके से ऑनलाइन रहते वक़्त क्या करें और क्या न करें की एक सूची दी। सही ग्राहक सेवा नंबर के लिए हमेशा बैंक/मर्चेंट की आधिकारिक वेबसाइट पर जाएं; लेन-देन अलर्ट प्राप्त करने के लिए बैंक के साथ अपना संपर्क विवरण अपडेट रखें; अपने डेबिट/क्रेडिट कार्ड को सुरक्षित रखें और लेनदेन करने के लिए दैनिक सीमा निर्धारित करें; मजबूत पासवर्ड का उपयोग करें और भावी नुकसान को रोकने के लिए अपने बैंक को किसी भी अनाधिकृत लेनदेन की सूचना दें।

''भुगतान प्राप्त करने के लिए अपना यूपीआई पिन ना डाले और ना ही क्यूआर कोड स्कैन करें; वेब ब्राउज़र या अपने डिवाइस में अपना बैंकिंग यूज़रनेम/पासवर्ड सेव ना करें; आपके बैंक खाते को ब्लॉक करने की धमकी देने वाले एसएमएस/मेल में साझा किए गए किसी भी लिंक पर क्लिक ना करें; आपकी शिकायतों को हल करने का वादा करने वाली किसी थर्ड पार्टी ऐप को डाउनलोड ना करें, या बैंक प्रतिनिधि होने का दावा करने वाले किसी भी व्यक्ति के साथ अपनी आईडी/पासवर्ड/ओटीपी/सीवीवी साझा ना करें। थोड़ा सामान्य ज्ञान और तर्क आपको भारी नुकसान और तनाव से बचाने में काफी मदद कर सकता है।''

साइबर सुरक्षा में करियर और अवसरों के बारे में बात करते हुए, शेख ने एथिकल हैकिंग के बारे में जानकारी प्रदान की। उन्होंने कहा, ''यह किसी सिस्टम या ऐप को हैक करना है, नुकसान पहुंचाने के लिए नहीं, बल्कि इसकी भेद्यता की जांच करने, सुरक्षा उल्लंघनों का परीक्षण करने, खामियों को दूर करने और इसे हैक-प्रूफ बनाने के लिए। भारत के विपरीत, ज्यादातर देशों ने एथिकल हैकिंग को अपनी साइबर कानून पुस्तक में शामिल किया है।''

अन्य अवसरों में साइबर ऑडिट में प्रयुक्त वीएपीटी (वल्नरेबल असिस्टेड एंड प्रोटेक्टिव टेस्टिंग) शामिल हैं। उन्होंने कहा कि भारत में वीएपीटी विशेषज्ञ दुर्लभ हैं और यह एक विशिष्ट क्षेत्र है। उन्होंने युवाओं से नेटवर्क तथा वेब सुरक्षा और साइबर कानून दिशानिर्देशों में करियर तलाशने का आग्रह किया। ■

शब्दों की दुनिया

सलाखों के भीतर का नज़ारा

संध्या राव

जेल के भीतर की ज़िंदगी के बारे में नज़दीकी अनुभव के बारे में खूबसूरती और विनम्रता से लिखी गई यह किताब हमें बहुत कुछ सिखाती है। जरूर पढ़ें।

मैं सुधा भारद्वाज द्वारा लिखी हर चीज पढ़ूंगी वो क्योंकि वो एक असाधारण महिला हैं और साथ ही जो अप्रत्याशित जीवन उन्होंने जिया है।फ अरुंधति रॉय, हमारी ज़िंदगी और वक्त पर निर्भीक और बेबाक समीक्षक को 'फ्रॉम फांसी यार्ड: माई ईयर विथ वीमेन ऑफ़ यरवदा' पुस्तक के बैक कवर पर उद्धृत किया गया है। यह याद दिलाता है इस बात की कि भारत विलक्षण महिलाओं का देश है, जिनमें से अधिकांश के अस्तित्व में ही असाधारणता परिलक्षित होती है। यह स्मरण कराता है एक व्यक्ति के रूप में, जिसके बारे में पुरानी सभ्यता को उत्तरदायी मानते हैं, हम महिला और नारीत्व का बहुत सम्मान करते हैं। सुधा भारद्वाज की लगभग 70 महिलाओं से हुई मुलाकात का शब्दचित्र, नवंबर 2018 से फरवरी 2020 तक यरवदा जेल, पुणे में कैद के दौरान, बताता है कि उन्होंने दिखा दिया कि 'अन्याय से कैसे बचे, उम्मीद के साथ कैसे जियें ... जीना, प्यार करना, लड़ना कैसे जारी रखेंफ और खुश रहें, सलाखों के पीछे भी।'

लेकिन पहले, ये सुधा भारद्वाज कौन हैं? पुस्तक से लिए गए अंश : वह '...एक सम्मानित ट्रेड यूनियनवादी और मानवाधिकार वकील हैं, जिन्होंने छत्तीसगढ़ में गरीबों के अधिकारों के लिए तीन दशक से अधिक समय तक कार्य किया है। बोस्टन में शिक्षाविद माता-पिता के घर जन्मी, उन्होंने भारतीय नागरिक बनने के लिए अपना अमेरिकी पासपोर्ट को तिलांजलि दे दी थी। आईआईटी कानपुर से गणित में पांच साल की मास्टर ऑफ साइंस की डिग्री के बाद, वह एक ट्रेड यूनियनिस्ट के रूप में छत्तीसगढ़ में काम करने चली गईं। 39 साल की उम्र में सुधा एक वकील भी बन गईं। 2018 में, उन्हें महाराष्ट्र के भीमा कोरेगांव गांव में हिंसा भड़काने के आरोप में गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम यूएपीए के तहत कई विद्वानों, वकीलों और कार्यकर्ताओं की तरह उन्हें गिरफ्तार किया गया था।' जब उन्हें नजरबंद किया गया था, वो दिल्ली में नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी में वह एक विजिटिंग प्रोफेसर के रूप में काम कर रही थीं।। वह पहले यरवदा और फिर भायखला जेल, मुंबई में तीन साल से अधिक समय जेल में बिता चुकी हैं। दिसंबर 2021 में उन्हें जमानत पर रिहा कर दिया गया।

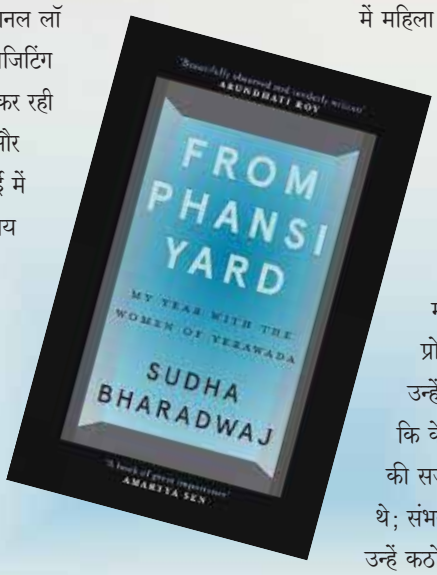

सुधा ने अपनी पुस्तक समर्पित की है मअन्यायपूर्वक जेल में बंद सभी लोगों कोफ और अपनी बेटी को मजिसने जेल के दौरान मेरी अनुपस्थिति की पीड़ा को सबसे अधिक सहा हैफ। सचमुच, अनुचित रूप से कैद किए गए लोग और बच्चे सबसे अधिक पीड़ित हैं। एक साक्षात्कार की तरह दिया गया उनका परिचय, जो पाठकों को लेखिका की व्यक्तिगत और व्यावसायिक पृष्ठभूमि की एक झलक बताता है, आंखें खोल देता है। उदाहरण के लिए, इस सवाल पर, 'क्या आपको असंतुष्ट कहा जा सकता है?', सुधा ने जवाब दिया: 'अगर इसका मतलब यह है कि क्या मैं कॉरपोरेट्स के खिलाफ, सरकारों के खिलाफ, शक्तिशाली लोगों के खिलाफ बोलने की हिम्मत कर सकती हूं, जब वे अत्याचारी हों?...हां। लेकिन मैं यह भी मानती हूं कि मैं संविधान का पालन करती हूं। मैंने अपने आसपास के प्रत्येक नागरिक के लिए न्याय, स्वतंत्रता, समानता और भाईचारे के लिए कोशिश की है और करती रहूंगी। क्या आप इसे असंतोष कहेंगे?'

वो बताती है कि किताब अस्तित्व में कैसे आई, कैसे लिखी गई: 'कुछ कैदी प्रार्थना करते हैं, कुछ रोते हैं, कुछ सिर्फ अपना झुका कर काम करते रहते हैं। कुछ लोग हर जगह निडर होकर लड़ते हैं, कुछ कट्टर बड़बड़ाते रहते हैं, कुछ गपशप मारते हैं। कुछ लोग अखबार को शुरू से आखिर तक पढ़ते हैं, कुछ बच्चों पर प्यार बरसाते हैं, कुछ खुद पर और दूसरों पर हंसते हैं। मैंने सलाखों के उस तरफ देखा, और मैंने लिखा।' उसने जेल कैंटीन से नोटबुक खरीदी और रात में महिला जेल, यरवदा के फांसी यार्ड (मृत्यु कक्ष) में दस कदम गुणा छह कदम वाली छोटी एक कोठरी में बैठ कर लिखा। बगल की कोठरी में भीमा-कोरेगांव मामले में सह-अभियुक्त प्रोफेसर शोमा सेन हैं। उन्हें कभी नहीं बताया गया कि वे उच्च सुरक्षा वाली मौत की सजा वाली कोठरी में क्यों थे; संभवतः इसलिए क्योंकि उन्हें कठोर यूएपीए (गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम) के तहत रखा गया था। इसके दूसरी तरफ दो बहनें हैं, जो पिछले 24 वर्षों से कैद हैं। उनकी कैद कोठरी से जेल का नज़ारा दिखता है, जिसकी एक तरफ बनी सलाखों को धन्यवाद।

एक सर्दी से दूसरी सर्दी तक, गर्मी और मानसून से गुजरते हुए, सुधा कैदियों की कहानियों के कुछ अंश देखती और सुनती है, जो उसे जीवन, न्याय, समाज, व्यवस्था और बहुत से चीजों के बारे में आश्चर्यचकित करती है। पहला स्केच एक मराठा लड़की का है जिसकी मुलाकात पुणे के फराशखाना लॉक-अप में हुई थी, जहां वो पहली बार ले जाई गई थीं। लड़की किसी आधुनिक, मध्यवर्गीय, कामकाजी लड़की की तरह लगती है, वह जोश से बताती है कि उसने अपने तमिल प्रेमी के साथ भागकर कैसे शादी की। वह तथाकथित बलात्कार के लिए उकसाने के आरोप में कैद है।

सुधा भारद्वाज

ऐसा लगता है कि जेल में बंद कई महिलाएँ ख़राब या गलत विवाह के कारण वहां पहुँची हैं । उदाहरण के लिए, यह दलित नर्स एक फ़ौजी की बेटी है। अपने अत्याचारी और शराबी पति की मृत्यु के बाद, वह अपने दो छोटे बच्चों के साथ, अपने मुँहबोले भाई और उसकी पत्नी के साथ रहने लगी। वहां उसने पत्नी के ताने सहे, हालांकि उसने परिवार की आर्थिक सहायता भी करती थी। दिन में वह एक निजी घर में नर्स के रूप में काम करती थी और उस पर रात में काम करने का दबाव भी डाला जाता था। अंततः एक अस्पताल में नौकरी मिल गयी। लेकिन, उसके पिछले नियोक्ताओं ने उस पर गहने चुराने का आरोप लगाया और इस तरह वह जेल पहुँच गई। पर वह खुश थी कि उसकी बेटी पुलिस बल में शामिल होना चाहती थी। फिर भी, लेखिका का कहना है, 'मुझे समझ नहीं आया कि उसके लिए खुश होऊं या निराश, यह जानते हुए कि पुलिस के भीतर जातिगत भेदभाव कितना ज्यादा है।'

लेखिका अपनी उत्सुक किन्तु उद्देश्यपरक दृष्टि से पाठकों को जेल की ज़िंदगी के विभिन्न पक्षों से अवगत कराती चलती है। हम कानून चलाने वालों से मिलते हैं, कैदियों को जिम्मेदारी के कार्य कैसे दिए जाते हैं, यहां हम देखते हैं कि कैंटीन कैसे चलती है, भोजन कैसे वितरित किया जाता है, कैसे सहायता करने वाले परिवार कैद में बंद लोगों को हर महीने पैसे भेजते हैं और जिनका कोई सहारा नहीं है, वे सड़ते रहते हैं या वे साथी कैदियों के छोटे-मोटे काम करते हैं या उनकी दया पर आश्रित रहते हैं । कुछ महिलाओं के पति या साथी पड़ोस की पुरुष जेल में हैं, सुविधाओं के मामले में ये जेल तुलनात्मक रूप से बेहतर है, वैसे कुल मिलाकर यरवदा जेल साफ-सुथरी और अपेक्षाकृत व्यवस्थित है। हालाँकि, गुटबंदी और भाई-भतीजावाद का बोलबाला यहां भी है, जैसा बाहर की दुनिया में होता है, पर साथ ही अकेलापन, ईर्ष्या और हताशा भी है।

लेखिका एक ऐसी महिला के बारे में लिखती है जो खुद नहीं जानती कि वह वहां क्यों पड़ी है लेकिन कभी-कभी हिंदी फिल्मी गाने लग जाती है; ऐसा लगता है कि वो पार्किंसंस की रोगी है, वह खाती बहुत अधिक है और कहीं भी सो जाती है। कभी-कभी वह घर जाने के लिए बिलखती है। इसके बावजूद,

> कुछ कैदी प्रार्थना करते हैं, कुछ रोते हैं, कुछ सिर्फ अपना झुका कर काम करते रहते हैं। कुछ लोग हर जगह निडर होकर लड़ते हैं, कुछ कट्टर बड़बड़ाते रहते हैं, कुछ गपशप मारते हैं।मैंने सलाखों के उस तरफ देखा, और मैंने लिखा।
>
> gY^ ^aÛO

लेखिका कहती है, मअपने-अपने तरीके से, हर कोई उसका ध्यान रखता है। वे उसका मज़ाक उड़ाते हैं, चुटकुले सुनाते हैं, उसे अतिरिक्त भोजन देते हैंफ़ा और कुछ लोग स्पष्ट रूप से उच्च वर्ग की पृष्ठभूमि से हैं। उनमें से एक, गबन के अपराध में समय काट रही है, लेखिका से कहती है, जेल में आने के बाद मैंने जीवन के बारे में इतना कुछ सीखा और समझा है, जो मैं अन्यथा कभी नहीं समझ सकती थी। 'एक अन्य महिला' अपनी मांओं के साथ रह रहे बच्चों को पढ़ाती है, साथ ही महिलाओं को योग भी करवाती है। जेल में बच्चों को एक निश्चित उम्र तक अपनी माँ के साथ रहने की अनुमति होती है, जिसके बाद उन्हें अलग संस्थाओं में भेज दिया जाता है। आम तौर पर बच्चे सबके प्रिय होते हैं, उनका वहां से जाना उनकी अपनी और 'अन्य' माताओं के लिए बड़ा कष्टप्रद होता है। वे आम तौर पर हर किसी के प्रिय होते हैं और सुधा का मानना है कि इस मामले में महिलाओं के लिए कानूनी सेवाएं अपर्याप्त हैं, और यह एक ऐसा क्षेत्र है जिसमें सुधार की आवश्यकता है, खासकर दोषी कैदियों के मामले में, जिन्हें उच्च न्यायालय या उच्चतम न्यायालय में अपनी अपील की स्थिति के बारे में भी पता तक नहीं है।'

जेल के जीवन में आस्था की भूमिका बहुत बड़ी है। व्यक्तिगत सम्बन्ध हो या ना हो, लेखिका ने पाया कि ज्यादातर महिलाएं एक-दूसरे के धर्म का सम्मान करती हैं: उदाहरण के लिए सब रोज़ा रखते हैं और हर कोई दिवाली मनाता है। महिला दिवस पर कई महिलाएं अपने प्रतिभा का प्रदर्शन करती हैं। अब, जमानत की शर्तों के अनुसार सुधा मुंबई से बाहर नहीं जा सकती, कहती है कि वह अक्सर अपने साथी कैदियों के बारे में सोचती है। कभी-कभी उसे किसी अनजान नंबर से फोन आता है: 'अरे आंटी, पहचाना क्या, याद है?' और इस फोन से उसका दिन और खुशनुमा हो जाता है।

स्तंभकार बच्चों की लेखिका और वरिष्ठ पत्रकार हैं।

मंडल गतिविधियाँ

रोटरी क्लब नागपट्टिनम - रो ई मंडल 2981

थिट्टाचेरी में नवनिर्मित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को ₹65,000 की बुनियादी सुविधाएं दान की गई।

रोटरी क्लब गुड़गांव - रो ई मंडल 3011

गीता भवन में *प्रोजेक्ट रोटरी सनातन रसोई* के तहत रोटरियन मीनाक्षी खुल्लर के पिता की याद में भोजन वितरण (₹10 प्रति थाली) कार्यक्रम आयोजित किया गया।

रोटरी क्लब मेट्टूर डैम सिटी - रो ई मंडल 2982

डीजी एस राघवन ने मेट्टूर के एक प्राथमिक विद्यालय में ₹2 लाख की एक डिजिटल लाइब्रेरी और एक स्मार्ट क्लासरूम का उद्घाटन किया।

रोटरी क्लब भोपाल हिल्स - रो ई मंडल 3040

डीजी रितु ग्रोवर और भोपाल की महापौर मालती राय ने एक स्थानांतरित व्यावसायिक केंद्र का उद्घाटन किया।

रोटरी क्लब पुदुकोट्टई सिटी - रो ई मंडल 3000

सरकारी स्कूलों के वंचित छात्रों के साथ दिवाली मनाई गई।

रोटरी क्लब अलवर - रो ई मंडल 3053

शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक स्कूल में प्रेरक वक्ता सरोज गुप्ता ने स्वास्थ्य, स्वच्छता, खान-पान की आदतों और व्यवहार पर चर्चा की।

मंडल गतिविधियाँ

रोटरी क्लब कॉस्मोपॉलिटन अहमदाबाद - रो ई मंडल 3055

शाहीबाग के गिरधरनगर हाई स्कूल में तीन दिवसीय नेत्र जांच शिविर में 1,960 से अधिक छात्रों की जांच की गई और उनमें से 60 को चश्मे दिए गए।

रो ई मंडल 3080

हिमाचल प्रदेश के सोलन जिले के धरमपुर गांव में बाढ़ पीड़ितों को आश्रय किटें वितरित की गई।

रोटरी क्लब श्री माधोपुर सनराइज - रो ई मंडल 3056

रोटरी भवन में साप्ताहिक होम्योपैथी शिविर में डॉ. एस. आई. चौधरी ने 95 मरीजों की जांच की। अब तक 46,000 से अधिक लोग लाभान्वित हो चुके हैं।

रोटरी क्लब धुरी - रो ई मंडल 3090

लगभग 200 लड़कियाँ बेनरा के यूनिवर्सिटी कॉलेज तक आने-जाने के लिए मुफ्त बस सेवा का लाभ उठाती हैं।

रोटरी क्लब सूरत ईस्ट - रो ई मंडल 3060

भगवान कीर्तन प्रकाश पार्किंसंस डिजीज एंड मूवमेंट डिसऑर्डर सोसाइटी के समर्थन से यूनिटी अस्पताल में एक दूसरा पार्किंसंस सपोर्ट उपचार केंद्र स्थापित किया गया।

रोटरी क्लब मुरादाबाद - रो ई मंडल 3100

कृष्ण बाल विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में अपर जिला न्यायाधीश माधवी सिंह ने बाल अधिकार और यौन अपराधों पर व्याख्यान दिया।

मंडल गतिविधियाँ

रोटरी क्लब नैनीताल - रो ई मंडल 3110

नैनीताल के मोहन लाल साह बालिका विद्या मंदिर में राष्ट्रीय कोच ज्योति दुर्गापाल ने छात्राओं के लिए आत्मरक्षा की कक्षाएं लगाईं।

रोटरी क्लब पणजी - रो ई मंडल 3170

डीजीपी जसपाल सिंह द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना की गई मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता रैली में लगभग 100 स्कूली छात्रों ने भाग लिया।

रोटरी क्लब खोपोली - रो ई मंडल 3131

सरसन गांव के एक आंगनवाड़ी प्राथमिक विद्यालय में फाइबर फोइल्स से प्राप्त सीएसआर अनुदान के तहत एक शौचालय खंड बनाया गया था।

रोटरी क्लब तीर्थहल्ली - रो ई मंडल 3182

पूर्व एजी के पी एस स्वामी और अन्य सदस्यों की उपस्थिति में क्लब द्वारा किसानों को सम्मानित किया गया।

रोटरी क्लब चाकूर - रो ई मंडल 3132

विश्व पोलियो दिवस पर निकाली गई रैली के दौरान स्कूलों में पोलियो टीकाकरण पर वीडियो क्लिप दिखाई गई।

रोटरी क्लब बैंगलोर विजयनगर - रो ई मंडल 3191

केआर मार्केट बस स्टैंड पर पीने के पानी की सुविधा स्थापित की गई, जिससे रोजाना 5,000 लोग लाभान्वित हो रहे है।

मंडल गतिविधियाँ

रोटरी क्लब भवानी कोमारपलायम - रो ई मंडल 3203

परियोजना थाईमाई के तहत गर्भवती महिलाओं को हर सप्ताह स्वस्थ भोजन और फल दिए जा रहे हैं।

रोटरी क्लब कराला वैली जलपाईगुड़ी - रो ई मंडल 3240

रोटरी इंडिया ह्यूमैनिटी फाउंडेशन और काओ झोंग झी फाउंडेशन, ताइपे, के साथ साझेदारी में 15 लाभार्थियों को व्हीलचेयर (₹30,000) दान किए गए।

रोटरी क्लब ग्रेटर हरिपद - रो ई मंडल 3211

क्लब द्वारा अपने पोलियो प्लस अभियान के हिस्से के रूप में एक वाहन किराए पर लिया जा रहा है जो रोटरी की पोलियो उन्मूलन पहल के बारे में जागरूकता पैदा करता है।

रोटरी क्लब बोकारो स्टील सिटी - रो ई मंडल 3250

सोनाटांड के आदर्श उच्च विद्यालय में लड़कियों के लिए शौचालय खंड का उद्घाटन किया गया। स्कूल की प्रिंसिपल ललिता ने क्लब का धन्यवाद किया।

रोटरी क्लब महिंद्रा इंडस्ट्रियल सिटी - रो ई मंडल 3231

डीजी पी भरानीधरन ने कट्टनकुलथुर के पंचायत यूनियन प्राइमरी स्कूल, में एक नए कक्षा खंड का उद्घाटन किया।

रोटरी क्लब बेलूर - रो ई मंडल 3291

डॉक्टरों की एक टीम ने कोलकाता के अक्षर स्कूल में 60 से अधिक छात्रों और शिक्षकों को सीपीआर जैसे जीवन रक्षक कौशल पर प्रशिक्षण दिया।

वी मुत्तुकुमारन द्वारा संकलित

टीसीए श्रीनिवासा
राघवन

क्रिकेट मुझे क्यों आकर्षित करता है

अक्टूबर और नवंबर मेरे व्यस्ततम महीने रहे। क्रिकेट विश्व कप 5 अक्टूबर को शुरू हुआ और 19 नवंबर, 2023 को समाप्त हुआ। यानी 45 दिन। कोशिश करने के बावजूद मुझे एक व्यक्ति भी ऐसा नहीं मिला जो पूर्ण विशेषज्ञ न हो। पूर्ण मतलब पूर्ण। वह सब जानता था। ऐसा लग रहा था जैसे भारत की समस्त पुरुष आबादी में या तो सेवानिवृत्त खिलाड़ी हैं या वर्तमान शीर्ष श्रेणी के खिलाड़ी शामिल हैं। फैसला सुनाने से पहले किसी को जरा भी हिचकिचाहट नहीं होती थी।

लेकिन कभी कभार प्रशंसकों द्वारा पैदा की जाने वाली परेशानीयों के अलावा, इस बार मैं बहुत संतोषजनक स्थिति में था। जिस दिन केवल एक मैच होता, इसमें लगभग आठ घंटे लगते थे और दो मैच हुए तो 12 घंटे। मैं आपको सच कहूँ, ये बहुत आनंददायक था। इस खेल से ज्यादा मजेदार चीज़ कोई नहीं है। कोई और खेल तो इसके आसपास भी नहीं फटकता - और वजह उचित है। गणित में इसी को नॉन लीनियर (गैर रैखिकता) कहा जाता है।

गैर-रैखिकता का तात्पर्य है कि आप प्रारम्भिक परिस्थितियों के आधार पर अंतिम परिणाम की भविष्यवाणी नहीं कर सकते। इसका सबसे प्रसिद्ध उदाहरण यह है कि पेरू में पंख फड़फड़ाती एक तितली जापान में भूकंप का कारण बन सकती है। क्रिकेट भी ऐसा ही है। जब गेंदबाज द्वारा गेंद फेंकने और बल्लेबाज के शॉट खेलने के बीच दर्जनों चीजें घट सकती हैं। वह गेंद को किस तरह पकड़ता है, कितनी गति, स्विंग या स्पिन पैदा कर सकता है, बॉल कहां गिरती है, कितना घूमती है, बल्लेबाज कैसे खेलता है, गेंद बल्ले को कहां छूती है, बल्लेबाज के पैर और सिर की स्थिति... बनाते रहिये उन चीजों की सूची, जिनके परिणामस्वरूप रन बने, या नहीं, या बल्लेबाज बोल्ड होकर आउट हुआ, कैच हुआ, स्टंप हुआ, रन आउट हुआ या लेग बिफोर विकेट में पकड़ा गया। फिर कैच पकड़ना भी है - कैच पकड़ा या छूट गया। और प्रत्येक गेंद पर संभावित रनों की संख्या - 6, 4, 3, 2, 1 और 0। क्रम परिवर्तन की संख्या अनगिनत हैं।

तो आप ने देखा खेल की ख़ूबसूरती किसमें निहित है। बॉलर के हाथ से निकली प्रत्येक गेंद के परिणाम को अलग-अलग कई चीजें प्रभावित कर सकती हैं। किसी और खेल में इतनी अधिक संभावनाएं कहाँ हैं और अभी तो मैंने पिच, आउटफील्ड, बारिश, ओस, हवा और भीड़ की स्थिति का भी उल्लेख नहीं किया है। इन सभी चीज़ों का प्रभाव भी अंतिम परिणाम पर पड़ता है।

इतना ही नहीं। फ़ील्ड प्लेसिंग भी है। जिन लोगों ने खेल को अपेक्षाकृत उच्च स्तर पर नहीं खेला है उन्हें इसका एहसास नहीं हो सकता कि इससे कैसे फर्क पड़ सकता है। मेरा तात्पर्य है, कभी मैच देखते समय आपने सोचा कि इतने सारे शॉट सीधे एक ही फील्डर के पास क्यों जाते हैं? ऐसा इसलिए है क्योंकि पुरुष (या महिला) को सोच समझ कर वहां खड़ा किया जाता है। यही कारण है कि दो फील्डरों के बीच से बॉल निकाल कर कुशलता पूर्वक शॉट खेलना बल्लेबाज की प्रवीणता दर्शाती है।

जब गेंदबाज द्वारा गेंद फेंकने और बल्लेबाज के शॉट खेलने के बीच दर्जनों चीजें घट सकती हैं। वह गेंद को किस तरह पकड़ता है, बल्लेबाज कैसे खेलता है, क्रम परिवर्तन की संख्या अनगिनत हैं।

एक और हुनर जिसे बहुत कम महत्त्व मिला है वो यह कि एक बल्लेबाज पिच पर 22 गज की दूरी कितनी तेजी से दौड़ सकता है। यह देखने में आसान लगता है, लेकिन आपको इसे अकेले नहीं, बल्कि विपरीत दिशा में दौड़ते साथी के साथ आज़माना चाहिए। संकट के क्षणों में यह गुण महत्वपूर्ण हो सकता है। एक सेकंड की देरी से भी फर्क पैदा हो सकता है, खासकर जब आप दूसरा रन लेने के लिए घूमने में लगने वाले समय भी जोड़ लेते हैं।

यहां तक कि गेंद के संतुलन और सीवान की मोटाई से भी फर्क पड़ सकता है। मैच शुरू होने से पहले, क्षेत्ररक्षण करने वाली टीम को 12 गेंदों का एक बॉक्स दिया जाता है जिसमें से उसे गेंद का चुनाव करना होता है और आमतौर पर सबसे वरिष्ठ और अनुभवी खिलाड़ी गेंद चुनता है। सही विकल्प से सटीकता पर काफी फर्क पड़ सकता है कि गेंदबाज गेंद से क्या कराना चाहेगा ।

और अंत में, पुराने दिनों में अंपायर भी परिणाम के लिए महत्वपूर्ण हो सकते थे। पहले यह दिखाने की कोई तकनीक नहीं थी कि वह गलत था और घरेलू टीम के अंपायरों का झुकाव अक्सर अपने देश के पक्ष में होता था। इसीलिए कालान्तर में तटस्थ अंपायरों का प्रवेश हुआ।■

ADVT.

Rotary
A Project by
Rotary Club of
Virudhunagar
Dist- 3212

CREATE HOPE in the WORLD

PROJECT PUNCH

A 3-Day Spoken English Programme for Student Teachers

As on
November, 2023
No. of Occurrences
63
No. of Beneficiaries
7037

What is Project Punch?

Project Punch is a 3-day Spoken English training programme by Rotary Club of Virudhunagar for student teachers (B.Ed. students) to improve their Communicative English and Public Speaking skills.

The programme has been designed in such a way that the participants get the fundamentals to start their journey of communication skills development and that the top performers receive special attention and booster sessions for further improvements.

Contact:
Project Chairman
Rtn.A.Shyamraj
97502 07464

IDHAYAM
PROMISE OF HEALTH AND HAPPINESS

LEKHA ads/Dec 23/ Rotary/2

Registered No. TN/CCN/359/2021-2023 | Total number of pages in this monthly issue, including cover, 84. Price: ₹40
Licensed to post WPP No.TN/PMG(CCR)/WPP 421/21-23
Regd with RNI TNHIN/2001/05271. Rotary Samachar Published 1st week of every month. Posted at Egmore RMS Patrika Channel. Date of posting: 6–12 every month.

ADVT.

Excel maritime
YOUR GLOBAL LOGISTICS PARTNER

GET IN TOUCH WITH US FOR COMPREHENSIVE
EXIM LEGAL SERVICES

We serve as a one - stop solution to assist you with all the legal requirements in logistics.

Our Services
License schemes - Exemption and Remission,
Promotional / Incentive Schemes,
Value added services - DGFT & Customs,
Customs Refunds & all other services.

For enquiries contact:
+91 93827 50004 | +91 93827 50001
+91 95970 86258

Mail us at: excel@excelgroup.co.in

EXCEL GROUP OF COMPANIES

An Entity of
Excel group
www.excelgroup.co.in

CONTACT
Corporate Office
Old No. 52, New No. 8, Dr. BN Road (Opp. Singapore Embassy), Chennai - 17 PH: +91 44 49166999
www.excelgroup.co.in | / excelgroup